Ranchi ● Tuesday, 24 June 2025 ● Year : 03 ● Issue : 159 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi

नामकुम स्थित स्वर्णरेखा नदी

बारिश नहीं आफत

झारखंड में मानसून पूरी तरह हावी, रांची सहित कई जिलों में हुई जोरदार बारिश

PHOTON NEWS RANCHI :

- साइक्लोन और निम्न दबाव की सक्रियता के कारण उत्पन्न हुई स्थिति
- सड़कों पर भारी जल-जमाव और घरों में पानी घुसने से लोगों की बढ़ गई परेशानी

मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, झारखंड में साइक्लोन और निम्न दबाव क्षेत्र की सक्रियता के कारण मानसून पूरी तरह हावी है। राजधानी रांची सहित प्रदेश के कई जिलों में दोपहर बाद मौसम बदला। हवा के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। इस बारिश की वजह से मोहल्ले के साथ-साथ घरों में पानी घुस गया। राजधानी में लगभग 1:15 से 2 बजे तक बारिश हुई। इस दौरान सड़कों पर जल-जमाव के कारण एंबुलेंस और स्कूली बसें भी फंस गईं। जोरदार बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। 24 और 25 जून को भी मौसम विभाग ने रांची सहित अन्य जिलों में भारी बारिश की संभावना व्यक्त की है। जगह-जगह वज्रपात की भी आशंका जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड में दक्षिण-पश्चिमी मानसून पूरी तरह सक्रिय है। पिछले कुछ दिनों से राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो रही है।

अभी तक सामान्य से 257 प्रतिशत अधिक बारिश, 26 जून को होगी सबसे ज्यादा वर्षा

सोमवार तक रांची में लगभग 500 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। यह सामान्य से 257 प्रतिशत अधिक है। रविवार को पूरे राज्य में मानसून की सक्रियता कुछ हद तक कमजोर रही। हालांकि दुमका में सर्वाधिक 37.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई। सोमवार को इसने ज्यादा जोर पकड़ा। पाकुड़ में सबसे ज्यादा 36.9 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रिकॉर्ड किया गया, जबकि रांची के नामकुम में न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो दिनों तक अधिकतम तापमान में खास बदलाव नहीं होगा। लेकिन, उसके बाद अगले तीन दिनों में तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है। लगातार हो रही बारिश के चलते मौसम सुहावना बना रहेगा, लेकिन, लोगों को वज्रपात और जलजमाव जैसी स्थितियों को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। मौसम विभाग ने 24 से 25 जून तक दक्षिणी और उत्तर-पश्चिमी झारखंड में और 26 जून को राज्यभर में भारी बारिश की संभावना जताई है। आईएमडी के अनुसार, 24 और 25 जून को दक्षिणी झारखंड (पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां) और उत्तर-पश्चिमी जिलों (पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा) में भारी बारिश होगी।

SHARE

सेंसेक्स	:	81,896.79
निफ्टी	:	24,971.90

SARAFA

सोना	:	8,575
चांदी	:	120.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

बीजापुर में विस्फोटक के साथ 5 नक्सली गिरफ्तार

BIJAPUR : जिले में नक्सलियों के द्वारा बीते एक सप्ताह में एक नाबालिग छात्र सहित पांच ग्रामीण युवकों की हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद जिले में सघन नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत तीन थाना क्षेत्रों- मद्देड़, गंगालूर और जांगला में की गई कार्रवाई में पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। इन नक्सलियों के कब्जे से विस्फोटक सामग्री सहित अन्य सामान बरामद किए गए हैं।

मणिपुर में चार उग्रवादी धराए, विस्फोटक बरामद

IMPHAL : मणिपुर में उग्रवाद पर लगाम कसने के लिए सुरक्षा बल बड़े पैमाने पर अभियान चला रहे हैं। इस दौरान भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद हुए हैं, बल्कि प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से जुड़े कई लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है। सोमवार को भी 4 उग्रवादी धराए हैं।

ईरान बोला- न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं रोकेंगे, ट्रंप ने जंग शुरू की, खत्म हम करेंगे

अमेरिका के बाद अब इजरायल ने ईरानी एटमी सेंटर पर किया अटैक

जंग का 11वां दिन

NEW DELHI @ PTI :

- ईरानी सेना को अमेरिकी ठिकानों पर हमला करने की मिल गई खुली छूट
- इजरायली सेना ने ईरान के छह एयरपोर्ट- मशहद, तेहरान, हमादान, देजफुल, शाहिद बख्तरी और तबरीज पर भी किए ड्रोन हमले
- ईरान के 15 फाइटर जेट और हेलीकॉप्टर नष्ट करने का किया दावा
- तेहरान में ईरानी सेना की यूनिट आईआरजीसी से जुड़े ठिकानों पर भी हमले
- इजरायल ने सैकड़ों ईरानी सैनिकों के मारे जाने का भी किया दावा

जवाबी कार्रवाई में ईरान ने इजरायल पर की मिसाइलों और ड्रोनों की बौछार

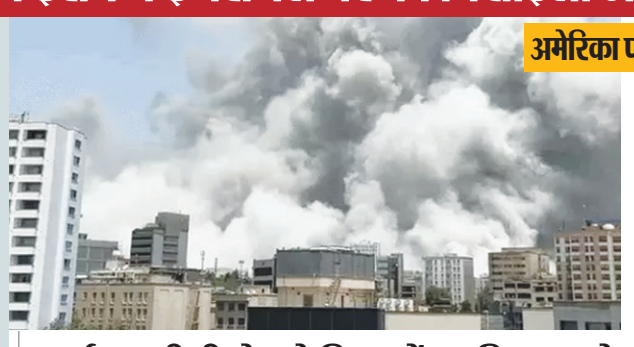

आईआरजीसी से जुड़े ठिकानों पर किए हमले

इजरायली सेना ने सोमवार सुबह ईरान के छह एयरपोर्ट- मशहद, तेहरान, हमादान, देजफुल, शाहिद बख्तरी और तबरीज पर भी ड्रोन हमले लिए। इनमें ईरान के 15 फाइटर जेट और हेलिकॉप्टर नष्ट करने का दावा किया गया है। इजरायल ने सोमवार को दोपहर में ईरान की राजधानी तेहरान में ईरानी सेना की यूनिट इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जुड़े ठिकानों पर हमले किए। इसमें सैकड़ों सैनिकों के मारे जाने का दावा है। इजराइली सेना ने बताया कि उसने तेहरान में एविन जेल, इजराइल डिस्ट्रक्शन घड़ी, आईआरजीसी के बासिज फोर्स का हेडक्वार्टर और इंटरनल सिक्योरिटी हेडक्वार्टर को टारगेट किया था।

अमेरिका पर हो सकता है आतंकी हमला

अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने नागरिकों के लिए नई सुरक्षा चेतावनी जारी की है, जिसमें अमेरिका के भीतर बढ़े हुए खतरे के माहौल की बात कही गई है। डीएचएस द्वारा जारी बुलेटिन के मुताबिक, ईरान समर्थक हैक्टीविस्ट और सरकारी साइबर यूनिट्स अमेरिका के कमजोर नेटवर्क्स को निशाना बना सकते हैं।

ईरान के सपोर्ट में रूस

अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर सीधे हमले के बाद रूस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। रूस की सुरक्षा परिषद के डिप्टी चेयरमैन और पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि अब कई देश ईरान को सीधे अपने न्यूक्लियर वॉरहेड (परमाणु हथियार) देने को तैयार हैं।

NEW DELHI @ PTI : सोमवार को ईरान के फोर्दो स्थित भूमिगत यूरेनियम संवर्धन स्थल पर फिर से हमला किया गया और ईरान ने भी इजरायल पर मिसाइलों और ड्रोनों की बौछार कर दी। ईरान ने इजराइल पर सोमवार दोपहर मिसाइल अटैक किया। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिणी इजरायल के अशदोद इलाके में बैलिस्टिक मिसाइल से हमला हुआ है। रेस्क्यू टीम इस इलाके में काम कर रही है। साथ ही ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरानी परमाणु स्थलों पर बड़े पैमाने पर किए गए हमलों के मद्देनजर अब उसकी सेना को अमेरिकी ठिकानों पर हमला करने की खुली छूट मिल गई है। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि फोर्दो स्थित परमाणु केंद्र रविवार को हुए हमले में भी प्रभावित हुआ था और सोमवार को इस पर फिर से हमला किया गया।

सेना ने दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमलों के लिए खरीदे 450 नागास्त्र 'आत्मघाती ड्रोन'

- लोइटरिंग म्यूनिशन सिस्टम में 80 फीसद से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का हुआ इस्तेमाल

AGENCY NEW DELHI : भारतीय सेना 450 नागास्त्र-1आर लोइटरिंग युद्ध सामग्री का ऑर्डर देकर अपनी सटीक हमला क्षमताओं को बढ़ा रही है। जीपीएस से लैस इन स्वदेशी 'आत्मघाती ड्रोन' में सटीकता के साथ हमले करने की क्षमता, उच्च ऊंचाई पर संचालन और दिन-रात निगरानी की सुविधा है। दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमलों के लिए डिजाइन किया गया यह हथियार देश के सैन्य ढांचे को और मजबूत करेगा। इस सिस्टम का परीक्षण लद्दाख और उत्तर प्रदेश में झांसी के पास बबीना सहित विभिन्न स्थानों पर किया गया है। आने वाले समय में ऐसे और भी अत्याधुनिक स्वदेशी हथियार सेना को मिल सकते हैं। नागपुर की सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड में निर्मित अत्याधुनिक लोइटरिंग म्यूनिशन नागास्त्र-1आर की पहली खेप हासिल करने के बाद भारतीय सेना ने उपयोग किया है। इस हथियार की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए अब सेना ने अपनी सटीक हमला क्षमताओं को बढ़ाने, अपनी पैदल सेना को आधुनिक बनाने के लिए 450 नागास्त्र-1आर लोइटरिंग युद्ध सामग्री का ऑर्डर दिया है। यह एक किफायती सिस्टम है, जिसमें लॉन्चर सिस्टम की पूरी तरह से दोबारा इस्तेमाल की जा सकने वाली खूबियां हैं।

नीतिगत असर मूलभूत रूप में वादे पूरे करने पर मोदी सरकार ने किया फोकस

पिछले 11 सालों में विकास का इंजन बन गया मिडिल क्लास

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : साल 2014 में सत्ता में आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता की आशाओं के अनुरूप नीतिगत परिवर्तन पर खास फोकस किया। इसके कई फायदे जनता को मिले। समय-समय पर विषम परिस्थितियों में जनता को दिक्कतों का भी सामना करना पड़ा, लेकिन प्रधानमंत्री की नीयत पर जनता ने शक नहीं किया। हाल ही में मोदी सरकार के 11 साल पूरे हुए हैं। इन 11 सालों की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास जारी हैं। यह कहा जा रहा है कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार की नीतियों ने मिडिल क्लास को विकास के इंजन के रूप में स्थापित कर दिया है। सरकार की ओर से बताया गया है कि 11 सालों में लोगों की आशाओं, जरूरतों और आकांक्षाओं को न केवल सुना गया, बल्कि इन पर उद्देश्यपूर्ण तरीके से काम भी किया गया। सरकार के 11 साल पूरे होने के चंद दिन पहले प्रेस सूचना ब्यूरो की अनुसंधान इकाई की ओर से जारी एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है कि कर राहत से लोगों के हाथों में अधिक पैसा पहुंचाने से लेकर वृद्धावस्था में सुरक्षा का वादा करने वाली पेंशन योजनाओं तक पिछले 11 वर्षों में भारतीयों के जीवन को आसान निष्पक्ष और अधिक सम्मानजनक बनाने के लिए लगातार और ईमानदार प्रयास किए गए हैं।

बेसिक सिस्टम को जनोन्मुख बनाने के लिए हर स्तर पर किए गए प्रयास

हाल ही में जारी प्रेस सूचना ब्यूरो की अनुसंधान इकाई की रिपोर्ट में खुलासा

- कर राहत से लोगों के हाथों में अधिक पैसा पहुंचाने की नीति ने आगे बढ़ने का खोला मार्ग
- वृद्धावस्था में सुरक्षा का वादा करने वाली पेंशन योजनाओं को सम्मानजनक बनाने की हुई कोशिश
- पहले से चली आ रहीं कई नीतियों को बदल सरकार ने खत्म की लालफीताशाही

अनेक जटिल नियमों को सरल बनाकर रोजमर्रा की व्यवस्था को बनाया सहज

हमारी योजनाओं ने गरीबों के जीवन को बदल दिया : पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में खुद सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर लिखा- गरीब कल्याण के प्रति समर्पित एक सहानुभूतिपूर्ण सरकार। पिछले एक दशक में एनडीए सरकार ने कई लोगों को गरीबी की स्थिति से निकालने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। हमारी सभी प्रमुख योजनाओं ने गरीबों के जीवन को बदल दिया।

सुधारों का एक बेहतर पैटर्न

रिपोर्ट की प्रस्तावना में बताया गया है कि सरकार ने लालफीताशाही को खत्म किया, नियमों को सरल बनाया और रोजमर्रा की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया है। चाहे कर भरना हो, घर खरीदना हो, काम पर जाना हो या दवाइयां खरीदनी हों, चीजें सरल और अधिक सुलभ हो गई हैं। ये बिखरे हुए बदलाव नहीं हैं, बल्कि सुधारों का एक पैटर्न है जो आम नागरिकों की वास्तविक चिंताओं को दर्शाता है। सबसे खास बात निरंतरता है। सरकार ने कहा है कि पिछले 11 वर्षों में उसने मध्य वर्ग के जीवन में वास्तविक बदलाव लाने के लिए सांकेतिक उपायों से आगे बढ़कर काम किया है। आयकर दरों को कम करने से लेकर रिटर्न को सरल बनाने तक, हर कदम नागरिकों को उनकी कमाई का अधिक हिस्सा अपने पास रखने देने के मूल विचार के अनुरूप है।

चार राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर हुए उप-चुनाव का आया रिजल्ट

विसावदर व लुधियाना में 'आप' जीती, बंगाल में काउंटिंग के दौरान ब्लास्ट, बच्ची की मौत

AGENCY NEW DELHI : सोमवार को चार राज्यों की 5 विधानसभा सीट पर हुए उप-चुनाव का रिजल्ट आ गए। गुजरात की कडी सीट से भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र चावड़ा जीते। उन्होंने कांग्रेस के रमेश चावड़ा को हराया। विसावदर पर 'आप' के गोपाल इटालिया जीते। भाजपा के कीर्ति पटेल दूसरे नंबर पर रहे। केरल में यूडीएफ उम्मीदवार कांग्रेस के आर्यदन शौकत को जीत मिली। उन्होंने सीपीआईएम के एम.स्वराज को हराया। पंजाब की लुधियाना वेस्ट 'आप' के खाते में आई, यहां संजीव अरोड़ा जीते। कांग्रेस के भारत भूषण आसु दूसरे नंबर पर रहे। पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट पर टीएमसी प्रत्याशी अलिफा अहमद जीतीं। उन्होंने भाजपा के आशीष घोष को हराया। इन सभी पांचों सीटों पर 19 जून को वोटिंग हुई थी। वहीं, कालीगंज सीट के लिए जारी काउंटिंग के बीच कृष्णानगर थाना क्षेत्र के बाराचंदगर इलाके में एक विस्फोट हुआ। घटना में 9 साल की बच्ची की मौत हो गई।

कडी सीट से भाजपा, केरल में यूडीएफ व बंगाल में टीएमसी विजयी

राजेंद्र चावड़ा	गोपाल इटालिया	आर्यदन शौकत	संजीव अरोड़ा	अलिफा अहमद
भाजपा	'आप'	यूडीएफ	'आप'	टीएमसी

केजरीवाल का राज्यसभा जाना संभव

संजीव अरोड़ा विधायक बनते हैं तो उन्हें राज्यसभा सीट छोड़नी होगी। कयास लगाए जा रहे हैं कि 'आप' अरविंद केजरीवाल को पंजाब से राज्यसभा भेज सकती है।

BRIEF NEWS

नशा छोड़ें, जीवन से नाता जोड़ें... का दिया जा रहा संदेश

HAZARIBAG : झारखंड सरकार के निदेर्शानुसार चलाए जा रहे नशा मुक्ति जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत सोमवार को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, हजारीबाग द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों में व्यापक स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह जागरूकता कार्यक्रम नशा छोड़ें, जीवन से नाता जोड़ें... थीम पर आधारित है, जिसे राज्य सरकार द्वारा चरणबद्ध ढंग से समस्त पंचायतों एवं गांवों में संचालित किया जा रहा है, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक इस संदेश का प्रभावी संप्रेषण सुनिश्चित किया जा सके। नशा उन्मूलन के प्रति चेतना जागृत करने के लिए नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए तथा एलईडी स्क्रीन के माध्यम से विविध जागरूकता संदेश, वीडियो क्लिप्स एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम प्रसारित किए गए। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने मादक पदार्थों के सेवन से उत्पन्न सामाजिक विघटन, आर्थिक संकट एवं पारिवारिक कलह जैसे गंभीर दुष्परिणामों को प्रभावपूर्ण ढंग से जनमानस के समक्ष प्रस्तुत किया गया। वहीं, एलईडी स्क्रीन पर प्रदर्शित संदेशों ने समाज के विभिन्न वर्गों, विशेषकर युवाओं, महिलाओं एवं किशोरों में नशा के विरुद्ध जागरूकता का सशक्त संचार किया।

दो साल बाद केयू ने बनाई स्क्रीनिंग कमेटी

JAMSHEDPUR : कोल्हन विश्वविद्यालय ने 2008 में नियुक्त शिक्षकों की पहली प्रोन्नति को प्राथमिकता दी है। इसके लिए स्क्रीनिंग कमेटी का गठन कर दिया गया है। कुलपति की अध्यक्षता में बनी इस कमेटी में संबंधित संकाय अध्यक्ष और स्नातकोत्तर विभागाध्यक्ष को शामिल किया गया है। कमेटी 4 जुलाई तक सभी विषयों की स्क्रीनिंग पूरी कर रिपोर्ट देगी। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. एके झा ने बताया कि प्रोन्नति की प्रक्रिया कैरियर एडवांसमेंट स्कीम 2010 के तहत की जा रही है। प्रोन्नति के बाद शिक्षकों को 6000 से 7000 ग्रेड-पे का लाभ मिलेगा। बाह्य एजेंसी में कार्यरत कर्मचारियों की समस्या के समाधान के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद कुलपति ने शिक्षकों की प्रोन्नति को प्राथमिकता पर लेने का निर्णय लिया। स्क्रीनिंग कमेटी सभी विषयों से आए प्रोन्नति आवेदनों की समीक्षा करेगी। इसके आधार पर विश्वविद्यालय जेपीएससी को संस्तुति भेजेगा।

दो साल से पेंडिंग था मामला : कोल्हान विवि के करीब 150 शिक्षकों के प्रमोशन की फाइल मार्च 2023 से विवि में पड़ी हुई थी। क्योंकि इन फाइल की जांच जिस स्क्रीनिंग कमेटी को करनी थी। उसे केयू बना ही नहीं रहा था। जबकि जमशेदपुर महिला विवि समेत अन्य विवि के शिक्षकों के प्रमोशन की फाइल आयोग में है। हालांकि अब विवि द्वारा करीब दो साल बाद कमेटी का गठन कर दिया गया है। अब देखना होगा की यह कमेटी कितना जल्दी अपनी रिपोर्ट देती है।

अधिकांश विषयों में एक भी प्रोफेसर नहीं : कोल्हान विवि में 22 विषयों के अलावा टीआरएल के आठ नियमित कोर्स की पढ़ाई होती है। इसमें अधिकांश विषयों में एक भी प्रफेसर नहीं है। वहीं सिर्फ आधा दर्जन विषयों में एसोसिएट प्रोफेसर रह गए हैं।

बरही में भरभराकर गिरा छज्जा, मलबे में दबकर पति-पत्नी की हो गई मौत

जिला प्रशासन ने परिजनों को दिया मुआवजा, बच्चों की देखभाल का किया इंतजाम

PHOTON NEWS HAZARIBAG : बरही थाना क्षेत्र के रसोइया धमना बाराटोला गांव में रविवार को देर रात एक दर्दनाक हादसे में पति-पत्नी की मौत हो गई। जर्जर मकान का छज्जा भरभराकर गिर गया, जिसके मलबे में दबकर हबीब अंसारी (50 वर्ष) और उसकी पत्नी जुमेरा खातून की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब दंपती गहरी नींद में थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, आधी रात को अचानक मकान की छत गिर गई। हादसा इतना भयावह था कि दंपती पूरी तरह मलबे में दब गए। जब पड़ोसियों ने शोर सुना, तो मौके पर पहुंचे और तुरंत मलबा हटाकर दोनों को बाहर निकाला। उन्हें बरही के अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जिला प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि दो दिन के अंदर आवास को पूर्णतया तैयार कर दिया जाएगा।

मकान की स्थिति पहले से थी जर्जर

ग्रामीणों का कहना है कि मकान काफी पुराना और कमजोर हो चुका था, जिसकी मरम्मत नहीं कराई गई थी। लगातार बारिश और समय के साथ कमजोर ढांचे के कारण छत गिर गई। यह हादसा बरही क्षेत्र के लिए एक बड़ी त्रासदी बनकर सामने आया है।

मुआवजा देने के लिए पहुंचे डीडीसी इश्तियाक अहमद ● फोटोन न्यूज

मृतक जुमेरा खातून थीं सक्रिय जनप्रतिनिधि

जुमेरा खातून वार्ड संख्या 9 की एक सक्रिय जनप्रतिनिधि थीं और सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं। उनकी असामयिक मृत्यु ने गांव को गहरे शोक में डुबो दिया है। लोग उन्हें एक संवेदनशील और सामाजिक महिला के रूप में याद कर रहे हैं।

प्रशासन ने की 4 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा

घटना की सूचना मिलते ही बरही के अंचलाधिकारी (सीओ) अमित किस्कू सहित प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। सीओ ने कहा कि यह प्राकृतिक आपदा की श्रेणी में आता है और सरकारी प्रावधानों के तहत मृतकों के परिजनों को 4 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। प्रशासन ने पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। इसमें 1 लाख 80 हजार रुपये का भुगतान कर दिया गया।

पांच बच्चों के सिर से उठा मां-बाप का साया

मृतक दंपती अपने पीछे चार पुत्रियां और एक पुत्र को छोड़ गए हैं। अब इन मासूम बच्चों के सामने जीवन की एक नई और चुनौतीपूर्ण लड़ाई खड़ी हो गई है। जिला प्रशासन ने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और भरण-पोषण का इंतजाम किया है। डीडीसी इश्तियाक अहमद ने कहा कि दोनों बेटियों को प्रतिमाह 4 हजार रुपये छात्रवृत्ति देने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। दोनों का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, बरही में नामांकन कराया जा रहा है।

जेवरात सहित 41 हजार रुपये नकद लेकर फरार हुए चोर, पांच मिनट में हो गई चोरी

AGENCY HAZARIBAG : हजारीबाग शहर के ओकनी तालाब गली नंबर एक में चोरी की घटना सामने आई है। घटना सोमवार अहले सुबह की है। जानकारी के मुताबिक चोरों ने महज 5 मिनट में गोदरेज का दरवाजा तोड़ 41 हजार रुपये नकद के साथ सोने के जेवरात लेकर फरार हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार जिनके घर में सुबह-सुबह चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया उनका नाम विशाल सिन्हा है। वह पेशे से बस कंडक्टर हैं। उनकी पत्नी सिमरन ने बताया कि सुबह चार बजे पति ड्यूटी के लिए निकल गए थे। उनके जाने के कुछ देर बाद दरवाजा तोड़ने की आवाज सुनाई दी। मेरे साथ बच्चे और बहन थी, जिस कमरे में हम सोए हुए थे उसका दरवाजा डर से हमने अंदर से बंद कर लिया था। सिमरन ने बताया कि हमने खुद को कमरे में बंद किया और पति, देवर और जेठ को कॉल किया। जब तक आस-पड़ोस के लोग और रिश्तेदार मौके पर पहुंचे, चोर जा चुके थे।

इस घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अपार्टमेंट में लगे तीन सीसीटीवी कैमरे बंद थे। एक दिन पहले ही शहर में सात राउंड गोलीबारी की घटना हुई थी। दो दिन में दो बड़ी वारदातों से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही हजारीबाग पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

अलमारी में बिखरे सामान दिखाते परिवार के लोग ● फोटोन न्यूज

बुजुर्गों को मिला आयुष्मान भारत स्मार्ट कार्ड, सांसद ने किया वितरण

JAMSHEDPUR : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए शुरू की गई आयुष्मान भारत योजना के तहत सोमवार को सदर अस्पताल में स्मार्ट हेल्थ कार्ड का वितरण किया गया। इस अवसर पर सांसद विद्युत वरण महतो ने स्वयं उपस्थित होकर बुजुर्गों के बीच पांच लाख तक के निःशुल्क इलाज के लिए आयुष्मान भारत स्मार्ट कार्ड वितरित किए। सांसद ने बुजुर्गों से अपील की कि वे इस योजना की जानकारी अन्य बुजुर्गों तक भी पहुंचाएं और उन्हें प्रेरित करें कि वे सदर अस्पताल में आधार कार्ड लेकर आएं और अपना स्मार्ट कार्ड बनवाएं। उन्होंने कहा कि यह कार्ड बुजुर्गों को गंभीर बीमारियों के समय आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन डॉ. आशीष पाल ने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों ने स्मार्ट कार्ड के लिए पंजीकरण कराया है और स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य है कि जिले के हर योग्य बुजुर्ग को इसका लाभ मिले।

मुहर्रम की तैयारियां शुरू, 27 जून से हो सकता आगाज

JAMSHEDPUR : इस्लामिक नववर्ष 1447 हिजरी के आगमन के साथ ही शहर में मोहर्रम की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुस्लिम बहुल इलाकों में डंका बजने लगा है और माहौल गमगीन होता जा रहा है। इमारत-ए-शरिया जमशेदपुर के प्रमुख सउद आलम कासमी ने बताया कि यदि 26 जून की शाम चांद नजर आता है, तो हिजरी वर्ष की पहली तारीख 27 जून होगी। अन्यथा यह 28 जून से शुरू होगा। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार चांद दिखने पर महीनों की गणना की जाती है, जो 29 या 30 दिनों की हो सकती है। शिया समुदाय की ओर से एक नई पहल करते हुए इस बार मजलिस का डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। इलाहाबाद के मौलाना हैदर रिजवी इस अवसर पर विशेष मजलिस में शरीक होंगे। मानगो की जाफरी मस्जिद में 1 से 12 मुहर्रम तक रोज सुबह 10 बजे मजलिस आयोजित होगी। हुसैनी मिशन, साकची में रात 8 बजे से मजलिस होगी।

सुन्नी समाज में भी जोर-शोर से तैयारियां

शहर के विभिन्न इमामबाड़ों में ताजिया निर्माण शुरू हो गया है। कारीगर दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, ताकि दसवीं मोहर्रम को भव्य जुलूस निकाला जा सके। मुहर्रम के दौरान ताजिया जुलूस शहर के विभिन्न हिस्सों से निकाले जाएंगे, जिनमें बड़ी संख्या में लोग शरीक होंगे।

यहां से निकलेगा मातमी जुलूस : 7वीं मुहर्रम की रात 9 बजे: हुसैनी मिशन, साकची वेल्लर रोड से कर्बला के 13 वर्षीय शहीद हजरत कासिम की याद में अलम जुलूस।

9वीं मुहर्रम की रात 9 बजे : मातमी जुलूस। **10वीं मुहर्रम की सुबह 10 बजे :** प्रमुख जुलूस निकाला जाएगा।

राज्यपाल ने नेतरहाट की शैक्षणिक गुणवत्ता को सराहा, नासपाती का बागान भी देखा

PHOTON NEWS LATEHAR : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को नेतरहाट प्रवास के दौरान नेतरहाट आवासीय विद्यालय का भ्रमण किया तथा वहां की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालय परिसर में पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं सहित विभिन्न शैक्षणिक विभागों का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों को उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली। राज्यपाल को विद्यालय के प्राचार्य ने विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियां, अनुशासन, शिक्षण पद्धति तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए किए जा रहे नवाचारों से अवगत कराया। राज्यपाल ने विद्यालय की सुदृढ़ शैक्षणिक परंपरा, अनुशासित वातावरण तथा प्राकृतिक सौंदर्य से युक्त परिसर की सराहना की।

नेतरहाट स्कूल में राज्यपाल को स्मृति चिह्न भेंट करते प्राचार्य ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि नेतरहाट विद्यालय न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश की शैक्षणिक गरिमा का प्रतीक है। यहां से शिक्षा प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों ने देश-विदेश में विद्यालय व राज्य का नाम रोशन किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अपनी गौरवशाली परंपरा को निरंतर बनाए रखेगा। राज्यपाल ने नेतरहाट स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भी अवलोकन किया। उन्होंने चिकित्सा सुविधाओं, उपलब्ध दवाओं तथा स्थानीय निवासियों को दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। राज्यपाल ने नेतरहाट क्षेत्र में लगभग 100 एकड़ में फैले नासपाती बागान का भी भ्रमण किया।

उन्हें जानकारी दी गई कि यहां 'नट' किस्म के नासपाती भी हैं, जो अपने स्वाद एवं गुणवत्ता के लिए मशहूर है।

वेतन बढ़ोतरी की मांग पर सफाई कर्मियों ने की हड़ताल

DHANBAD : शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों ने वेतन बढ़ोतरी की मांग को लेकर हड़ताल कर दी। सोमवार को सुबह 8 बजे सभी सफाई कर्मचारी काम छोड़कर अस्पताल के मुख्य परिसर में आ गए। कर्मियों ने कहा कि पिछले दो वर्ष से यहां कमांडो सर्विसेज के अंतर्गत साफ-सफाई का काम हो रहा है, जिसमें लगभग 100 सफाई कर्मचारी सेवा दे रहे हैं। लेकिन, सरकार द्वारा तय मजदूरी का भुगतान नहीं हो रहा है। सफाई कर्मियों ने कहा कि नियम अनुसार 400 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से हाजिरी बनती है। लेकिन, उन्हें कभी 270 तो कभी 280 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से दिया जा रहा है। पिछले दो वर्षों से एजेंसी आज-कल में मजदूरी बढ़ाने की बात कर रही है, लेकिन इस आश्वासन को पूरा नहीं कर रही है। साफ सफाई ठप होने के बाद अस्पताल प्रबंधन हरकत में आया और संबंधित एजेंसी के पदाधिकारी से बातचीत की। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि 27 जून को एजेंसी के अधिकारी धनबाद आएंगे, इसके बाद त्रिपक्षीय वार्ता होगी। तब तक सफाई कर्मचारियों को कम पर लौटने को कहा गया।

छात्रों की किताबें कबाड़ी को बेचता पकड़ा गया नाइट गार्ड

PHOTON NEWS JSR : पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया नगर पंचायत क्षेत्र में सोमवार को सरकारी स्कूलों की नई किताबें कबाड़ में बेचने का मामला सामने आया। झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा भेजी गई करीब 20 बोरी किताबें और कॉपियां एक डाला टेंपो में भरकर पुराने बाजार स्थित कबाड़ी को बेची जा रही थीं। पत्रकारों की नजर पड़ने पर मामला उजागर हुआ। बताया गया कि इन किताबों को बेचने में केयरटेकर सह नाइट गार्ड बापी दास की अहम भूमिका रही। विभाग ने बापी दास को ही किताबें अनलोड करने की जिम्मेदारी दी थी। ये किताबें सत्र 2025-26 की थीं। इनमें कक्षा एक और पांच की नोटबुक, ज्ञानसेतु की भूगोल, अंग्रेजी और गणित की किताबें शामिल थीं। इन्हें मिस्त्रीपाड़ा विलय स्कूल के गोदाम से टेंपो में भरकर नया बाजार लाया गया था। वहां एक धर्म कांटा पर वजन कराने के बाद इन्हें कबाड़ में बेचने ले जाया जा रहा था। लोगों की नजर पड़ते ही टेंपो चालक किताबों से भरी बोरियां वहीं फेंककर भाग गया। सूचना मिलते ही थाना के एसआई सुकलाल टुडू दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। बीपीओ तरुण गिरि भी मुसाबनी से घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने सभी किताबें जब्त कर थाने ले आई।

बीईईओ को शोकॉज

प्रखंड संसाधन केंद्र में तैनात नाइट गार्ड द्वारा छात्रों के लिए आई किताबें कबाड़ी को बेचने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष पांडे ने कहा कि यह घटना सरकारी संपत्ति की खुली चोरी और दुरुपयोग का मामला है। साथ ही यह छात्र हितों की अनदेखी और विभाग की छवि को नुकसान पहुंचाने वाला कृत्य है। मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित गार्ड के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। उसकी सेवा की समीक्षा कर अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन मांगा गया है। उन्होंने बताया कि जांच में यह भी सामने आया है कि केंद्र में पर्याप्त जगह होने के बावजूद किताबों को मर्ज विद्यालय भवन में रखा गया था। वहीं से उनकी चोरी और बिक्री संभव हुई। यह निर्णय प्रशासनिक लापरवाही और जिम्मेदारी से बचने का संकेत देता है। ऐसे में चाकुलिया के प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को शोकॉज जारी करते हुए विभाग ने 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है कि किताबों को मर्ज विद्यालय में रखने का निर्णय किन परिस्थितियों में लिया गया इसकी जानकारी देने को भी कहा गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के शासन में देश पूरी तरह से सुरक्षित : बाबूलाल

DUMKA : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन मे देश पूरी तरह से सुरक्षित है। 11 सालों के केंद्रीय नेतृत्व मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लिए जो कल्याणकारी योजनाएं दिया वह मिशाल है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11सालो के कार्यकाल मे देश की जनता को एक समान अवसर दिया। मरांडी सोमवार को दुमका परिसदन भवन में प्रेसवार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के गांव-गांव तक सड़क है, बिजली है प्रत्येक लोगों के हाथ तक सूचना का तंत्र है। कोई बीमार हो तो उनको भी पांच लाख तक की इलाज की सुविधा आयुष्मान के तहत मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कहने को यहां की राज्य सरकार इलाज के नाम पर बीमा योजना का लाभ दे रही है। लेकिन इलाज के नाम पर झारखंड की सरकार कुछ नहीं दे रही है। मरांडी ने कहा कि जिन अस्पतालों ने लोगो का इलाज किया यहां की झारखंड सरकार उन अस्पतालों को भुगतान भी नहीं किया। उन्होंने कहा कि देश की सरकार गरीबों की चिंता कर रही है उनके चूल्हा, स्वास्थ्य विकास, सड़क, स्वास्थ्य की चिंता कर रही है। उन्होंने कहा कि इसलिए इन 11 वर्षो मे केंद्र सरकार के नेतृत्व मे देश की जनता सुरक्षित महसूस कर रही है। देश में सुशासन भी है और विकास के साथ साथ गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाएं भी चलाई जा रही है। मरांडी ने कहा कि भाजपा ने आतंकवाद को लेकर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि देश मे झारखंड आतंकवाद के लिए ओर भी संवेदनशील प्रदेश है। पिछले दिनों कई आतंकवाद का ठिकाना झारखंड से मिला है। इसमे कई आतंकवादियों को झारखंड से गिरफ्तार किया गया है।

लाइव स्ट्रीमिंग में देश भर के साहित्यकारों ने उदाहरणों के साथ रखे अपने-अपने विचार

सृजन संवाद में युद्ध के विरुद्ध साहित्य व कला की भूमिका पर हुई व्यापक चर्चा

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर स्थित संस्था 'सृजन संवाद' पिछले 14 वर्षों से साहित्य, कला, सिनेमा एवं समसामयिक मुद्दों पर चर्चा और परिचर्चा का मंच रही है। इस संस्था की प्रत्येक विचार गोष्ठी साहित्यिक प्रतिबद्धता का निर्वहन करती आई है। इसी कड़ी में, वर्तमान समय में जब विश्व के विभिन्न हिस्सों में युद्ध जैसी परिस्थितियां बन रही हैं या बन चुकी हैं, संस्था ने एक बार फिर अपनी साहित्यिक-सांस्कृतिक ज़िम्मेदारी निभाते हुए युद्ध-विरोधी साहित्य और कला की भूमिका पर विचार करना प्रारंभ किया है। संस्था द्वारा यह विषय 'युद्ध के विरुद्ध साहित्य और कला की भूमिका' को लेकर एक श्रृंखला के रूप में गोष्ठियों के आयोजन द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है। इसी क्रम में, 151वां 'सृजन संवाद' शनिवार शाम 6 बजे आयोजित किया गया, जिसका विषय था– 'युद्ध के विरुद्ध : कविता'।

गणमान्य अतिथियों ने विभिन्न भाषाओं में रचित तथा स्वयं की रचनाओं के माध्यम से युद्ध की विभीषिका और युद्ध-पीड़ित मानसिकता को अभिव्यक्त करती कविताओं का पाठ किया।

इस संस्था की व्यवस्थापक डॉ. विजय शर्मा ने अपने स्वागत वक्तव्य में कहा कि साहित्य जितना प्राचीन और शाश्वत है, युद्ध भी उतना ही पुराना अनुभव है। रामायण और महाभारत से लेकर प्रथम एवं द्वितीय विश्वयुद्ध, भारत-पाक और भारत-चीन युद्धों तक, इतिहास में कई बार युद्ध आत्मरक्षा, आत्मगौरव और सम्मान के लिए आवश्यक हो जाता है। फिर भी, हर परिस्थिति में युद्ध विनाश ही लाता है। साहित्य, प्रत्यक्ष न सही, पर अप्रत्यक्ष रूप से युद्ध को रोकने में सहायक सिद्ध होता है। यह व्यक्ति के भीतर की कटुता का शमन करता है और सह-अस्तित्व की भावना को जन्म देता है। साहित्य और कला का प्रभाव जल की उन उर्मियों (तरंगों) के समान है, जो लगातार प्रवाहित होती रहती हैं और यही तरंगें मानवता के प्रति आशा को बनाए रखती हैं। इतिहास में अनेक ऐसे कवि हुए हैं - विशेष रूप से वे, जिन्होंने प्रथम विश्वयुद्ध में सैनिक के रूप में भाग लिया था- जिन्होंने युद्ध के मानसिक संघर्ष को कविता और कला के माध्यम से अभिव्यक्त किया। उन्होंने युद्ध की त्रुटियों, शारीरिक और मानसिक पीड़ाओं, पारिवारिक विघटन तथा भावनात्मक क्षति को शब्दों में पिरोया, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ युद्ध के विनाश से सबक ले सकें। इस प्रकार साहित्य की प्रासंगिकता और उसकी शांति-स्थापना में भूमिका आज भी उतनी ही आवश्यक है, जितनी अतीत में रही है।

कवि परमानंद ने कुशलतापूर्वक मंच संचालन करते हुए अपनी कविता 'अबूझ माड़' तथा समकालीन कवि रोहित ठाकुर की कविता 'युद्ध के खिलाफ कविताएं' का पाठ किया। साथ-ही-साथ उन्होंने कहा कि मनुष्य की प्रवृति ही आक्रामक है, ज्यादा पाने की लालसा जब तक मनुष्य में बनी रहेगी तब तक युद्ध होते रहेंगे। डॉ. आभा विश्वकर्मा ने स्मृति मनचंदा की कविताओं 'वीरगति', 'बिगुल', 'युद्धघोष', 'जब युद्ध खत्म होगा' और 'तीसरे विश्वयुद्ध की प्रतीक्षा में' का पाठ किया। जाने-माने गजलकार एवं कहानीकार अजय महताब ने इजरायली कवि यहूदा अमीचाई की कविता 'बम का व्यास' (जिसका अनुवाद अशोक पांडेय ने किया है) तथा इसी कवि की एक अन्य कविता 'मेरे वालिद' (जिसका अनुवाद सुरेश सलाई ने किया है) का पाठ किया। प्रो. शांति नायर, जो शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय में कार्यरत शिक्षाविद एवं कवयित्री हैं, ने अपनी कविताएं- 'युद्ध पर प्रश्नचिह्न', 'युद्ध समाप्त हो जाता है' और 'हिलना' का पाठ किया। इन कविताओं में युद्ध की भीषणता और वीभत्सता का प्रभावशाली चित्रण है। इन रचनाओं में यह दिखाया गया है कि किस प्रकार युद्ध शांति के स्थान पर भय को जन्म देता है, और जैसे-जैसे यह भय बढ़ता है, वह राज्य-विस्तार की आकांक्षा के माध्यम से अनेक सभ्यताओं और संस्कृतियों को निगल जाता है। दीपा मिश्रा, जो भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर में कार्यरत हैं, ने मैथिली भाषा में स्वरचित अत्यंत मार्मिक कविताएँ -'अबोध', 'हमर प्रार्थना में' तथा 'मनुष्य' (हिन्दी अनुवाद) का पाठ किया। इन कविताओं में एक ऐसे बेहतर मानव और शांतिपूर्ण वातावरण की तलाश है, जहाँ युद्धजन्य उपक्रमों के लिए कोई स्थान नहीं है। साहित्यकार डॉ. क्षमा त्रिपाठी ने राघवेश त्रिपाठी, अच्युतानंद मिश्र और अटल बिहारी वाजपेयी की कविताओं का पाठ किया। डॉ. अंशु तिवारी ने कर्नल जॉन मैक्रे की अंग्रेजी कविता 'इन फ़्लैन्डर्स फील्ड्स' का पाठ तथा विल्फ्रेड ओवेन की कविता 'डल्से एट डेकोरम एस्ट' के हिन्दी अनुवाद का पाठ किया।

BRIEF NEWS

मोहित देवड़ा की जमानत याचिका पर अगली सुनवाई कल

RANCHI : रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट में 800 करोड़ रुपये के जीएसटी घोटाले के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपित कोलकाता के कारोबारी मोहित देवड़ा की जमानत याचिका पर सोमवार को आंशिक सुनवाई हुई। इसके बाद कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 25 जून की तिथि निर्धारित की है। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक आतिश कुमार ने बहस की। मोहित देवड़ा पर शेल कंपनियों के नाम पर जीएसटी इंट्री कर 800 करोड़ से अधिक के फर्जीवाड़े का आरोप है।

मारवाड़ी मंच के रक्तदान शिविर में 713 यूनिट रक्त एकत्रित

RANCHI : मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा की ओर से रांची में आयोजित 15 दिवसीय रक्तदान पखवाड़ा सोमवार को संपन्न हुआ। इस विशेष अभियान में मंच ने 27 रक्तदान शिविरों का आयोजन कर कुल 713 यूनिट रक्त एकत्र किया। यह जानकारी देते हुए मंच के राघव जालान ने बताया कि रक्तदान पखवाड़ा के दौरान मंच ने लगातार 15 दिनों तक विभिन्न स्थानों पर शिविर लगाए गए थे। और आमजनों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। इस दौरान 100 से अधिक लोगों ने पहली बार रक्तदान किया। और भविष्य में नियमित रक्तदाता बनने का संकल्प लिया।

संथाल के पांच दिवसीय दौरे पर 26 को जाएंगे के. राजू

RANCHI : अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के के स्थायी आमंत्रित सदस्य और प्रदेश प्रभारी के राजू 26 जून को पांच दिवसीय दौरे पर झारखंड के संथाल परगना जाएंगे। प्रदेश महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने सोमवार को बताया कि के राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश पहले दिन देवघर जिला कांग्रेस कमिटी के जिलाध्यक्ष, जिला पर्यवेक्षक, ब्लॉक अध्यक्ष, ब्लॉक पर्यवेक्षक एवं मंडल अध्यक्षों की बैठक में भाग लेंगे। इसके बाद जामताड़ा जिले में जिला पदाधिकारियों की बैठक में भाग लेंगे।

आजसू का नौकरी दो हेमंत सरकार अभियान नौ अगस्त से

RANCHI : आजसू पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, केंद्रीय महासचिव राजेंद्र मेहता और युवा नेता संजय मेहता ने कहा कि निजी क्षेत्र में स्थानीय को 75 प्रतिशत आरक्षण दिलवाने के लिए आजसू पार्टी संघर्ष करेगी। पार्टी नेताओं ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि क्रूरता पड़ी इसके लिए आजसू न्यायालय में भी पहल करेगा। उन्होंने कहा कि पार्टी नौ अगस्त से 14 अगस्त तक नौकरी दो हेमंत सरकार अभियान चलाएगी और इस संबंध में राज्य सरकार से हिसाब मांगेगी एवं निजी क्षेत्र के कार्यालयों में ज्ञापन देगी। मौके पर मुख्य प्रवक्ता डॉ भगत ने सभी कार्यकर्ताओं और मीडिया का आभार प्रकट किया।

जिनका नहीं ठिकाना, बारिश में उनके लिए निगम ने किया खास इंतजाम

VIVEK SHARMA RANCHI : राजधानी में आफत बनकर बारिश जारी है। पिछले पांच दिनों से लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। ऐसे में रांची नगर निगम ने वैसे लोगों के लिए जिनके पास कोई ठिकाना नहीं है, उनके लिए रहने का इंतजाम किया गया है। शहर में बनाए गए शेल्टर होम (रैन बसेरा) में लोगों से रहने की अपील की गई है। जिससे कि भारी बारिश में भी उन्हें कोई परेशानी न हो। बता दें कि रांची नगर निगम शहर में 10 शेल्टर होम का संचालन कर रहा है।

- राजधानी रांची में 10 शेल्टर होम का संचालन कर रहा रांची नगर निगम
- लोगों से की गई अपील, जर्जर घरों में न रहें, कभी भी हो सकता है हादसा
- फुटपाथ किनारे रहने वालों के लिए भी की गई है आवासीय व्यवस्था

शेल्टर होम में सब इंतजाम : नगर निगम द्वारा संचालित रैन बसेरा में बेड से लेकर सारी सुविधाएं उपलब्ध है। वहां पर लोगों को चादर, कंबल व तकिया भी उपलब्ध कराया जाता है। इसके अलावा मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी भी उपलब्ध कराने को कहा गया है। जिससे कि यहां पर आने वालों को किसी तरह की परेशानी न हो। इन सबके अलावा रैन बसेरा में वॉशरूम के भी इंतजाम किए गए हैं।

इमरजेंसी में दवाएं भी उपलब्ध

शेल्टर होम में लोगों के रहने के अलावा वहां पर इमरजेंसी के लिए फर्स्ट ऐड बॉक्स भी रखा है, जिसमें जरूरी दवाएं, बैंडेज, पट्टी व अन्य चीजें उपलब्ध हैं। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर एंबुलेंस सेवा भी उपलब्ध कराने की भी तैयारी है। शेल्टर होम संचालक को इसकी पूरी जानकारी है। ऐसे में वहां रहने वाले लोग जरूरत पड़ने पर एंबुलेंस के लिए सेंटर संचालक से संपर्क कर सकते हैं।

जर्जर घरों के लोगों से भी अपील

राजधानी में कई लोग जर्जर घरों में रह रहे हैं। ब्राबे आवास चिरौंदी में रहने वालों को भी नगर निगम की ओर से नोटिस दिया गया है। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि जिस तरह से शहर में बारिश हो रही है, उससे नुकसान से इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसे में लोग किसी परेशानी में न रहें और आकर निगम के शेल्टर होम में फिलहाल शरण ले सकते है, ताकि उन्हें भी छत मिल जाएगी। वहीं दुर्घटना का खतरा भी नहीं रहेगा।

> बारिश को देखते हुए रांची नगर निगम के सभी शेल्टर होम को लोगों के लिए खोलने का निर्देश दिया गया है, ताकि लोगों को खुले में न रहना पड़े। कोई भी व्यक्ति जिसका कोई आशियाना नहीं है, वहां पर आकर नि:शुल्क रह सकता है। इसके लिए कोई चार्ज नहीं लिया जाता है। सारी सुविधाएं लोगों को फ्री में उपलब्ध कराई जा रही हैं।
> –मृणाल कुमार, सिटी मैनेजर, रांची नगर निगम।

किस शेल्टर में कितने बेड उपलब्ध

1. खादगढ़ा बस स्टैंड- 50 बेड पुरुष, 49 बेड महिला
2. धुर्वा बस स्टैंड-16
3. एजी मोड़ डोरंडा-10
4. मधुकम चूना भट्ठा-16
5. रिम्स परिसर-19
6. बकरी बाजार-10
7. कर्बला चौक-10
8. जगन्नाथपुर मंदिर-16
9. आईटीआई बस स्टैंड-10

घर से लेकर हॉस्पिटल तक डूबे, कई जगहों पर गिरी बाउंड्री वॉल

बारिश में फिर डूब गए राजधानी के कई इलाके, निगम ने बनाई 7 क्यूआरटी

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार के बाद सोमवार को भी राजधानी रांची में हुई मूसलाधार बारिश ने एक बार फिर शहर की व्यवस्था को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। दोपहर से शुरू हुई झमाझम बारिश से शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए। नालों का गंदा पानी सड़कों पर बहने लगा और निचले इलाकों में घरों में पानी घुस गया। इस दौरान सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों और उनके अभिभावकों को हुई। ट्रैफिक जाम और जलजमाव से लोग जाम में फंस गए। कई स्कूल बसें घंटों जाम में फंसी रहीं, जिससे बच्चे देर से घर पहुंचे। इस वजह से अभिभावक भी बच्चों को लेकर परेशान दिखे। जाम में एंबुलेंस भी फंस गईं। हालांकि ट्रैफिक पुलिस ने एंबुलेंस को कड़ी मशक्कत के बाद रास्ता दिलाया। पूरी स्थिति से निपटने के लिए रांची नगर निगम में सक्रियता दिखाते हुए साथ हुई रिस्पांस टीम (क्यूआरजी) का गठन किया है। कांटाटोली, हरमू, बरियातू, कोकर, लोअर बाजार और लालपुर जैसे इलाकों में जलजमाव के कारण घरों में पानी घुस गया। लोग बाल्टी और पंप के सहारे पानी निकालने में जुटे हैं। वहीं बड़ा तालाब के आसपास तो स्थिति काफी खराब हो गई। पूरा रोड ही जलमग्न हो गया। गाड़ियां आधी डूब गईं। लोग धक्के मारकर गाड़ियां जलजमाव से निकालते नजर आए। वहीं मंदिर में भी नालों का पानी भर गया। सेवा सदन हॉस्पिटल में भी पानी भर जाने से मरीजों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। इसके अलावा कुछ जगहों पर बाउंड्री वॉल गिरने की भी सूचना है।

- कांटाटोली, हरमू, बरियातू, कोकर, लोअर बाजार और लालपुर व अन्य इलाकों के घरों में घुसा पानी
- ट्रैफिक जाम के कारण देर से घर पहुंचे स्कूली बच्चे, अभिभावक रहे परेशान

मशीनों का उपयोग करने का निर्देश

नालियों की सफाई के लिए जेसीबी, सुपर सकर मशीन और डिसिल्टिंग मशीन का प्राथमिकता के आधार पर उपयोग किया जाएगा। लंबे समय से बंद पड़ी नालियों को भी चालू करने का कार्य युद्धस्तर पर किया जाएगा। इसके अलावा नगर निगम के कनेक्ट सेंटर पर आने वाली सभी शिकायतों का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। लोग 18005701235 पर जल जमाव से संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं। सभी खुले नालों को स्लैब से ढंकने, खतरनाक नालों पर बैरिकेडिंग और चेतावनी पट्ट लगाने के साथ-साथ, प्रत्येक वार्ड में प्रतिदिन फॉगिंग और एंटी लार्वा दवा का छिड़काव करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

नगर प्रशासक ने की बैठक

मॉनसून के साथ ही 24 से 26 जून तक रांची में जारी येलो अलर्ट के मद्देनजर रांची नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। नगर प्रशासक सुशांत गौरव की अध्यक्षता में नगर निगम पदाधिकारियों और कर्मियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें जल जमाव और भारी वर्षा से संभावित नुकसान को लेकर चर्चा हुई। प्रशासक ने निर्देश दिया कि सभी पदाधिकारी और कर्मी 24 घंटे अलर्ट मोड में रहेंगे। जल जमाव की समस्या से त्वरित निपटने के लिए निगम क्षेत्र को सात जोन में बांटकर क्विक रिस्पांस टीम का गठन किया गया है। प्रत्येक टीम में नगर प्रबंधक, सैनिटरी सुपरवाइजर, कनीय अभियंता और वार्ड सुपरवाइजर शामिल होंगे। ये लोग जल जमाव वाले स्थलों का निरीक्षण कर तुरंत कार्रवाई करेंगे।

रांची के तमाड़ में डायरिया से 2 महिलाओं की मौत, 3 रिम्स रेफर

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी से सटे तमाड़ प्रखंड क्षेत्र के जारगो गांव में डायरिया से दो बुजुर्ग महिलाओं की मौत की बात कही जा रही है। जबकि तीन लोगों को इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि जारगो पंचायत के डोमोडीह और गांगू गांव पिछले कई सप्ताह से डायरिया से ग्रसित है। हालांकि बीडीओ ने डायरिया से मौत होने की बात से इनकार किया है। ग्रामीणों की सूचना पर मेडिकल टीम लगातार गांव में कैंप कर लोगों का इलाज कर रही है। 69 वर्षीय कमला देवी और 60 वर्षीय भदरी देवी की मौत हुई है। जबकि डायरिया के लक्षणों से ग्रसित पानीश्वरी देवी, विश्वनाथ महतो और रेखा देवी को गंभीरावस्था में रिम्स भेजा गया है, जहां तीनों का इलाज चल रहा है।

बुंडू क्षेत्र के आजसू नेता राजकिशोर कुशवाहा ने बताया कि लगातार बारिश के कारण कुंए और तालाबों का पानी दूषित हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बिना किसी पूर्व चेतावनी के लोग वही पानी पीते रहे हैं, जिससे अचानक बीमारियों का प्रसार हुआ। हालांकि सूचना पर बुंडू प्रशासन ने गांव में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया है और पानी का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। बीडीओ के नेतृत्व में मेडिकल टीम भी मौके पर मौजूद है। ग्रसित लोगों का इलाज कर उनका सैंपल लिया गया है, ताकि बीमारी के कारण का पता चल सके।

इधर, बुंडू बीडीओ सावित्री कुमारी ने डायरिया से मौत होने से इंकार किया है। उन्होंने बताया कि जिन दो महिलाओं की मौत हुई है, दोनों पूर्व से बीमार थीं और उसी बीमारी के कारण उनकी मौत हुई है। हालांकि उन्होंने बताया कि तीन अन्य महिलाओं में डायरिया के लक्षण पाए गए, जिन्हें इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया है।

प्लेसमेंट एजेंसी के निदेशकों के ठिकानों पर पहुंची एसीबी, सभी आरोपी फरार

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में 38 करोड़ के शराब घोटाले में फर्जी बैंक गारंटी देने वाली विजन हॉस्पीटलिटी और मार्शन इनोवेटिव के निदेशक फरार हो गए हैं। झारखंड एसीबी की टीम ने मार्शन के तीन व विजन के चार निदेशकों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट लिया था। एसीबी के नोटिस पर अनुपस्थित रहने वाली कंपनियों के निदेशकों की तलाश में एसीबी की टीम ने महराष्ट्र के ठाणे, मुंबई के साथ-साथ गुजरात के अहमदाबाद में भी छापेमारी की, लेकिन सभी आरोपी फरार मिले। एसीबी ने अपनी जांच में दोनों कंपनियों को प्राथमिकी में आरोपी बनाया था। लेकिन अब दोनों कंपनियों के निदेशकों को अप्राथमिकी अभियुक्त एसीबी ने बना लिया है। जानकारी के मुताबिक, एसीबी की टीम अब छापेमारी कर लौट चुकी है, लेकिन स्थानीय थानों को वारंट की कॉपी दी गई है, ताकि आरोपियों की गिरफ्तारी हो सके। जानिए क्यों आरोपी बने कंपनियों के निदेशक मेसर्स विजन हॉस्पिटलिटी सर्विसेज एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड मेसर्स विजन हॉस्पिटलिटी सर्विसेज एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का चयन हजारीबाग, कोडरमा और चतरा में मानव संसाधन प्रदाता के तौर पर किया गया था। एसीबी ने जांच में महेश सिदगे, बिपिन जाधवभाई परमार, परेभ अभेसिंह ठाकोर, विक्रमसिंह अभिसिंह ठाकोर को दोषी पाया है।

देश के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जान की बाजी लगा दी : बाबूलाल

RANCHI : प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, महान शिक्षाविद, जनसंघ के संस्थापक और पार्टी के करोड़ों कार्यकताओं के प्रेरणा पुरुष डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर सोमवार को भाजपा कार्यकताओं ने बूथ स्तर पर बलिदान दिवस के रूप में मनाया। डॉ मुखर्जी के चित्र,प्रतिमा पर पुष्प,माला अर्पित कर नमन किया और उनके व्यक्तित्व और कृतित्व की चर्चा की। अपने संथाल परगना प्रवास के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने देवघर परिसदन में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता के लिए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जान की बाजी लगा दी।

ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस की बैठक में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दिए सुझाव, बोलीं-

आदिवासी परिवारों को जमीन से किया गया बेदखल, लैंड रिकॉर्ड में भी गड़बड़ी

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को नई दिल्ली स्थित 10 जनपथ में ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस की अहम बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने की। इस बैठक में मध्य प्रदेश, राजस्थान और झारखंड के आदिवासी विधायक और सांसद शामिल हुए। झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने राज्य में आदिवासी समाज से जुड़ी समस्याओं और समाधान पर अपने सुझाव दिए। कृषि मंत्री ने लैंड डिजिटाइजेशन के नाम पर पूर्व की रघुवर दास सरकार द्वारा की गई गड़बड़ियों को उजागर किया।

उन्होंने बताया कि कई आदिवासी परिवारों को उनकी जमीन से बेदखल कर दिया गया और लैंड रिकॉर्ड में भारी गड़बड़ियां की गईं। उन्होंने राज्य में पुनः सर्वेक्षण कराने और ट्राइबल लीगल काउंसिल के गठन का सुझाव दिया, जिससे आदिवासी परिवारों को जमीन से जुड़े मामलों में कानूनी मदद और सलाह मिल सके। तिर्की ने सुझाव दिया कि गांव-गांव में भूमि सुधार से संबंधित कैंप लगाए जाएं, ताकि रिकॉर्ड की त्रुटियों को सुधारा जा सके। साथ ही, उन्होंने जातिगत जनगणना में 'सरना धर्म कॉलम' को शामिल करने की मांग दोहराई।

विकास योजनाओं व शहर में होने वाले आयोजनों पर डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने की बैठक, कहा-

हर स्तर पर रथ यात्रा को लेकर विशेष सतर्कता बरतें अधिकारी

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने समाहरणालय में पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इसका उद्देश्य जिले में चल रहीं विकास परियोजनाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं और शहर में होने वाले प्रमुख आयोजनों की प्रगति की समीक्षा और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करना था। इस दौरान उन्होंने पदाधिकारियों को व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि शहर में होने वाले आयोजन खासकर जगन्नाथ रथ यात्रा मेला को लेकर विशेष रूप से सतर्क रहें। बैठक में उप विकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवानिया, अपर जिला दंडाधिकारी राजेश्वर नाथ आलोक, अनुमंडल पदाधिकारी सदर उत्कर्ष कुमार सहित सभी प्रमुख विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मैराथन दौड़ की तैयारियों को दें अंतिम रूप : 26 जून को मोरहाबादी मैदान में होने वाली 'नशा मुक्त भारत अभियान' की मैराथन दौड़ को लेकर उपायुक्त ने सभी तैयारियों को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से युवाओं में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलेगी। इसमें स्कूल, कॉलेजों के छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने, सुरक्षा प्रबंध, मार्ग निर्धारण और स्वयंसेवकों की तैनाती के निर्देश दिए गए।

रातू रोड फ्लाईओवर के उद्घाटन की तैयारी : उपायुक्त ने 3 जुलाई को प्रस्तावित रातू रोड फ्लाईओवर उद्घाटन के लिए तकनीकी और प्रशासनिक तैयारी पर जोर दिया गया। वहीं, ऐतिहासिक जगन्नाथ रथ यात्रा के सुरक्षित आयोजन हेतु भीड़ प्रबंधन, चिकित्सा सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश दिए गए।

अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने का निर्देश

समाहरणालय भवन के सामने और नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क के आस-पास अतिक्रमण हटाने का निर्देश जारी किया गया। 100 उद्यमियों को प्रोत्साहन देने की योजना पर चर्चा करते हुए चयन प्रक्रिया और सहायता के बिंदुओं पर स्पष्ट निर्देश दिए गए।

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद बैठक को लेकर अलर्ट

10 जुलाई को होटल रेडिसन ब्लू में होने वाली पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक के लिए डीसी ने उच्चस्तरीय व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि सावन पर्व के दृष्टिकोण से मेलों में स्वच्छता, चिकित्सा शिविर और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने की जरूरत है। इसके अलावा भारी बारिश से हुए नुकसान का आकलन कर मुआवजे की प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया गया। अबुआ आवास योजना के तहत लंबित आवासों की समीक्षा कर शीघ्र वितरण का आदेश दिया गया।

बेड़ो प्रखंड कार्यालय में 41 छात्र-छात्राओं को दी गई साइकिल

RANCHI : सोमवार को बेड़ो प्रखंड कार्यालय में राज्य सरकार द्वारा संचालित 'उन्नति का पहिया' योजना के तहत शिक्षा विभाग की ओर से निःशुल्क साइकिल वितरण किया गया। इसके तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आठवीं कक्षा में अध्ययनरत सामान्य कोटि के 41 छात्र-छात्राओं के बीच प्रमुख विनिता कच्छप, सीओ प्रताप मिंज, प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव व अन्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से निःशुल्क साइकिल का वितरण किया गया। मौके पर मौजूद प्रमुख विनीता कच्छप ने कहा कि साइकिल मिलने से दूर-दराज के छात्र-छात्राओं को स्कूल आने-जाने में सहूलियत होगी।

झारखंड और बिहार में ब्राउन शुगर सप्लाई करने वाली 'भाभी' गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI : रांची पुलिस ड्रग्स तस्करों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी के तहत आधा दर्जन से अधिक मामलों में फरार ड्रग्स माफिया रूबी देवी उर्फ भाभी को रांची पुलिस ने बिहार के सासाराम रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में गठित टीम ने माफिया रूबी देवी को पकड़ कर सोमवार को रांची लायी। पूछताछ में आरोपी रूबी देवी ने पुलिस को कई अहम जानकारियां दी हैं। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि ड्रग्स माफिया भाभी रांची, हजारीबाग, धनबाद, जमशेदपुर, रामगढ़ के अलावा बिहार के कई जिलों में ब्राउन शुगर की सप्लाई करती है। आरोपी भाभी ने पुलिस को बताया कि इस अवैध धंधे में उसका पति, देवर, भाई समेत पूरा परिवार लगा हुआ है। रांची में तकरीबन सभी विक्रेता उससे ही ब्राउन शुगर की खरीदारी करते हैं। पूछताछ के बाद सुखदेवनगर थाने की पुलिस ने आरोपी महिला को सोमवार को जेल भेज दिया है। घर में बनाती है ब्राउन शुगर गिरफ्तार ड्रग्स माफिया भाभी ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि वेलोग घर में ही ब्राउन शुगर बनाते हैं। ब्राउन शुगर बनाने में उनका पूरा परिवार लगा रहता है। इसके अलावा कुछ और लोगों को भी ब्राउन शुगर बनाने के काम में लगाया गया है।

समाचार सार

ओलंपिक दिवस पर चाईबासा में हुई क्रॉस कंट्री रेस

CHAIBASA : अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर पश्चिमी सिंहभूम जिला खेल विभाग एवं जिला ओलंपिक एसोसिएशन के तत्वावधान में शनिवार को क्रॉस कंट्री रेस का आयोजन हुआ। इंडोर स्टेडियम में आयोजित रेस के दौरान उपायुक्त चंदन कुमार, चाईबासा सदर के एसडीपीओ बहामन टूटी व जिला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की सहित ओलंपिक एसोसिएशन के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। समारोह के दौरान रेस के तीन सर्वश्रेष्ठ विजेता सम्मानित किए गए। इसके अलावा 2024-25 में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित तीरंदाजी, ताइक्वांडो आदि में मेडल प्राप्त करने वाले और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिले के खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया।

घाटशिला कॉलेज के मेन गेट पर छात्रों ने जड़ा ताला

GHATSILA : झारखंड आदिवासी मूलवासी मंच की घाटशिला कॉलेज कमेटी ने सोमवार को कॉलेज के मेन गेट पर ताला जड़ दिया और विरोध प्रदर्शन करने लगे। इसकी सूचना मिलते ही प्राचार्य डॉ. पीके गुप्ता कॉलेज पहुंचे और छात्रों की समस्या सुनी। उन्होंने जानकारी दी कि उनकी समस्या कोल्हन विश्वविद्यालय के कुलपति को दे दी गई है, जल्द ही समस्या का समाधान होगा। छात्रों ने कहा कि पिछले 15 अप्रैल को समस्या के संबंध में प्राचार्य को लिखित जानकारी दी गई थी, परंतु दो माह बाद भी किसी तरह की पहल नहीं की गई। इससे छात्रों का भविष्य खराब हो रहा है। मंच के अध्यक्ष दुलाल हेंब्रम ने बताया कि स्नातक के तीसरे सेमेस्टर (सत्र 2022-26) की परीक्षा में हिंदी विषय के छात्रों को काफी कम नंबर देकर प्रमोट किया गया है। कॉलेज प्रशासन से मांग है कि कॉपियों की दोबारा जांच कराई जाए। थ्योरी में इतना कम अंक संभव नहीं है। हिंदी के लगभग 200 छात्र इस समस्या से जूझ रहे हैं। कुछ देर बाद पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद प्राचार्य ने छात्रों को लिखित आश्वासन देते हुए छात्रों का आंदोलन समाप्त कराया। आंदोलन कर रहे छात्रों में रोहित मुखी, प्रतिमा मुर्मू, सोनाली माझी, निशा मुर्मू, सीमा गोराई, ममता महुआ, श्याम मुर्मू, कुईली हांसदा, विकास हेंब्रम सहित काफी संख्या में छात्र शामिल थे।

छात्र-छात्राओं में किया गया साइकिल वितरण

GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला प्रखंड कार्यालय परिसर में सोमवार को विभिन्न विद्यालयों के 51 छात्र-छात्राओं में साइकिल वितरण किया गया। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत एवं बीडीओ युनिका शर्मा ने कक्षा आठवीं के छात्र-छात्राओं को उन्नति का पहिया (साइकिल) देते हुए शुभकामना दी। विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 का साइकिल शेष रह गया था, जिसका वितरण करने के बाद वित्तीय वर्ष 2025-26 के साइकिल का वितरण किया जाएगा।

भाजपा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को किया याद

JAMSHEDPUR : भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष, प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 72वीं पुण्यतिथि को भाजपा, जमशेदपुर महानगर ने जिला एवं मंडल स्तर पर बलिदान दिवस के रूप में मनाया। सोमवार को साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय में महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के वरीय नेताओं एवं कार्यकताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस दौरान प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद, पूर्व जिलाध्यक्ष, प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य एवं उपस्थित कार्यकताओं ने भी डॉ. मुखर्जी के बलिदान को स्मरण कर श्रद्धांजलि अर्पित की एवं उनके बताए मार्गों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने 'डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी अमर रहे', 'जहां हुए बलिदान मुखर्जी वो कश्मीर हमारा है' एवं 'भारत माता की जय' के नारे लगाए।

दो माह में पूर्ण करें हेरिटेज विलेज का निर्माण : उपायुक्त

JAMSHEDPUR : उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने सोमवार को घाटशिला प्रखंड अंतर्गत कशीदा पंचायत में श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन के तहत निमार्णाधीन हेरिटेज विलेज का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त ने कार्य की प्रगति की जानकारी ली एवं निर्माण में हो रही देरी के कारणों को लेकर पदाधिकारियों एवं संवेदक से विस्तार से चर्चा की। उपायुक्त ने संवेदक व संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि अगले दो माह के भीतर अधूरे कार्य पूर्ण कर लिए जाएं, ताकि हेरिटेज विलेज को पर्यटकों के लिए खोला जा सके। उन्होंने कहा कि यह परियोजना न केवल जिले की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि इससे स्थानीय पर्यटन और रोजगार को भी बल मिलेगा।

सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी के नाम पर ठगी, सैकड़ों युवक हुए शिकार

धनबाद, बोकारो व रामगढ़ समेत कई जिलों के युवकों को कंपनी ने बुलाया था जुबिली पार्क

जुबिली पार्क के साकची गेट पर जुटे ठगी के शिकार युवक ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR : सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगार युवकों के साथ सोमवार को एक बड़ा धोखा हुआ है। रांची की एक कथित कंपनी ने धनबाद, बोकारो, रामगढ़ समेत कई जिलों से युवकों को जमशेदपुर के साकची में जुबिली पार्क में बुलाया, लेकिन तय समय पर कंपनी का कोई प्रतिनिधि नहीं पहुंचा। सोमवार की सुबह 10 बजे सभी युवकों को साकची में रिपोर्ट करने को कहा गया था। युवक समय से पहले ही पहुंच गए, लेकिन शाम 4 बजे तक किसी का अता-पता नहीं था। परेशान युवक यहां-वहां भटकते रहे, लेकिन कंपनी से जुड़ा कोई व्यक्ति मिलने नहीं आया। रामगढ़ से आए रमेश मुर्मू ने बताया कि वह बस से जमशेदपुर आए थे। कुछ युवक ट्रेन से भी पहुंचे थे। लेकिन, जब यहां आए तो पता चला कि यह सब एक छलावा था। युवकों ने बताया कि वे जिस व्यक्ति सोनू के संपर्क में थे, वह अब फोन नहीं उठा रहा है।

सभी युवक मायूस होकर अपने घरों को लौटने लगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की जांच हो और दोषियों को सजा मिले, ताकि आगे किसी और के साथ ऐसा धोखा न हो।

कारोबारी से धोखाधड़ी : दो साल से 10 लाख रुपये बकाया, एफआईआर दर्ज

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के कमानी सेंटर स्थित एक कार शोरूम से जुड़ा धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जहां ओडिशा के सुंदरगढ़ निवासी एक व्यापारी पर 30.70 लाख रुपये की लग्जरी कार को केवल 20 लाख रुपये में खरीदकर शेष राशि का भुगतान नहीं करने का आरोप लगा है। इस संबंध में शोरूम के संचालक आसिफ रजा ने 22 जून को बिष्टुपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, आरोपी व्यापारी दिलीप टेबरीवाल ने 31 मई 2023 को कार खरीदी थी, जिसकी कुल कीमत 30 लाख 70 हजार रुपये तय हुई थी। आरोपी ने खरीदारी के समय 20 लाख रुपये नकद भुगतान किया और बकाया 10 लाख 70 हजार रुपये कुछ सप्ताह में चुकाने का वादा कर वाहन लेकर चला गया। शिकायतकर्ता आसिफ रजा ने बताया कि दिलीप टेबरीवाल पहले से परिचित था, इसलिए उसने भरोसा कर लिया। लेकिन, दो साल बीत जाने के बाद भी आरोपी ने न तो बकाया राशि का भुगतान किया और न ही कोई संतोषजनक जवाब दिया। आसिफ रजा ने बताया कि उन्होंने बार-बार संपर्क साधने की कोशिश की—फोन, मैसेज और व्यक्तिगत मुलाकात कर हर बार दिलीप टेबरीवाल ने उन्हें टाल दिया। आखिरकार, निराश होकर आसिफ रजा ने कानून का सहारा लिया और बिष्टुपुर थाना में मामला दर्ज कराया। बिष्टुपुर थाना प्रभारी के अनुसार, प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आरोपी को नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। प्रारंभिक जांच में धोखाधड़ी की पुष्टि हुई है। पुलिस का कहना है कि यदि आरोपी जांच में सहयोग नहीं करता है, तो गिरफ्तारी की कार्रवाई भी की जा सकती है। यह मामला कारोबारी लेन-देन में भरोसे की टूट और आर्थिक धोखाधड़ी की एक गंभीर मिसाल बन गया है, जिससे दूसरे व्यापारियों को भी सतर्क रहने की आवश्यकता है।

ट्रैवेल एजेंसी पर धोखाधड़ी का आरोप

JAMSHEDPUR : साकची निवासी विजय कुमार चौधरी ने साकची स्थित एक ट्रैवेल एजेंसी पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। चौधरी ने कहा कि उन्होंने एजेंसी से 19 जून के लिए दिल्ली से टाटा तक का ट्रेन टिकट बनाने के लिए कहा। वहां के स्टाफ ने पहले दो हजार, फिर एक हजार रुपये मांगे। मैंने गूगल-पे से उसे भुगतान भी कर दिया, लेकिन उसने मुझे टिकट बना कर नहीं दिया। जब मैंने फोन पर बात की तो उसने मुझे बताया की यह मेरा फोन नंबर नहीं है, जबकि मैं उससे उसी नंबर से कई बार बात की थी। इसके बाद पैसा लौटाने की बात पर धमकी देने लगा। चौधरी ने इसकी लिखित शिकायत एसएसपी ऑफिस में की है।

सड़क दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से हुए घायल

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर-सोनुवा मुख्य मार्ग पर रांगामाटी के पास सोमवार शाम को सड़क दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, बांदोडीह के दो युवक लालू सोय और नारायण सवैयां रांगामाटी हाट गए थे। शाम को लौटने के क्रम में कुत्ता आ जाने से बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने घायलों को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल, चक्रधरपुर पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों को बेहतर इलाज के लिए चाईबासा स्थित सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

जंगली मशरूम खाने से एक ही परिवार के 6 लोग हुए बीमार

सभी को शुरू हो गई थी उल्टी और दस्त, एक की हालत गंभीर

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा प्रखंड अंतर्गत कुईड़ा गांव में जंगली मशरूम खाने से एक ही परिवार के 6 लोग बीमार हो गए हैं। सभी को इलाज के लिए सोनुवा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, जंगल से मेचो नाग ने मशरूम चुन कर घर लाया। उसे पकाकर खाने के कुछ घंटे बाद ही परिवार के सभी लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। सभी को उल्टी और दस्त शुरू हो गई। इसके बाद सभी छह लोगों को सोनुवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां सभी का इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम भी गांव पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रही है। ग्रामीणों से अपील की जा रही है कि वे जंगली मशरूम खाने से पहले उसकी पहचान को लेकर पूरी सतर्कता बरतें। चिकित्सकों ने आशंका जताई है कि परिवार ने जो जंगली मशरूम खाया है, वह जहरीला हो सकता है। झारखंड के ग्रामीण इलाकों में बरसात के मौसम में अक्सर जंगली मशरूम उग जाते हैं, लेकिन कई बार यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि कौन-सा मशरूम खाने योग्य है और कौन-सा जहरीला।

अस्पताल में इलाजरत युवक

ये पड़े बीमार

जंगली मशरूम खाकर बीमार पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती होने वालों में अंशु नाग (19 वर्ष), रोमी नाग (17 वर्ष), मनीषा नाग (22 वर्ष), सुरू नाग (18 वर्ष), मेचो नाग (62 वर्ष) और बुधनी नाग (45 वर्ष) शामिल हैं। इनमें अंशु नाग की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

धारदार हथियार से युवक की हत्या, दो हुए गिरफ्तार

BANDGAON : पश्चिमी सिंहभूम जिला के नक्सल प्रभावित बंदगांव क्षेत्र में 21 जून को एक युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। मृतक शिवलन हपतगड़ा (19) बंदगांव थाना अंतर्गत काईका गांव के बारोडीह टोला निवासी था। कोनसेया जंगल में मिले शव पर कई जगह जख्म हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुंची। इस संबंध में पोड़ाहाट के डीएसपी शिवम प्रकाश ने बताया कि इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें एक की उम्र 19 वर्ष है जबकि दूसरा नाबालिग है। आरोपी बंदगांव के ही रहने वाले हैं। एक आरोपी पर पहले भी आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है।

घर में खड़ी थीं बाइकें, शरारती तत्वों ने पार्किंग में लगा दी आग

आगजनी से क्षतिग्रस्त बाइक ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के बागुनहातु इलाके में रविवार देर रात शरारती तत्वों ने एक घर की पार्किंग में आग लगा दी। घटना रात करीब 2 बजे की है, जब अधिकतर लोग गहरी नींद में थे। गीता नायक के घर की पार्किंग में खड़ी गाड़ियां और साइकिलें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। बताया जाता है कि आगजनी से पहले उपद्रवियों ने घर पर पत्थरबाजी भी की, जिससे परिजनों की नींद खुल गई। जब वे बाहर निकले, तब तक पार्किंग क्षेत्र में आग फैल चुकी थी। आग की सूचना तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई, लेकिन दमकल की टीम काफी देर से पहुंची, तब तक काफी नुकसान हो चुका था। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह घटना सोची-समझी साजिश का हिस्सा हो सकती है। हैरानी की बात यह है कि घटना के बाद अब तक कोई भी जनप्रतिनिधि पीड़ित परिवार से मिलने नहीं आया है, जिससे इलाके में मुखी समाज के लोगों में नाराजगी है। फायर ब्रिगेड की टीम ने आखिरकार आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक लाखों रुपये की संपत्ति जल चुकी थी।

कदमा में ऑटोमेटिक पिस्टल व देसी कट्टा के साथ युवक गिरफ्तार

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते सिटी एसपी कुमार शिवाशीष

JAMSHEDPUR : कदमा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक युवक को ऑटोमेटिक पिस्टल, दो खाली मैगजीन, चार कारतूस और एक देसी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी हरिकेश पटेल (28) केडी फ्लैट, उलियान का निवासी है। सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने सोमवार को बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कदमा के फार्म एरिया स्थित टीसी कॉलोनी रोड के पास एक युवक अवैध हथियार लेकर लोगों को डरा-धमका रहा है। इस सूचना के बाद पुलिस अधीक्षक नगर के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई, जिसने हरिकेश पटेल को मौके से घेराबंदी कर पकड़ा।

पूछताछ में हरिकेश ने कबूल किया कि उसने हथियार को बगल के खंडहर क्वार्टर के शौचालय में छिपा रखा है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने सभी हथियार बरामद किए। हरिकेश पटेल को सोमवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

कार ने रेलवे क्रॉसिंग के सिग्नल पोस्ट में मारी टक्कर

GOILKERA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा अंतर्गत डालैकेला रेलवे क्रॉसिंग में एक अनियंत्रित कार ने सिग्नल पोस्ट में टक्कर मार दी, जिससे खंभा व कार दोनों क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि, हादसे में कार सवार बाल-बाल बच गए। घटना रविवार देर रात की बताई जा रही है। सूचना मिलने पर सोमवार सुबह रेल सुरक्षा बल के जवानों ने दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर लिया। जानकारी के अनुसार, रविवार देर रात चक्रधरपुर से गोइलकेरा की ओर जा रही एक हुंडई आई-10 कार तेज रफ्तार में फाटक के पास लगे सिग्नल के खंभे से टकरा गई। गनीमत रही कि उस समय फाटक बंद था और सड़क पर ट्रैफिक नहीं था। हादसे के बाद कार सवार भाग गए।

प. सिंहभूम के आठ थानेदारों का हुआ ट्रांसफर

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने जिले के आठ थानेदारों का ट्रांसफर किया है। चक्रधरपुर, बड़ाजामदा, जगन्नाथपुर, हाटगम्हरिया, जराईकेला, गुदड़ी व टोकलो के थानेदार बदले गए हैं। चक्रधरपुर थाना के थाना प्रभारी राजीव रंजन को चाईबासा स्थित एसपी ऑफिस में तकनीकी शाखा का प्रभारी बनाया गया है।

इसी प्रकार, मनोहरपुर के सर्किल इंस्पेक्टर अवधेश कुमार को चक्रधरपुर का थाना प्रभारी, अवर निरीक्षक विकास कुमार को बड़ाजामदा से जराइकेला में एसआई के रूप में प्रभार दिया गया है। अवर निरीक्षक संजय कुमार सिंह को जगन्नाथपुर से ट्रांसफर करके गुदड़ी, अवर निरीक्षक अशोक कुमार राय को हाटगम्हरिया से टोकलो, अवर निरीक्षक बालेश्वर उरांव को पुलिस केंद्र चाईबासा से बड़ाजामदा ओपी का प्रभारी बनाया गया है। अवर निरीक्षक अविनाश कुमार को पुलिस केंद्र चाईबासा से जगन्नाथपुर, अवर निरीक्षक उत्तम तिवारी को पुलिस पुलिस केंद्र चाईबासा से हाटगम्हरिया का थाना प्रभारी बनाया गया है। सभी को 24 घंटे के अंदर नए स्थान पर योगदान देने का आदेश दिया गया है।

जनता सीधे मुझसे मिले : थाना प्रभारी

चक्रधरपुर थाना के थाना प्रभारी अवधेश कुमार ने सोमवार को पदभार ग्रहण कर लिया। निवर्तमान इंस्पेक्टर राजीव रंजन ने अवधेश कुमार को पदभार सौंपा। इससे पहले अवधेश कुमार मनोहरपुर में सर्किल इंस्पेक्टर के पद पर थे। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि बिचौलियों से सावधान रहें, जनता सीधे उनसे मिले। जनता की सेवा के लिए वे 24 घंटे तत्पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार का अवैध परिवहन थाना क्षेत्र में नहीं होने दिया जाएगा। महिलाओं को सुरक्षा दी जाएगी। चक्रधरपुर थाना क्षेत्र को अपराध मुक्त एवं भय मुक्त बनाना उनका प्रयास रहेगा। लॉटरी, ब्राउन शुगर, अवैध शराब का धंधा करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

जमशेदपुर में केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह का झारखंड सरकार पर हमला, प्रेस कांफ्रेंस में कहा-

झारखंड को बंगाल बनाना चाहते हैं हेमंत, ममता बांग्लादेश की राह चलीं

PHOTON NEWS JSR : केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने अपने जमशेदपुर दौरे के दौरान झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देकर सत्ता चला रही है, जो न सिर्फ राज्य की सुरक्षा के लिए खतरा है बल्कि आदिवासी समुदाय के अस्तित्व के लिए भी नुकसानदेह साबित हो रहा है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार झारखंड को बंगाल बनाना चाहती है। जबकि, बंगाल की ममता सरकार बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती हैं। झारखंड वोट बैंक का राज्य बन गया है। यहां बांग्लादेशी और रोहिंग्या आ रहे हैं। यह आदिवासी समाज और सनातन पर कड़ा प्रहार है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हेमंत सोरेन भले ही चुनाव जीत गए हों, मगर वह खामियाजा भुगतेंगे। उन्होंने इसे देश का दुर्भाग्य बताया। केंद्रीय मंत्री ने लोगों से अपील की है कि वे जनजागरण करें। सरकार से पूछें कि जमाई टोला कहां से आया है। रविवार देर रात टाटानगर स्टेशन पहुंचे गिरिराज सिंह का भाजपा कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

पटना से वंदेभारत एक्सप्रेस से पहुंचे केंद्रीय मंत्री ने कार्यकताओं के उत्साह का अभिवादन करते हुए कहा कि झारखंड की सरकार राज्य को अंधकार की ओर ले जा रही है।

छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केवल डिग्री प्राप्त करना ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि आज के युवा रोजगार लेने वाले नहीं रोजगार देने वाले बनें। उन्होंने आई कैन-आई विल... के सिद्धांत पर चलने की प्रेरणा दी और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनता जा रहा है।

उन्होंने विश्वास जताया कि भारत शताब्दी वर्ष में प्रवेश करते-करते विश्वगुरु के रूप में स्थापित होगा, जिसमें युवाओं की केंद्रीय भूमिका होगी। केंद्रीय मंत्री ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी छात्रों को शुभकामनाएं दीं और आग्रह किया कि वे अपने जीवन में नेतृत्व, सेवा और नवाचार अपनाएं।

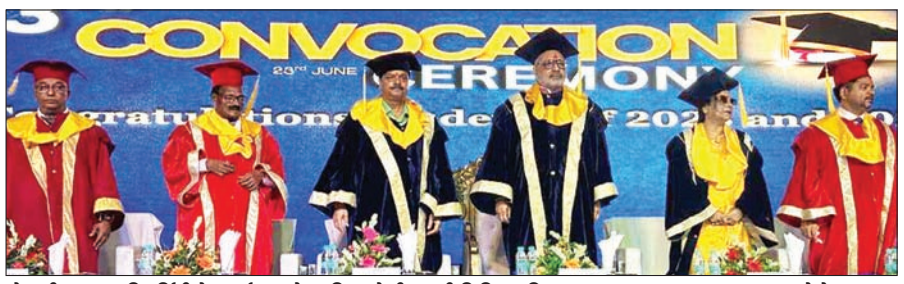

नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में उपस्थित केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह व अन्य ● फोटोन न्यूज

बिहार में एनडीए सरकार बनने का दावा

मीडिया से बातचीत करते हुए गिरिराज सिंह ने बिहार की राजनीति पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि वहां एनडीए की सरकार हर हाल में बनेगी। जनता अब तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार की राजनीति को पूरी तरह खारिज कर चुकी है। आने वाला समय स्पष्ट करेगा कि जनता किसके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि जनता गब्बर का जमाना नहीं लाना चाहती। उन्होंने पत्रकारों से पूछा कि शोले देखी है या नहीं। उसमें गब्बर ने तो ठाकुर का सिर्फ हाथ काटा था मगर, बिहार में बहन-बेटियों की अस्मिता चली गई थी। अब जनता ने तय कर लिया है कि बिहार में गब्बर का जमाना नहीं आने देना है।

दीक्षांत समारोह में युवाओं को किया प्रेरित

सोमवार को जमशेदपुर के पोखारी स्थित नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में गिरिराज सिंह ने 1700 छात्र-छात्राओं को डिग्री और 120 गोल्ड मेडल विजेताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मदन मोहन सिंह, कुलपति डॉ. प्रभात कुमार पाणि, ओडिशा की शैक्षणिक सलाहकार डॉ. शुक्ला मोहंती और कुलसचिव नागेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। मंच से संबोधन में गिरिराज सिंह ने शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की सराहना की और कुलाधिपति मदन मोहन सिंह को कर्मवीर पुरुष की उपाधि दी।

अलग-अलग मामलों में ब्राउन शुगर के साथ दो हुए गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले में नशा कारोबार पर लगाम कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। जिले के उलीडीह और जादूगोड़ा थाना क्षेत्रों में पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जबकि, दोनों घटनाओं में शामिल अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। उलीडीह थाना की पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मुर्दा मैदान इलाके में ब्राउन शुगर की अवैध बिक्री की जा रही है। इस पर 22 जून की शाम थाना प्रभारी के निर्देश पर एक विशेष टीम ने छापेमारी की। मौके से अमन बोयपाई नामक युवक को 35 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं, दो अन्य आरोपी सूरज कुंटिया और कतलु अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। इस संबंध में उलीडीह थाना के एसआई रविंद्र पांडेय के बयान पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने फरार आरोपियों के संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी शुरू कर दी है। दूसरी कार्रवाई जादूगोड़ा थाना क्षेत्र के दुड़कू गांव में की गई, जहां पुलिस ने छापेमारी कर दिलखुश गोप नामक युवक को 312 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में पुलिस को संदेह है कि आरोपी किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा है, जो गांव और आसपास के इलाकों में नशे की आपूर्ति करता है। इस मामले में जादूगोड़ा थाना के एसआई राजेश कुमार मंडल के बयान पर एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस फरार सहयोगियों की तलाश में लगातार अभियान चला रही है।

BRIEF NEWS

अवैध नेपाली रुपये के साथ एक भारतीय नागरिक गिरफ्तार

CHAMPARAN : नेपाल के पर्सा जिला मुख्यालय वीरगंज में नेपाल पुलिस ने अवैध नेपाली रुपए के साथ एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है। उक्त भारतीय नागरिक की पहचान बिहार के पूर्वी चंपारण जिला के रक्सौल निवासी प्रभु साह के रूप में हुई है नेपाल पुलिस के अनुसार सोमवार को रजत जयंती चौक के समीप बने चेक पोस्ट पर नियमित जांच के दौरान एक साइकिल सवार को रोका गया। उसकी तलाशी के दौरान उसके पास से 1000 रुपए के 344 नोट और 100 रुपए के 20 नोट बरामद यानी कुल राशि 3 लाख 46 हजार नेपाली रुपए बरामद किये गए।

विदेशी शराब की 22 बोतल बरामद, कारोबारी भागने में रहा कामयाब

ARARIA : फारबिसगंज के चौरा परवाहा वार्ड संख्या तीन में छिपाकर बिक्री के लिए रखे गए पुलिस ने 22 बोतल विदेशी शराब बरामद किया। टाइगर मोबाइल लव कुमार, विकास कुमार और राजू कुमार को सूचना मिली थी कि चौरा परवाहा वार्ड संख्या तीन में सुमन कुमार पिता श्रवण कुमार मंडल अवैध रूप से शराब बिक्री का काम करता है। सूचना के आधार पर गुरुदयाल भगत के जलावन के घर में छिपाकर रखा हुआ प्लास्टिक के तीन अलग अलग बोरा में 22 बोतल विदेशी शराब बरामद किया। सुमन कुमार पिता श्रवण कुमार मंडल पुलिस को देखकर फरार हो गया।

तालाब में डूबकर दो बच्चियों की मौत

BHAGALPUR : बिहार में भागलपुर जिले के नाथनगर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत किशनपुर बाईपास के समीप तालाब में डूबने से दो मासूम बच्चियों की दर्दनाक मौत हो गई। मृत बच्चियों की पहचान 13 वर्षीय सोनाली कुमारी और 12 वर्षीय निशा कुमारी के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार दोनों बच्चियां सुबह गांव के पास स्थित तालाब किनारे बकरी चराने गई थी। इसी दौरान एक बकरी तालाब के किनारे चली गई। जिसे बचाने के क्रम में निशा का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में गिर गई। निशा को डूबते देख सोनाली ने भी उसे बचाने के लिए पानी में छलांग लगा दी। लेकिन दोनों की जान नहीं बच सकी। घटना की सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया।

एक करोड़ की लागत से फारबिसगंज काली मेला ग्राउंड की होगी घेराबंदी

ARARIA : फारबिसगंज नगर परिषद के मुख्य पार्षद वीणा देवी की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में सोमवार को हुई सशक्त स्थायी समिति की बैठक में एक करोड रुपए की लागत से काली मेला ग्राउंड की घेराबंदी को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में चेयरमैन वीणा देवी, उप मुख्य पार्षद, कार्यपालक पदाधिकारी, सशक्त स्थायी समिति सदस्य, मनोज सिंह, गणेश गुप्ता, प्रभारी कामख्या नारायण सिंह उर्फ कुंदन सिंह मौजूद थे।

लालू ने राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए किया नामांकन

AGENCY PATNA : जनता दल (राजद) के वर्तमान अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव सोमवार को परिवार के साथ राजद ऑफिस पहुंचे, और राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन किया। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने अध्यक्ष पद के लिए औपचारिक रूप से नामांकन दाखिल किया। नामांकन के दौरान राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव समेत पूरा लालू परिवार मौजूद रहा। पटना स्थित राजद कार्यालय में नामांकन के लिए भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और नेता भी जुटे हुए थे। कार्यालय के बाहर और भीतर 'लालू यादव ज़िंदाबाद' के नारों से माहौल गूंज उठा। लालू प्रसाद यादव के खिलाफ अब तक किसी और ने नामांकन नहीं दाखिल किया है, जिससे यह तय माना जा रहा है कि वे एक बार फिर से राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि लालू यादव ही अगले अध्यक्ष होंगे। राजद द्वारा आधिकारिक तौर पर घोषणा 5 जुलाई को की जाएगी, उस दिन लालू यादव का जन्मदिन भी है। पार्टी इसे 'लालू सम्मान दिवस' के रूप में भी मनाने की तैयारी कर रही है। नामांकन के मौके पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह की गैरमौजूदगी ने सियासी अटकलों को जन्म दे दिया है। हाल के दिनों में जगदानंद सिंह और तेजस्वी यादव के बीच मतभेद की खबरें सामने आई थीं। ऐसे में उनका पार्टी कार्यालय में उपस्थित न रहना एक संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन करते लालू प्रसाद यादव व अन्य

लालू यादव के कृत्य पर भाजपा का विरोध बाबा साहब अंबेडकर का अपमान बर्दाश्त नहीं

AGENCY KATIHAR : राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव द्वारा बाबा साहब अंबेडकर के अपमान के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने अम्बेडकर प्रतिमा के समक्ष सोमवार को धरना प्रदर्शन किया। भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज राय ने तीखे शब्दों में इस घटनाक्रम का विरोध करते हुए कहा कि लालू यादव दलित एवं पिछड़ा विरोधी हैं। भाजपा नेताओं ने कहा कि राजद प्रमुख लालू यादव द्वारा बाबा साहब की तस्वीर को पैर के पास रखने जैसा कृत्य बेहद निंदनीय है और इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। यह कृत्य बाबा साहब के प्रति उनकी अनादर और अवमानना को दशार्ता है। भाजपा नेताओं ने कहा कि भाजपा ने न सिर्फ बाबा साहब को यथोचित सम्मान किया बल्कि उनके द्वारा दलितों और पिछड़ों के कल्याण की चिंता भी की है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी ने विकास के नए-नए आयाम गढ़ने का काम किया है। भाजपा नेताओं ने बिहार सरकार द्वारा विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन और दिव्यांग पेंशन को 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये करने के निर्णय का स्वागत किया।

धरना-प्रदर्शन करते भाजपा के कार्यकर्ता

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल की दी सौगात, कहा-

राज्य में कृषि व उद्योग सहित अन्य व्यवसायों का तेजी से होगा विकास

AGENCY PATNA : सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में कच्ची दरगाह से बिदुपुर के बीच बने 6 लेन के गंगा पुल का उद्घाटन किया, जिससे पटना और राघोपुर के बीच सफर आसान हो गया है। इस पुल के बनने से अब राघोपुर के लोगों को साल भर सड़क संपर्क मिलेगा और उत्तर-दक्षिण बिहार के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। लोकर्पण के पश्चात मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित 6 लेन गंगा पुल का राघोपुर तक निरीक्षण भी किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कच्ची दरगाह बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल के लोकार्पण से राघोपुर दियारा क्षेत्र के लोगों को राजधानी पटना से पूरे वर्ष के लिये सड़क सम्पर्क मिलेगा। इस क्षेत्र में कृषि, उद्योग सहित अन्य व्यवसायों का और तेजी से विकास होगा। आकस्मिक चिकित्सा की स्थिति में मरीजों को भी काफी सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि इससे महात्मा गांधी सेतु पर भी यातायात का भार कम हो गया है। उत्तर और दक्षिण बिहार के सम्पर्क के लिये लोगों को एक और वैकल्पिक मार्ग मिल गया है, जिससे आवागमन और सुगम हो गया है। उन्होंने कहा कि इससे पटना शहर में लगने वाले जाम से भी लोगों को राहत मिलेगी। इस पुल के निर्माण से पटना शहर के बाहर से ही लोग उत्तर बिहार के विभिन्न जगहों पर आसानी के साथ आवागमन कर सकेंगे। पटना के पूर्वी क्षेत्र के लोगों को भी सुगम यातायात का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमलोग राज्य में गुणवत्तापूर्ण सड़कों एवं पुलों का लगातार निर्माण कर आवागमन को सुगम बना रहे हैं। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने दीदारगंज में कच्ची दरगाह बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल को जेपी गंगा पथ से जोड़नेवाले निमार्णाधीन लिंक पथ का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जेपी गंगापथ परियोजना को दीदारगंज तक पूरा कर लिया गया है। जेपी गंगापथ की तरफ से आने-जानेवाले वाहनों को कच्ची दरगाह बिदुपुर 6 लेन गंगा पुल से सीधा संपर्क बहाल करने के लिए बचे हुए काम को एक माह में तेजी से पूर्ण किया जाए। उल्लेखनीय है कि पटना जिला अन्तर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-30 पर अवस्थित कच्ची दरगाह एवं वैशाली जिला अन्तर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ सख्या-103 पर अवस्थित बिदुपुर के बीच गंगा नदी पर कुल 19.76 किलोमीटर लम्बाई के 6 लेन ग्रीन फील्ड पुल परियोजना का निर्माण किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत 9.76 किमी लम्बा पुल तथा 10 किमी लम्बा पहुंच पथों का निर्माण कार्य होना है। इस परियोजना की कुल लागत 4 हजार 988 करोड़ रुपए है। प्रथम चरण में कच्ची दरगाह, पटना से राघोपुर दियारा, वैशाली (कुल लम्बाई 4.57 किमी) का काम पूरा हो चुका है। इस कार्य के पूर्ण होने से राघोपुर दियारा क्षेत्र के लोगों को राजधानी पटना से पूरे वर्ष के लिए सड़क सम्पर्क मिल जाएगा। पूर्व में राघोपुर क्षेत्र में नाव से ही आवागमन सम्भव हो पाता था। द्वितीय चरण में हाजीपुर-महनार पथ से चकसिकन्दर तक तथा तृतीय चरण में राघोपुर दियारा से हाजीपुर-महनार पथ का निर्माण किया जा रहा है। अब तक परियोजना की वर्तमान प्रगति 85 प्रतिशत है तथा शेष कार्य को तेजी से पूरा किया जा रहा है।

कच्ची दरगाह से बिदुपुर के बीच बनी 6 लेन गंगा पुल के उद्घाटन के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व अन्य

मुख्य सचिव ने किया 'ई-ऑफिस यूजर मैनुअल' का विमोचन

AGENCY PATNA : बिहार सरकार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने आज मुख्य सचिवालय सभा कक्ष, पुराना सचिवालय, पटना में 'ई-ऑफिस यूजर मैनुअल' का औपचारिक विमोचन किया।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग डॉ बी राजेन्दर, बीपार्ड की अपर महानिदेशक डॉ सफीना एएन और सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग रचना पाटिल सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। 'ई-ऑफिस यूजर मैनुअल' का प्रकाशन राज्य में प्रशासनिक प्रक्रियाओं को और अधिक पारदर्शी, त्वरित और उत्तरदायी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने कहा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार पारदर्शिता एवं त्वरित प्रशासनिक प्रक्रिया के लिए निरंतर प्रयासरत है। 'ई-ऑफिस' प्रणाली एक अनूठा कदम है, जिससे फाइलों का निपटारा तेजी से और पारदर्शिता के साथ संभव होगा। हमारा उद्देश्य है कि प्रशासनिक कार्यों में तकनीक का अधिकतम उपयोग हो और जनता को त्वरित सेवाएं मिलें।

उन्होंने आगे कहा कि यह प्रणाली बिहार सरकार की सुशासन की प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगी तथा सभी विभागों में कार्यकुशलता और जवाबदेही को बढ़ावा देगी।

बिहार सरकार लगातार प्रशासनिक सुधारों और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से जनता को बेहतर सेवाएं देने के लिए संकल्पबद्ध है।'ई-ऑफिस' प्रणाली राज्य में सुशासन की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी।

जीविका बीपीएम की प्रताड़ना से तंग कैडरों ने उच्च अधिकारियों को भेजा पत्र

AGENCY NALANDA : जिले में चंडी प्रखंड अंतर्गत जीविका कैडरों ने बीपीएम (ब्लॉक प्रोजेक्ट मैनेजर) जितेन्द्र कुमार चौरसिया के खिलाफ एकजुट होकर गंभीर आरोप लगाए हैं। कैडरों का कहना है कि बीपीएम द्वारा उनके साथ लगातार मानसिक आर्थिक और व्यवहारिक प्रताड़ना की जा रही है। बीपीएम द्वारा बार-बार नौकरी से हटाने की धमकी अभद्र भाषा का प्रयोग और प्रदत्त शक्तियों का दुरुपयोग किया जा रहा है जिससे कई कैडरों को मजबूर होकर नौकरी छोड़नी पड़ेगी। आरोप है कि बीपीएम ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए कुछ कैडरों को अनुचित तरीके से निष्कासित भी कर दिया है। इसके साथ ही दीदी की रसोई योजना में कार्यरत महिलाओं को भी बीपीएम द्वारा परेशान किया गया है। महिला कैडरों ने बताया कि जब वे देर रात ड्यूटी कर घर लौटती हैं,तो रास्ते में उनके झोले की तलाशी ली जाती है गाली-गलौज की जाती है और उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित किया जाता है। इससे उनका आत्म-सम्मान आहत हुआ है। कैडरों ने सामूहिक रूप से एक पत्र तैयार कर उच्च अधिकारियों को ईमेल के माध्यम से भेजा है जिसमें इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की गई है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी है कि अगर ईमेल के माध्यम से कार्रवाई नहीं होती है तो वे स्वयं लिखित आवेदन लेकर संबंधित कार्यालयों में पहुंचकर न्याय की मांग करेंगें।

वार्ड सदस्य के पति पर चाकू से जानलेवा हमला

BHAGALPUR : जिले के नाथनगर थाना क्षेत्र स्थित भतौरिया गांव में सोमवार को जन वितरण प्रणाली में गड़बड़ी का विरोध करना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। गांव निवासी अमर कुमार मंडल उर्फ उपेंद्र मंडल पर मित्तल मंडल नामक युवक ने चाकू और अस्तुरा से जानलेवा हमला कर दिया। घायल उपेंद्र मंडल ने बताया कि उनकी पत्नी वार्ड सदस्य हैं और मित्तल मंडल जन वितरण प्रणाली का दुकानदार है। मित्तल द्वारा लाभुकों को सही तरीके से अनाज नहीं दिए जाने का उन्होंने विरोध किया था। इसकी शिकायत उन्होंने जिलाधिकारी से की थी। जिसके बाद मित्तल मंडल का लाइसेंस रद्द कर दिया गया। उपेंद्र मंडल का आरोप है कि इसी रंजिश में आज सुबह जब वे टहलने निकले तभी पहले से घात लगाए मित्तल मंडल ने उन पर चाकू और अस्तुरा से हमला कर दिया।

प्रेमी के साथ मिलकर पत्नी ने पति को उतारा मौत के घाट, हत्या में शामिल तीन आरोपी गिरफ्तार

AGENCY DEHRI-ON-SONE : डेहरी नगर थाना के ईदगाह मोहल्ला में रविवार आधी रात के बाद प्रेमी, प्रेमिका ने मिल पति की गला दबाकर हत्या कर दिया।

पुलिस ने एक घण्टे के अन्दर घटना में संलिप्त एक महिला सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। एसपी रौशन कुमार के अनुसार लगभग रात्रि दो बजे डेहरी को सूचना प्राप्त हुई कि थानाक्षेत्र के इदगाह मोहल्ले में रेशमा खातुन के द्वारा दो व्यक्तियों के साथ मिलकर अपने पति मो अशरफ को गला दबाकर हत्या कर दिया गया है। सूचना के आलोक में थानाध्यक्ष, डिहरी नगर एवं डायल-112 की टीम शीघ्रता से घटनास्थल पर पहुँच गयी। जहाँ पुलिस बल को देखकर एक व्यक्ति घर की छत से कूदकर एवं एक अन्य व्यक्ति घर की दरवाजे से तेजी से निकल कर भागने का प्रयास करने लगा। जिसे पुलिस बल के द्वारा पकड़ कर अभिरक्षा में लिया गया ।जिसके उपरांत घर की तलाशी ली गयी तो घर के कमरे से मो अशरफ का शव बरामद किया गया। घटना के संबंध में घर में मौजूद मृतक अशरफ के परिजनों से पूछताछ की गयी तो उनके द्वारा इस घटना में मृतक की पत्नी रेशमा खातुन की भी संलिप्तता बतायी गयी ।जिसके उपरांत रेशमा खातुन को भी गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार इश्तेखार हसन , जमशेद व मृतक की पत्नी रेशमा खातुन से घटना के संबंध में पूछताछ की गयी । घटना का खुलासा करते हुए बताया गया कि इनलोगों के द्वारा ही अशरफ को गला दबाकर हत्या की गयी है। उन्होंने बताया कि इश्तेखार हसन से पूछताछ करने पर बताया गया कि इनका मृतक की पत्नी रेशमा खातुन के साथ विगत आठ-नौ वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जिसकी जानकारी जब रेशमा खातुन के पति मृतक अशरफ को हुई तो उसने इस बात को अपने परिजनों को भी बता दिया ।जिसके कारण सभी लोग रेशमा खातुन को भला बूरा कहने लगे। इसी बात को लेकर मृतक की पत्नी रेशमा खातुन ने इश्तेखार हसन के साथ मिलकर एक सप्ताह पूर्व में हीं अशरफ की हत्या करने की योजना बनायी थी। इश्तेखार हसन जो कि वर्तमान में कलकत्ता में रह रहा था अपने वहीं का एक दोस्त जमशेद को साथ लेकर रविवार रात यहां आया।

बाल श्रम और बच्चों की ट्रैफिकिंग से जुड़े नेटवर्क के खिलाफ चलाए गए अभियान का आया नतीजा

बाल मजदूरों को मुक्त कराने में दूसरे स्थान पर रहा बिहार

AGENCY PATNA : बाल श्रम और बच्चों की ट्रैफिकिंग से जुड़े नेटवर्क के खिलाफ चलाए गए अभियानों में वर्ष 2024-25 में बाल मजदूरों को मुक्त कराने के मामले में बिहार देश में दूसरे स्थान पर रहा। बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के सहयोगी संगठनों ने इस दौरान कुल 53,651 बाल मजदूरों को मुक्त कराया। जिसमें 3,974 बच्चे बिहार से छुड़ाए गए। बाल मजदूरों को मुक्त कराने में तेलंगाना शीर्ष पर रहा जहां 11,063 बच्चे छुड़ाए गए। जेआरसी के सहयोगी संगठन इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन के शोध प्रभाग सेंटर फॉर लीगल एक्शन एंड बिहेवियर चेंज (सी-लैब) की बाल श्रम के संबंध में एक रिपोर्ट 'बिल्डिंग द केस फॉर जीरो : हाउ प्रासीक्यूशन एक्ट्स ऐज टिपिंग प्वाइंट टू इंड चाइल्ड लेबर' में उजागर हुए, रिपोर्ट के अनुसार मुक्त कराए गए बच्चों में 90 प्रतिशत उन क्षेत्रों में काम कर रहे थे, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन व भारत सरकार बाल मजदूरी का सबसे बदतरीन स्वरूप मानती है। इन छापों के बाद 38,388 मामले दर्ज किए गए और 5,809 गिरफ्तारियां हुईं। इनमें 85 प्रतिशत गिरफ्तारियां बाल मजदूरी के मामलों में हुईं। यह रिपोर्ट 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के बीच देश के 24 राज्यों व केंद्र शासित क्षेत्रों के 418 जिलों में काम कर रहे जेआरसी के 250 से भी ज्यादा सहयोगी संगठनों के बाल श्रम और ट्रैफिकिंग के शिकार बच्चों को मुक्त कराने के लिए की गई छापामार कार्रवाई के आंकड़ों पर आधारित है। रिपोर्ट में समग्र नीतिगत बदलावों, सरकारी खरीदों में बाल श्रम का इस्तेमाल कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति, खतरनाक उद्योगों की सूची के विस्तार, राज्यों को उनकी विशेष जरूरतों के हिसाब से नीतियां बनाने, बाल मजदूरी के खात्मे के लिए सतत विकास लक्ष्य 8.7 की समय सीमा को 2030 तक बढ़ाने, दोषियों के खिलाफ सख्त व त्वरित कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान सबसे ज्यादा तेलंगाना में 7,632 छापे मारे गए जबकि इसके बाद उत्तर प्रदेश (2,469), राजस्थान (2,453) और मध्यप्रदेश (2,335) रहे। यह दशार्ता है कि देशभर में चलाए गए बाल मजदूरी विरोधी अभियान प्रभावी रहे हैं, लेकिन स्थायी बदलाव तभी आएगा जब कानून का डर और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

2024-25 में छुड़ाए गए 3974 बच्चे

जांच के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से डाक्टर समेत 5 कर्मी मिले गायब

BAGHA : अनुमण्डल पदाधिकारी, बगहा ने सोमवार को साढे गयारह बजे दिन में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पतिलार (अतिरिक्त) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी ने डा अवनीश ध्वज सिंह, अमरेश कुमार प्रखण्ड स्वास्थ्य प्रबंधक, अरविन्द कुमार लेखापाल, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पतिलार (अतिरिक्त), दुर्गेश कुमार, लिपिक, मुनिन्द्र कुमार सिंह कार्यालय परिचारी एवं नितेश कुमार कार्यालय परिचारी सभी उक्त अनुपस्थित पाये गये।सभी से स्पष्टीकरण की मांग करते हुए आज का वेतन स्थगित करने की कार्रवाई एसडीएम ने की है। अनुमण्डल पदाधिकारी ने लेवर रूम (प्रसव कक्ष) का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में पूरी तरह से गंदगी फैली हुई थी, बेड पर भी चादर नहीं लगाया गया था।

जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी गई श्रद्धांजलि

AGENCY NAVADA : महान शिक्षाविद, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर सोमवार को भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल मेहता के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने उनके चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

जिलाध्यक्ष अनिल मेहता ने उन्हें सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का पुरोधा बताते हुए कहा कि डॉ. मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर और पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न हिस्सा बनाए रखने के लिए आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने जनसंघ की स्थापना कर वैकल्पिक राजनीतिक विचारधारा प्रस्तुत की, जो आज भाजपा के रूप में देश की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। उनके बलिदान को मोदी सरकार ने धारा 370 को हटाकर सच्ची श्रद्धांजलि दी है। वारिसलीगंज की विधायिका अरुणा देवी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का चिंतन सिर्फ कश्मीर तक सीमित नहीं था, बल्कि शिक्षा, भाषा, लघु उद्योग और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषयों पर भी उनका दृष्टिकोण अद्वितीय था। यह सब सफर भारतीय जनता पार्टी के सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि देते हुए उनके बलिदानों को आप साथ करने का संकल्प लिया है।

गैरसरकारी संगठनों को भी निभानी होगी बड़ी भूमिका

केंद्र सरकार द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान के माध्यम से जिस तरह से देश के कोने-कोने में किसानों तक पहुंचने का प्रयास किया गया है और जिस तरह से खेती और उससे जुड़ी किसानों से संबंधित जानकारी को साझा किया गया है, यह इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि अन्नदाता की खुशहाली में ही देश की खुशहाली संभव है। सरकार के साथ ही खेती किसानी क्षेत्र में जुड़े गैरसरकारी संगठन भी आगे आते हैं, तो अन्नदाता की खुशहाली की और अधिक तेजी से राह प्रशस्त होगी। हालांकि मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार जैसे संगठन नवाचारी किसानों के नवाचारों को पहचान दिलाने और किसानों के हित में लगातार प्रयासरत है। इसमें कोई दो राय नहीं कि चुनावों के समय सभी राजनीतिक दलों के केंद्र में किसान ही रहता है और किसानों के लिए लोकलुभावन वादों की बरसात कर दी जाती है, पर कभी इस बात को गंभीरता से नहीं समझा गया कि किसान का भला कर्ज माफी से नहीं हो सकता। किसान का भला चंद मिनी किट वितरण से नहीं हो सकता। दरअसल, अन्नदाता और खेती किसानी का भला किसान के खेत को ही प्रयोगशाला बनाने से संभव होगा तो किसानों को उनकी मेहनत का पूरा पैसा दिलाने से संभव होगा। कैसी विडंबना है कि छोटी से छोटी वस्तु का उत्पादनकर्ता अपनी वस्तु को बेचने का दाम खुद तय करता है, वहीं दूसरी और अन्नदाता जो अपने खून- पसीने से सबका पेट ही नहीं भरता, बल्कि इससे भी अधिक यह कि देश की अर्थ व्यवस्था को गति देने का प्रमुख कारक भी है। इस सबके बावजूद किसान को अपनी उपज औने-औने भावों में बेचने को मजबूर होना पड़ता है। उसकी मेहनत का फल बिचौलियों को चला जाता है। टमाटर इसका सबसे बड़ा उदाहरण माना जा सकता है, जो कभी अन्नदाता को रुलाता है, तो कभी आमजन को, पर कभी भी किसी मंडी के आढ़तिए को रुलाते नहीं देखा होगा। यहां तक देखने को मिलता है कि अन्नदाता को लागत तो दूर मंडी में ले जाने तक के खर्च की राश भी नहीं मिल पाती है। टमाटर तो एक उदाहरण मात्र है। इसमें कोई दो राय नहीं कि पिछले 11 साल में किसानों के हित में बड़े और लाभकारी निर्णय किए गए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि या फसल बीमा जैसी योजनाएं और फसल की बुवाई से पहले ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा निश्चित रुप से सराहनीय पहल है। हालिया 15 दिन का विकसित कृषि संकल्प अभियान को भी निश्चित रुप से सराहनीय पहल माना जा सकता है। इस सबके बीच सवाल यह भी उठता है कि देश में बहुत से प्रगतिशील और अपने बल-बूते पर खेती के क्षेत्र में नवाचारों को फलीभूत कर रहे हैं, उनको प्रोत्साहित करने के प्रयास भी होने चाहिए। हालांकि कृषि पत्रकार और मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार के माध्यम से लगातार ऐसे कर्मयोगी किसानों को आगे लाने, प्रोत्साहित करने और उनके प्रयोग को अन्य किसानों के सामने के समग्र प्रयास डॉ. महेंद्र मधुप जैसे कर्मयोगी द्वारा लगातार किए जा रहे हैं। डॉ. मधुप 2017 से इस मॉडल को किसान वैज्ञानिकों की जीवनशैली में उतारकर, देश-विदेश में उनकी पहचान को विस्तारित करने में जुटे हैं, इसे सकारात्मक पहल माना जा सकता है। देश का मीडिया भी इसे लेकर गंभीर है और यही कारण है कि प्रमुख मीडिया ग्रुप किसानों से संबंधित जानकारियों का समावेश करते हुए नियतकालीन परिषिष्ट प्रकाशित कर रहे हैं। डॉ. मधुप जैसे ही खेती किसानी के क्षेत्र में कार्य कर रहे गैरसरकारी को भी आगे आना चाहिए और जो तथाकथित किसान हितैषी बने हुए हैं, उन्हें भी ऐसे कर्मयोगी किसानों के नवाचारों को प्रमुखता देनी चाहिए। कोरोना काल का उदाहरण हमारे सामने हैं। जब समूचे विश्व में सब कुछ बंद हो गया तो सबसे बड़ा सहारा कृषि क्षेत्र ही बनकर आया। किसानों की मेहनत से भरे अन्न धन इस संकट के समय में बड़ा सहारा बने। सरकारें अपने नागरिकों को आसानी से खाद्य सामग्री उपलब्ध करा सकी। आज भी देश दुनिया में खाद्य संकट से जूझने में अन्नदाता की मेहनत ही काम आ रही है। कर्जमाफी की यहां इसलिए चर्चा करना जरूरी हो जाता है कि कर्जमाफी की राशि जितनी राशि के कृषि इनपुट यानी कि खाद-बीज कीटनाशक किसानों को उपलब्ध करा दी जाए तो इस राशि का वास्तव में खेती किसानी क्षेत्र में उत्पादकता के रूप में उपयोग हो सकेगा। कर्जमाफी को इस तरह से समझना होगा कि किसान भी यह समझने लगा है कि चुनाव आने पर कर्ज तो माफ होना ही है, ऐसे में कर्ज चुकाना ही क्यों। दूसरा यह कि सरकार की कर्जमाफी का बोझ तो उठाना ही पड़ता है, पर फिर भी वह ना तो किसानों को ही संतुष्ट कर पाती है और ना ही यह राशि किसानों के काम आ पाती है। ऐसे में सरकार को ब्याज अनुदान या इस तरह के अनुदान पर होने वाले व्यय को किसानों को इनुपट के रुप में उपलब्ध कराने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। इससे एक तो इनपुट खेती में ही काम आएगा और इनपुट की गुणवत्ता पर ध्यान दिया गया तो खेती किसानी में उत्पादकता बढ़ेगी और इसका लाभ देश को ही प्राप्त होगा। देश में अन्नधन के भंडार भरेंगे। आयात पर निर्भरता कम होगी और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। सरकार के 15 दिवसीय संवाद को अच्छी पहल माना जा सकता है और इस तरह के अभियान खरीफ और रबी दोनों ही फसलों की बुवाई से पहले चलाया जाएं तो निश्चित रुप से देश को लाभ होगा। इसके साथ ही इस तरह के अभियान के दौरान खेती क्षेत्र की अनुदान राशि के एक बड़े हिस्से को इनपुट वितरण के रुप में उपयोग होगा तो यह किसानों के लिए वास्तविक लाभकारी होगा। कृषि क्षेत्र से जुड़े मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार जैसे संगठनों को भी इससे जोड़ा जाना चाहिए। इसके साथ ही क्षेत्र के नवाचारी किसानों को प्रोत्साहित, सम्मानित और उनके अनुभवों को साझा करने के समन्वित प्रयास किए जाने चाहिए।

पवन ऊर्जा क्षेत्र और तीन प्रमुख चुनौतियां

ANALYSIS

मुकुंद

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के तत्वावधान में बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकार के प्राधिकरणों, डिस्कॉम, सीपीएसयू, पवन उद्योग, शिक्षाविदों, प्रमुख विचारकों, प्रमुख हितधारकों आदि की भागीदारी से देश में पवन ऊर्जा विकास की प्रगति सहित प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में पवन स्वतंत्र विद्युत उत्पादक संघ (डब्ल्यूआईपीपीए), भारतीय पवन टरबाइन निमार्ता संघ (आईडब्ल्यूटीएमए) और भारतीय पवन ऊर्जा संघ (आईडब्ल्यूपीए) का भी सहयोग रहा। केंद्रीय मंत्री जोशी ने कार्यक्रम में मौजूद हितधारकों को संबोधित किया। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि पवन ऊर्जा नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए भारत की रणनीति के केंद्र में है। जोशी ने कहा कि वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने के लिए भारत को ऊर्जा की अधिक आवश्यकता है, चाहे वह सौर ऊर्जा हो, पवन ऊर्जा हो या ऊर्जा का कोई अन्य स्वरूप हो। कार्यक्रम में जोशी ने यह कहकर चिंता कम की कि भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य महत्वाकांक्षी और स्पष्ट हैं। वर्ष 2030 तक हमारी बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत हिस्सा गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से होगा। वर्ष 2070 तक भारत शून्य कार्बन उत्सर्जन वाला देश बन जाएगा। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के में पवन ऊर्जा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी।

देश में बिना बाधा के बिजली आपूर्ति में पवन ऊर्जा का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। इस दिशा में मोदी सरकार पूरी ईमानदारी से प्रयासरत है। सरकार मानती है कि इस क्षेत्र में कई चुनौतियां हैं। इनसे पार पाने के बाद ही स्थिति में क्रांतिकारी परिवर्तन आ सकता है। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊजार्मंत्री प्रह्लाद जोशी ने 15 जून को बेंगलुरु में वैश्विक पवन ऊर्जा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पवन ऊर्जा क्षेत्र के लिए तीन चुनौतियों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, हमें 24 घंटे बिजली और ग्रिड स्थिरता प्रदान करने के लिए पवन को सौर और भंडारण (बीईएसएस) के साथ जोड़ना होगा। दूसरा, शुल्क प्रतिस्पर्धी होना चाहिए। 3.90 रुपये प्रति यूनिट की दर बहुत अधिक है। हमें लागत कम करने के लिए मिलकर काम करना होगा। तीसरा, घरेलू विनिर्माण को और अधिक कुशल बनना होगा। साथ ही अपने लक्ष्यों को पूरा करने के साथ निर्यात को प्रोत्साहन भी देना होगा। वैश्विक पवन ऊर्जा दिवस पर आयोजित सम्मेलन के संदर्भ में भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीआईबी) की विज्ञप्ति में कहा गया है कि केंद्र सरकार के निरंतर नीतिगत समर्थन से पवन ऊर्जा क्षेत्र ने पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित की है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के तत्वावधान में बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकार के प्राधिकरणों, डिस्कॉम, सीपीएसयू, पवन उद्योग, शिक्षाविदों, प्रमुख विचारकों, प्रमुख हितधारकों आदि की भागीदारी से देश में पवन ऊर्जा विकास की प्रगति सहित प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में पवन स्वतंत्र विद्युत उत्पादक संघ (डब्ल्यूआईपीपीए), भारतीय पवन टरबाइन निमार्ता संघ (आईडब्ल्यूटीएमए) और भारतीय पवन ऊर्जा संघ (आईडब्ल्यूपीए) का भी सहयोग रहा। केंद्रीय मंत्री जोशी ने कार्यक्रम में मौजूद हितधारकों को संबोधित किया। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि पवन ऊर्जा नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए भारत की रणनीति के केंद्र में है। जोशी ने कहा कि वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने के लिए भारत को ऊर्जा की अधिक आवश्यकता है, चाहे

वह सौर ऊर्जा हो, पवन ऊर्जा हो या ऊर्जा का कोई अन्य स्वरूप हो। कार्यक्रम में जोशी ने यह कहकर चिंता कम की कि भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य महत्वाकांक्षी और स्पष्ट हैं। वर्ष 2030 तक हमारी बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत हिस्सा गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से होगा। वर्ष 2070 तक भारत शून्य कार्बन उत्सर्जन वाला देश बन जाएगा। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के में पवन ऊर्जा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। पवन ऊर्जा अक्षय ऊर्जा रणनीति का घटक नहीं है, लेकिन यह इसके दिल में है और आत्मनिर्भर भारत के केंद्र में है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमें विनिर्माण के लिए अक्षय ऊर्जा और घरेलू खपत के लिए पारंपरिक ऊर्जा' का एक दृष्टिकोण दिया है। हम उसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण अक्षय ऊर्जा उत्पादन, भंडारण और उपयोग के महत्व पर बल देता है, ताकि जब भारत निकट भविष्य में वैश्विक विनिर्माण केंद्र बन जाए, तो वह अक्षय ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से विनिर्माण क्षेत्र की ऊर्जा मांगों को पूरा करने में सक्षम हो सके। जोशी ने कहा कि भारत में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, क्योंकि इसकी विश्व स्तर पर चौथी सबसे बड़ी पवन ऊर्जा स्थापित क्षमता है और यह तीसरा सबसे बड़ा अक्षय ऊर्जा उत्पादक है। उन्होंने कहा कि किसी ने नहीं सोचा था कि भारत 10 वर्ष में अक्षय ऊर्जा का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन जाएगा, लेकिन आज यह एक वास्तविकता है। सरकार इस क्षेत्र को पूरी गंभीरता से सहायता प्रदान कर रही है। इस वर्ष अक्षय ऊर्जा बजट में 53 प्रतिशत यानी 26,549 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। इसमें से एक बड़ा हिस्सा पवन ऊर्जा को दिया गया है। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग की ओर संक्रमण अपरिहार्य है। राज्यों को इस संक्रमण का नेतृत्व करना चाहिए। भूमि की उपलब्धता और पारेषण में देरी को दूर करना होगा। यह संकोच का समय नहीं है, यह कार्यान्वयन का समय है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि भारत 225 किलोवाट से लेकर 5.2 मेगावाट तक की क्षमता वाले पवन टर्बाइनों का निर्माण कर रहा है। इसमें 14 कंपनियां 33 मॉडल तैयार कर रही हैं। यह टर्बाइन हमारी घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करते हैं और वैश्विक स्तर पर लागत-प्रतिस्पर्धी भी हैं। जोशी का मानना है कि राष्ट्रीय पवन ऊर्जा क्षमता का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए समन्वित राष्ट्रीय प्रयास की आवश्यकता होगी। इसलिए हम पांच प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके तहत मध्य प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा जैसे नए राज्यों में विस्तार किया जाएगा। गुजरात और तमिलनाडु में चार गीगावाट के लीजिंग क्षेत्रों की पहचान की जाएगी। भंडारण से जुड़े व्यावसायिक मॉडलों के माध्यम से चौबीसों घंटे चलने वाली और दृढ़ हरित ऊर्जा रणनीतियों में पवन ऊर्जा को एकीकृत किया जाएगा। ग्रिड का आधुनिकीकरण किया जाएगा। परिवर्तनशील नवीकरणीय ऊर्जा के प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-आधारित पूवार्नुमान में निवेश किया जाएगा। पूरी पवन ऊर्जा मूल्य श्रृंखला में स्थानीय विनिर्माण को प्रोत्साहन समय की जरूरत है। जोशी ने कार्यक्रम में पवन ऊर्जा रूपरेखा और विनिर्माण कार्ययोजना पर रिपोर्ट भी जारी की। इस रिपोर्ट में मजबूत और आत्मनिर्भर पवन ऊर्जा ईको सिस्टम पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने बताया कि सुखद यह है कि कर्नाटक 1331.48 मेगावाट की पवन ऊर्जा क्षमता वृद्धि के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद तमिलनाडु (1136.37 मेगावाट) और गुजरात (954.76 मेगावाट) का स्थान है।

साहित्य ज्ञानमार्गी दुख की औषधि

दुनिया को सुखी बनाने के काम में अनेक महानुभाव सक्रिय रहे हैं और आज भी हैं। वे आदर के पात्र होते हैं। हम उनकी चर्चा करते हैं। उनका यश और सर्वत्र फैलता है। कुछ महानायक जैसे होते हैं और कुछ महापुरुष जैसे। ऐसे व्यक्तित्व बहुत सरल नहीं होते हैं। हम उन्हें आसानी से नहीं समझ सकते। हमारे पास उन्हें समझने और जानने के लिए लेख और भाषण की सामग्री ही होती है। खलील जिब्रान लेबनानी विद्रोही नेता थे। उन्होंने विशेष शैली में 12 पुस्तकें लिखीं। दि प्रॉफेट नाम की उनकी किताब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय हुई थी। शेक्सपीयर का लेखन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय है। उनके लेखन का द्वंद्व तत्व विचारणीय है। महात्मा गांधी का व्यक्तित्व समझने की दृष्टि से बहुत जटिल है। वे राजनीति में सक्रिय रहते हैं, कोई पद नहीं लेते। लेकिन, कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव में भी सक्रिय भूमिका का निर्वहन करते हैं। अपने आदर्शों के लिए सत्याग्रह करते हैं। गांधी को आसानी से नहीं समझा जा सकता। गांधी का लिखा और बोला साहित्य हमें उनके निकट ले जाता है। डॉ. बीआर अंबेडकर का लिखा-बोला साहित्य पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। हम उनके साहित्य को पढ़कर, उनके व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ जान जाते हैं। गांधी जी हरिजन और यंग इंडिया में नियमित लिखते थे। अंबेडकर का अपना अखबार मूकनायक था। वे उसमें लिखते थे। लोडिया मैनकाइंड में लिखते थे। उनकी लिखी भारत माता, धरती माता, इकोनॉमिक्स बियोंड मार्क्स और इतिहास चक्र जैसी पुस्तकें उनके व्यक्तित्व की खबर देती हैं। दीनदयाल उपाध्याय ऑर्गनाइजर में पॉलिटिकल डायरी लिखते थे। असली बात है अभिव्यक्ति का स्रोत। ब्रह्मांड सतत विस्तारवान है। वह स्वयं को भिन्न भिन्न रूपों में प्रकट करता रहता है। प्रकृति की परिवर्तनशीलता ब्रह्म अभिव्यक्ति का परिणाम है। ज्ञान की विशेष अवस्था में ज्ञाता और ज्ञान एक हो जाते हैं। प्रकृति अनेक लेखकों की प्रेरणा का स्रोत है। किसी को नदियां, पर्वत आनंदित प्रेरित करते हैं, तो किसी किसी को सूर्य-चंद्र आदि की प्रकाशमान दिव्यता प्रभावित करती है। सूर्य के प्रभाव में वनस्पतियां प्रकाश संश्लेषण करती हैं। चंद्रमा विराट ब्रह्मांड का मन है। लेखन प्रायः स्वअंतस की उथल-पुथल का परिणाम होता है। शंकराचार्य ऐसे ही अंतरराष्ट्रीय ख्याति के महान दार्थनिक थे। उनके व्यक्तित्व की थाह पाना बहुत कठिन है। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक एकता के लिए काम किया। विश्व चिंतन दर्शन में अनूठा हस्तक्षेप किया। सारी दुनिया में भारतीय धर्म दर्शन की पताका फहराई। वे लगातार चलते रहे। बोलते रहे और लगातार लिखते भी रहे। उनका लेखन प्रवचन आश्चर्यचकित करता है। मोटे तौर पर शंकराचार्य के लगभग 200 ग्रंथ बताए जाते हैं। विद्वानों का मत है कि परवर्ती शंकराचार्यों ने भी अनेक महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखे, लेकिन आदि शंकराचार्य के लेखन की अपनी तर्कपूर्ण शैली थी। उनकी लेखनी में चमत्कार था। डॉक्टर जयराम मिश्र ने आदि शंकराचार्य जीवन और दर्शन (पृष्ठ 216) में लिखा है, आदि शंकराचार्य द्वारा लिखित ग्रंथों को हम चार भागों में बांट सकते हैं। पहला भाष्य ग्रंथ, दूसरा स्तोत्र ग्रंथ, तीसरा प्रकरण ग्रंथ और चैथा तंत्र ग्रंथ। आचार्य के लिखे भाष्य ग्रंथों की दो श्रेणियां हैं। पहली प्रस्थानत्रयी का भाष्य और दूसरे अन्य ग्रंथों के भाष्य। प्रस्थानत्रयी में प्रस्थान का अर्थ मार्ग में गति है और त्रयी का अर्थ है तीन। प्रस्थान के तीन मार्ग बताए गए हैं। पहला ब्रह्मसूत्र, दूसरा स्मृति अर्थात भगवद्गीता, तीसरा उपनिषद। यही तीन मार्ग हैं। जयराम मिश्र ने बताया है कि, शंकराचार्य ने प्रस्थानत्रयी के तीनों मार्गों पर टीकाएं लिखी हैं। प्रस्थानत्रयी में ब्रह्मसूत्र भी आता है। शंकराचार्य के ब्रह्मसूत्र पर लिखे भाष्य को विद्वानों द्वारा सराहा गया है। आचार्य ने ब्रह्मसूत्र जैसी संक्षिप्त और जटिल रचना को बड़े सरल और तरल शैली में समझाया है। भाषा में प्रसाद है। वाचस्पति मिश्र प्रतिष्ठित विद्वान ने शंकर के भाष्य की सराहना की है। इसी तरह श्रीमद्भगवद्गीता के भाष्य में आचार्य शंकर ने गीता की निवृत्तिमूलक और ज्ञानपरक व्याख्या की है। उन्होंने इस भाष्य में यह सिद्ध करने की चेष्टा की है कि ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति केवल तत्वज्ञान से ही होती है, ज्ञान और कर्म के समुच्चय से नहीं। गीता पर अनेक भाष्य हैं, लेकिन इस भाष्य में उन्होंने कर्म के सिद्धान्तों का खंडन किया है। साहित्य समाज का दर्पण होता है। लेखक का शब्द देह होता है। समाज की महत्वाकांक्षा और स्वप्न साहित्य में ही प्रकट होते हैं। विश्व की सभी संस्कृतियों के इतिहास में लेखन और विचार अभिव्यक्ति का सम्मान रहा है। छापे खाने और लिपि के अविष्कार के बाद विश्व साहित्य के इतिहास में क्रांतिकारी परिवर्तन आए हैं। भारतीय संस्कृति अति प्राचीन है, इसलिए साहित्य भी अति प्राचीन है। यहां विपुल साहित्य का सृजन हुआ है। केवल ऋग्वेद में ही साढ़े दस हजार मंत्र हैं। महाभारत के कई संस्करण हैं। इसमें 90 हजार श्लोक बताए जाते हैं। वाल्मीकि की लिखी रामायण में लगभग 25 हजार श्लोक हैं। फिर ब्राह्मण आरण्यक भी वृहदाकार है। यहां बृहदारण्यक उपनिषद भी है। ऐसा समृद्ध साहित्य दुनिया की किसी भी संस्कृति में नहीं है। जीवन जगत रहस्यपूर्ण है। विराट अस्तित्व का बोध जटिल है। अनेक प्रश्न और जिज्ञासाएं हैं। भारतीय चिंतन में प्रायः सभी प्रश्नों पर विचार हुआ है। प्रश्न की बेचैनी बढ़ती रहती है, तो हम उत्तर पाने के लिए सक्रिय हो जाते हैं। मैं जिज्ञासु हूं। अच्छी बात है, लेकिन क्यों हूं जिज्ञासु, यह प्रश्न स्वयं के विवेचन या आत्मचिंतन से ही जुड़ा है। जान पड़ता है कि जिज्ञासा और प्रश्नाकुलता लेकर ही हम जन्मे हैं। महापुरुषों के लेखन में अनेक जिज्ञासाओं के समाधान हैं। सतत अध्ययन का विकल्प नहीं है। अमेरिकी भाषा विज्ञानी नोम चोम्सकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा वाले विद्वान ने अनेक ग्रंथ लिखे हैं। इनमें अमेरिकी समाज के मूल्यों में गिरावट का वर्णन है। पुस्तकों से चोम्सकी की मानसिक बौद्धिक उथल-पुथल का सहज अनुमान संभव है। कुछ आधारभूत प्रश्न हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनके बलिदान दिवस पर कोटि-कोटि नमन। उन्होंने देश की अखंडता को अक्षुण्ण रखने के लिए अतुलनीय साहस और पुरुषार्थ का परिचय दिया। राष्ट्र निर्माण में उनका अमूल्य योगदान हमेशा श्रद्धापूर्वक याद किया जाएगा।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

ओजस्वी वक्ता, लोकप्रिय जननेता कर्नाटक केसरी जगन्नाथ राव जोशी जी की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन। जगन्नाथ राव जोशी जी ने गोवा मुक्ति आंदोलन के माध्यम से गोवा को भारत का अभिन्न अंग बनाने हेतु कठोर संघर्ष किया। संघ से लेकर जनसंघ और भाजपा तक अपनी सादगी और मातृभूमि के प्रति अटूट निष्ठा के लिए प्रसिद्ध जोशी जी ने युवाओं को चरित्र निर्माण व मातृभूमि के स्वाभिमान के लिए हमेशा प्रेरित किया। जगन्नाथ राव जोशी जी के आदर्श राष्ट्रप्रेम को जीवन का मूलमंत्र बनाने वालों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

(अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व केंद्रीय मंत्री, वीरभद्र सिंह जी की जयंती पर सादर श्रद्धांजलि। जन सेवा के प्रति उनका समर्पण, हिमाचल के लोगों के जीवन में बदलाव वाले उनके योगदान और कांग्रेस पार्टी के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को हम हमेशा याद रखेंगे।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

चारधाम यात्रा में मौत के उड़नखटोले

उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में 15 जून को तड़के एक हेलीकॉप्टर (उड़नखटोला) फिर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हेलीकॉप्टर में पायलट समेत 7 लोग सवार थे, जिनमें एक 2 वर्ष का बच्चा भी था। इन सभी की मौके पर ही मौत हो गई है। खराब मौसम के कारण यह हादसा गौरीकुंड और त्रिजुगीनारायण के मध्य गौरीकुंड के जंगलों के ऊपर हुआ। सुबह लगभग साढ़े पांच बजे हेलीकॉप्टर ने केदारनाथ से गुप्तकाशी के लिए उड़ान भरी और अचानक यह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। खराब मौसम के कारण दृश्यता कम होने की वजह से इस हादसे का होना माना जा रहा है। तत्काल राहत और बचाव दल भेजे गए। रास्ते में मौसम खराब होने के कारण अन्य स्थान पर हार्ड लैंडिंग करने से हेलीकाप्टर क्षतिग्रस्त हुआ है। इसी जून के पहले सप्ताह में भी एक हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी के कारण उसकी बीच सड़क पर इमरजेंसी लैंड कराना पड़ा था। यह हेलीकॉप्टर केदारनाथ धाम यात्रियों को लेकर जा रहा था। हेलीकॉप्?टर में पांच यात्री, पायलट और सह-पायलट सवार थे। इस दौरान सह-पायलट को मामूली चोटें आई थीं। यह हेलिकॉप्टर बड़ासु हेलीपैड से उड़ान भरने के तुरंत बाद आपातकालीन लैंडिंग करने पर मजबूर हुआ था। इस साल मई में केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के बाद से छह सप्ताह में यह पांचवां हेलिकॉप्टर हादसा है। उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर सेवा से केदारनाथ धाम में यात्रा करने वालों की संख्या हर साल लगभग 90 हजार से एक लाख श्रद्धालुओं की है। प्रतिदिन लगभग 1500 श्रद्धालु हेलीकॉप्टर से केदारनाथ दर्शन के लिए पहुंचते हैं, लेकिन मौजूदा समय में हेलीकॉप्टर की उड़ान कम होने और कुछ एजेंसियों को सस्पेंड किए जाने के बाद टिकट रद्द भी किए जा रहे हैं। टिकट रद्द के बाद श्रद्धालुओं को उनके पैसे वापस करने होंगे। अपनी व्यवस्थाओं से चारधाम यात्रा पर आ रहे श्रद्धालुओं में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं को लेकर मायूसी है। उत्तराखंड सरकार ने 15 जून के इस हादसे के बाद उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर सेवाओं को अनिश्चितकाल के लिए रोक दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर मुख्य सचिव इन दुर्घटनाओं को लेकर बैठक भी कर रहे है। उत्तराखंड में 7 जून को 253 हेलीकॉप्टर शटल सेवा चली, जिसमें 1404 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ तक का सफर तय किया। 8 जून को 208 हेलीकॉप्टर शटल सेवा चली, जिसमें 1161 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ तक का सफर तय किया। 9 जून को हेलीकॉप्टर 186 शटल सेवा चली, जिसमें 1043 भक्तों ने बैठकर केदारनाथ के दर्शन किए। 10 जून को मात्र 143 उड़ान केदारनाथ के लिए भरी गई। इसमें 741 श्रद्धालुओं ने सफर किया। 11 जून व 12 जून को केदारनाथ धाम में मौसम खराब होने के कारण कुछ ही हेलीकॉप्टर सुबह उड़ पाए। वास्तविकता यह है कि हेलीकॉप्टर उड़ान के दौरान अब इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा कि कहीं अत्यधिक वजन ढोने, कम निचाई पर हेलीकॉप्टर की उड़ान और एक के बाद एक उड़ान भरने के साथ-साथ दूसरी कोई लापरवाही तो नहीं बरती जा रही है। हेलीकॉप्टर के इंजन को आराम मिल सके, साथ ही पायलट को भी बीच में अच्छा खासा ब्रेक मिले, इस बात को भी सुनिश्चित किया जाना जरूरी है। उत्तराखंड चारधाम यात्रा के दौरान पिछले दिनों हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं के बाद डीजीसीए ने हेली संचालन से संबंधित कुछ पाबंदी लगाई हैं। चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या हर साल बढ़ रही है। चारधाम यात्रा में खासकर केदारनाथ धाम में हेली सर्विस के माध्यम से लगातार श्रद्धालु केदारनाथ के दर्शन कर रहे हैं। हेलीकॉप्टर का सबसे ज्यादा संचालन केदारनाथ धाम के लिए ही हो रहा है। लेकिन हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं में इजाफा होने से सरकार और श्रद्धालु दोनों चिंतित है। बीती 8 मई 2025 को उत्तरकाशी के गंगनानी के पास हेलीकॉप्टर क्रैश में 6 लोगों की मौत हुई।

कोई बंधन नहीं

अभिनेता कमल हासन की मुख्य भूमिका वाली फिल्म ठग लाइफ की कर्नाटक में स्क्रीनिंग सुनिश्चित करते हुए भारत के सुप्रीम कोर्ट ने साफ लहजे में अभिव्यक्ति की आजादी के एक मूलभूत सिद्धांत पर जोर दिया कि प्रमाणित फिल्मों को विरोध-प्रदर्शनों या भावनाओं को ठेस पहुंचाने के नाम पर नहीं रोका जा सकता। एक प्री-लॉन्च कार्यक्रम में हासन ने टिप्पणी की कि कन्नड़ का जन्म तमिल से हुआ (यह तथ्यात्मक रूप से गलत है, क्योंकि दोनों भाषाएं एक ही आदि-द्रविड़ पूर्वज को साझा करने के लिए जानी जाती हैं)। इसके बाद उनकी फिल्म ने कर्नाटक में एक न्यायेतर प्रतिबंध का सामना किया है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने उन्हें माफी मांगने का सुझाव दिया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश हाईकोर्ट द्वारा अपनाए गए इस नैतिक दृष्टिकोण को अस्वीकार करते हैं और निर्धारित प्रक्रिया के संरक्षक के रूप में न्यायपालिका की भूमिका को केंद्र में लाते हैं। सीबीएफसी द्वारा फिल्म को प्रमाणित किए जाने के बाद उसकी रिलीज पर कोई बंधन नहीं होना चाहिए और इस लिहाज से न्यायेतर प्रतिबंध ने कानून के शासन का उल्लंघन किया। फिल्म प्रमाणन ढांचे को, जो सिनेमैटोग्राफ अधिनियम 1952 और इसके नियमों से संचालित होता है, सृजनात्मकता की रक्षा के लिए डिजाइन किया गया है, साथ ही उसे संवैधानिक रूप से अनिवार्य अभिव्यक्ति की आजादी और उस पर लागू वाजिब पाबंदियों के बीच संतुलन बनाना होता है। ऐसा करने की जिम्मेदारी सिर्फ सीबीएफसी को दी गई है, जो इन कानूनी मानकों के अनुरूप फिल्मों को परखने की व्यवस्था से लैस है। फिल्म की रिलीज बाधित करने के लिए भावनाओं को ठेस का दावा करने वाले संरचनाविहीन समूहों की इसमें कोई भूमिका नहीं है। ऐसे दावों के आगे झुकने से अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का उल्लंघन होने तथा अभिनेताओं, कलाकारों, तकनीशियनों और कामगारों की आजीविका को नुकसान पहुंचने का खतरा है। शीर्ष अदालत ने न्यायेतर प्रतिबंधों को फिल्म-निमार्ताओं के बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी के संविधान प्रदत्त अधिकार का सीधा उल्लंघन कहा है, जो बिल्कुल उचित है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

If Cost of death escalates, will the State invest in keeping its citizens alive

The tragic air accident in Ahmedabad involving the Air India flight has shocked the world. Air travel is one of the safest modes of transport, and when such a tragedy occurs, it is heartbreaking. Although nothing can compensate for the loss of life of the dear ones, Air India's parent company, Tata, has announced a compensation of `1 crore for the families of the victims. Though this may appear generous, under the international Montreal Convention, the airline is liable to pay a compensation amounting to 1,51,880 Special Drawing Rights (SDRs) per deceased passenger. This translates to approximately Rs 1.8 crore at the current exchange rates to the next of kin. It is unclear whether the Tata offer is in addition to the mandatory payment of Rs 1.8 crore as per law.

A few days before the tragic air accident, some passengers of Mumbai's infamous local trains fell off the overcrowded compartments and died. These were daily commuters struggling to make a living in one of the world's most prosperous cities. The Maharashtra government promptly announced a compensation of Rs 5 lakhs. Railways have remained silent so far, but as per the Railways Act of 1989, the Railways are bound to give a compensation of Rs 8 lakh. For this, the kin of the victim will have to file a claim with the Railway Claims Tribunal, and the compensation may take many years to be fruitful, if at all. On an average, the passengers in an international flights are wealthier than an average commuter in a Mumbai local. The disparity in compensation between the two sets of victims is glaring. All lives are equal, but some lives are more equal in our society.Life is so cheap in India. The victory celebration of the IPL champions claimed many lives in Bengaluru a few weeks ago. Many died in a stampede in Kumbh Mela; we don't even know how many actually died there. The accident in Mumbai local that claimed five lives are in headlines only because they happened together in one tragic accident. It is estimated that on an average seven people die every day in accidents related to Mumbai local. That is around three thousand victims a year. To put things in perspective, total number of terror victims in India last year was 87, including the terrorists killed. In other words, commuting to office or college in a Mumbai local is more dangerous than living in a terror-prone area.

If trains are death traps, then Indian roads are veritable killing fields. Potholes—those innocuous-looking craters that pockmark our streets—claim a staggering 2,342 lives annually. And those are merely the documented cases. One can only imagine the grim statistics lurking in the shadows of administrative indifference.

The irony is palpable. While Air India passengers' families receive crores in compensation and Mumbai local victims' kin fight for their meager lakhs, the families of those who perish in pothole-related accidents often receive nothing but condolences—if they're lucky enough to get even that.What's particularly galling is the absolute absence of accountability. When a plane crashes, aviation authorities scramble into action. Investigations commence, heads roll, systems are overhauled. When pothole deaths occur? Crickets chirp in the halls of municipal corporations. The maintenance engineers who signed off on substandard road work continue drawing their salaries. The contractors who used sand instead of cement in their mixtures secure the next tender with a knowing smile and a well-placed bribe.

Why aren't these negligent engineers cooling their heels in prison cells? Why aren't the contractors facing manslaughter charges? A pothole isn't an act of God—it's the physical manifestation of human corruption and callousness. Yet somehow, when a motorcycle swerves to avoid one such crater and collides with an oncoming truck, it's classified as a "tragic accident" rather than what it truly is: institutional homicide.

Mainland autonomy requires oceanic depth

The regulatory framework for Indian universities in India requires more autonomy which may be given to the top 100 NIRF universities to begin with

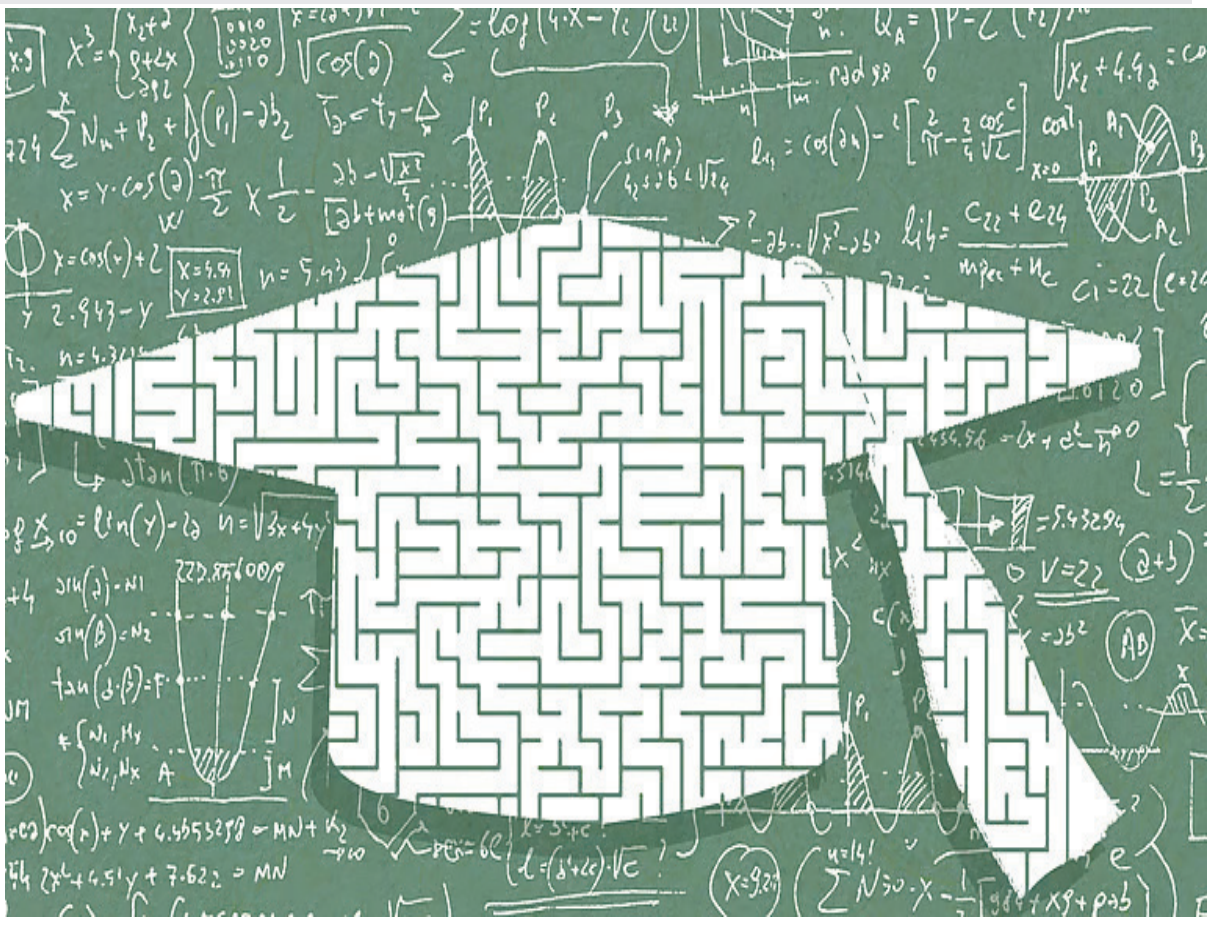

The triple cities—GIFT, Delhi and Mumbai have taken the initial lead to bring home foreign university campuses in India with more upscale metros getting ready. Foreign university campuses easing its way to India raises a million-dollar question—when will Indian universities operate in foreign style in India? With Trump's MAGA assault on American universities turning out to be a recipe of uncertainty and academic chaos, the global mobility of students finding alternate routes to various other foreign destination and India's growth story continuing to get stronger, this converging trifecta offers hope for the Indian university ecosystem to charter a homegrown pathway for excellence.The geopolitical turbulence including the polarised immigration policy for Chinese students in American universities and India's rise in the global student mobility chart is all set to fire this double-barrelled gun with domestic policy ammunition. Some Indo-American-Chinese points to navigate before we close with a policy recommendation.The federal financial freeze to premier American Universities like Harvard, Columbia, etc. has sent ripples in the research waters of American academia. Harvard President Alan Garber's undeterred counter is also equally resistive considering Harvard's robust balance sheet.

The 2024 year ending financials for Harvard University saw rise in revenue and expenses (rate of expense rise more than revenue) with dominant source of operating revenue (USD 6.5 billion) coming from endowment income (32 per cent) and dominant expense towards people expenses (USD 3.3 billion) being 52 per cent of the total opex. With a fat and growing endowment of USD 53.2 billion (increased by USD 2 billion during 2024), Harvard can deftly manage Trump's policy shrug.

But the optics is more important. Same is the case with major universities like Columbia, Yale, University of Southern California, Princeton, etc. which a war-chest endowment and non-excessive reliance of tuition fee-based revenue. The Harvard University's degree seeking tuition fee revenue is only 12 per cent of its total revenue and the share of foreign students in 28 per cent. Similar figures apply to other globally popular and elite universities of US who have financial shock absorbers to manage diminishing enrolment of foreign students and are capable of attracting domestic students who otherwise would have studied in tier 2 or 3 universities.

Such universities will now orchestrate more promotional road shows in their promising markets of China, India, Indonesia, Africas, Philippines, etc.AdvertisementThe Chinese reaction to the American immigration fracas has strategic undercurrents with a view to not only create alternate models but also emerge as a global education hub. I have previously written on the Chinese build-up towards building world class universities through state facilitated policies with a long-term plan. The size and speed at which they are advancing is shaking certain fundamentals of the game.

The 'haigui' (sea-turtles) as the foreign educated returning Chinese are called, have been instrumental in building the science and engineering education in many universities like Tsinghua and Peking comparable to America. Some Chinese are looking at Singapore, Hong Kong, Japan, etc. as alternate geographies besides the increasing others who want to develop Chinese University using this turbulence as an opportunity. The Chinese government cannot change what America is doing but certainly is changing what it can do.The Indian side of the foreign landscape is a mixed bag. Surpassing China in terms of growth rate last year, China still retaining the top status of sending the largest number of Chinese to top five destinations—the US, UK, Canada, Australia and France, India is second to China in absolute numbers. India also seems to find an alternate growing interest in Australia, EU, Japan, etc. but needs more efforts to build the native Indian university ecosystem with a foreign touch.Though India and China have invested roughly the same in education (averaging 4.1 per cent to 4.6 per cent of GDP), the Chinese per capita investment is five times more that of India. The lucrative research grants and the magnetic incentives luring back overseas Chinese to China are the double engines of university reforms in China besides revitalising its university autonomy.

The UGC Regulations for establishing foreign university campuses in India is a route for foreign universities taking the Pacific or Atlantic or Arabian Sea route to enter India with an oceanic depth in autonomy. The global academic freedom index is a pointer for more university autonomy in India. The regulatory framework for Indian universities in India requires more autonomy which may be given to the top 100 NIRF universities to begin with. There will be marginal collateral damage but it is worth the effort as mainland institutional autonomy requires the oceanic depth that others enjoy. Is anybody listening?

Infra lending norms should raise spending closer to the government

Following the pile-up of bad loans that resulted in a twin balance sheet problem, India's infrastructure sector has been grappling with massive delays and cost overruns

Lending months of hand-wringing, the RBI has finally rolled out the regulatory framework for lending towards infrastructure projects. The proposed norms, applicable from October, will replace multiple circulars, standardise the treatment of project loans across sectors, and align norms for commercial banks, non-banking financiers and cooperative banks. The biggest breakthrough is the relaxed provisioning requirements, which are applicable only on new project loans, while the existing exposures will stay under the current prudential provisioning framework. As a result, banks' profitability would remain unaffected. The norms, which are also RBI's first attempt to provide a comprehensive regulatory framework for project financing in India, strikes a balanced approach to infrastructure lending. The proposals are part of a broader wave of banking regulations; alongside the repo rate cuts and liquidity-boosting measures, they should help revive overall credit growth.Banks were worried when the RBI first released the draft guidelines in May 2024, advocating the provisioning of 5 percent during the project's construction phase, 2.5 percent during the operational phase, and further down to 1 percent once the

project starts generating sufficient cash flows. The Indian Banking Association is reported to have appealed against the proposed norms, suggesting instead an initial provisioning of 1-2 percent, a modest increase over the existing 0.4 percent. Heeding to their concerns, the RBI offered a relief keeping the provisioning requirement to 1 percent, which should aid in meaningfully improving the lending and borrowing appetite.Following the pile-up of bad loans that resulted in a twin balance sheet problem, India's infrastructure sector has been grappling with massive delays and cost overruns. According to official data, about 800 out of the Union government's 1,800 ongoing projects valued at over ?150 crore each were behind schedule in April 2024. Notwithstanding the efforts, infrastructure expenditure remains far below the required rate of ?20 lakh crore a year under the National Infrastructure Pipeline. To succeed as the world's third largest economy, we need collective efforts between the government, private sector and financial institutions to carefully execute infrastructure projects, which are often complex and have long gestation periods. Infrastructure is one of the key pillars of economic growth and essential for mass job creation, besides boosting the manufacturing sector. The government should also undertake reforms to prevent project delays and facilitate access to credit.

A minute may last a lifetime

Cherish the one minute you have. Because in them lies the power to connect, to reflect, and perhaps, if grace allows, to awaken

A minute. That's all it takes. One minute. Much more than just 60 fleeting seconds. It's almost unimaginable, isn't it? How something so brief can change everything. One moment, you're fastening your seat belt, and the next, you're re-evaluating your entire existence on a crashing aircraft. It's as if time itself has a sense of irony—dark, twisted, and utterly mind-numbing.

The recent crash of Air India Flight AI 171 over Ahmedabad was one such moment. A routine flight turned catastrophic—not over hours or even minutes, but in a mere 32 seconds. In under a minute, nearly 300 lives were changed or lost. And with them, a ripple of grief swept through a nation that watched, helpless, as the news unfolded on TV screens and mobile phones.In the unyielding march of time, a single minute often passes unnoticed. Yet, within that fleeting span, life can pivot, transforming from the mundane to the profound. This transient moment, so easily overlooked, underscores the fragile illusion of control we hold over our existence.Take Newton, for instance. The man was sitting under an apple tree, minding his own business, when an apple fell on his head. And apparently just like that, gravity was discovered. One minute, he's enjoying the shade; the next, he's rewriting the laws of physics. Talk about a freak day.Then there's Archimedes, who was relaxing in his bath when he noticed the water level rise as he got in. Eureka! he shouted. In that moment, Archimedes had an epiphany that led to the principle of buoyancy. All it took was a bath and a bit of water displacement.And let's not forget Patanjali, who didn't need apples or baths. His moment of clarity came when he achieved mental stillness. In that stillness, he found the foundations

of yogic wisdom. No fruit, no water, just a quiet mind. If only it were that simple.In the Vedic tradition, the momentous minutes called 'Muhurta' is derived from two Sanskrit roots: 'Muh' meaning 'moment' or 'immediate' and 'Rta' meaning 'order' or 'cosmic law'. 'Muhurta' is considered crucial for the success and prosperity of various activities, such as weddings, housewarmings, starting a new business, or embarking on significant journeys. A 'muhurta' is a momentous moment that carries the cumulative effect of millions of space-time events, expressing the cosmic order.Tragedies like the crash of AI 171 confront us with minute's deep intensity. But they also deepen our reverence for life and for the fleeting nature of awareness. The same fraction of time that brings upheaval can also bring understanding. For perception—that quiet inner compass—often shifts not over years, but in sudden flashes. They're reminders that clarity often comes unannounced—in a second's whisper, a sigh, a moment of silence.We often believe wisdom is earned only after a long struggle. But sometimes, all it takes is a shift in how we see the world. The world remains the same, but the eyes that see it are transformed. In this light, time becomes a curious thing. A minute may represent a lifetime. And a lifetime may pass without a single minute's insight.If we must take anything from such heart-breaking moments, let it be this: Cherish the one minute you have. Because in them lies the power to connect, to reflect, and perhaps, if grace allows, to awaken.

Will Iran close Hormuz Strait What it means for oil prices in India and world

The Strait of Hormuz is a narrow waterway connecting the Persian Gulf with the Arabian Sea. It is one of the most important oil transport routes in the world. Nearly 20% of all global crude oil passes through this strait.

New Delhi. Oil prices jumped to a five-month high after Iran's Parliament approved a proposal to close the Strait of Hormuz. The final decision, however, rests with the country's Supreme National Security Council.The proposal comes shortly after the United States carried out major airstrikes on Iran's key nuclear facilities over the weekend, raising tensions in the region and leading to fears of a possible disruption to global oil supplies.The Strait of Hormu is a narrow waterway connecting the Persian Gulf with the Arabian Sea. It is one of the most important oil transport routes in the world. Nearly 20% of all global crude oil passes through this strait.Any disruption to this route could cause a sharp rise in oil prices and affect countries across the world, especially those that depend heavily on oil imports like India.

Two supertankers, Coswisdom Lake and South Loyalty, made sudden U-turns while passing through the strait after the recent US strikes, reported Bloomberg. Though such movement could be part of normal shipping behaviour, it underlines growing concerns in the shipping industry about the safety of vessels in the area.

There is currently no sea route alternative to the Strait of Hormuz. Countries like Saudi Arabia and the UAE do have oil pipelines that bypass the strait, but their combined capacity of around 6.8 million barrels per day is far less than the 20 million barrels

that move through Hormuz daily.

HOW COULD IT AFFECT OIL PRICES?

If Iran does go ahead and block the Strait of Hormuz, oil prices could spike globally. Brent crude, which already rose on Monday, could see much sharper gains. According to a report by Goldman Sachs, if the flow of oil through the Strait is reduced by half for a month and remains down by 10% for another 11 months, Brent could briefly peak at around $110 per barrel.In a more moderate scenario, where Iranian oil supply drops by 1.75 million barrels per day, Brent could reach a high of $90 per barrel, then ease to around $60-70 by 2026 as supply stabilises.The bank also said, "While the events in the Middle East remain fluid, we think that the economic incentives, including for the US and China, to try to prevent a sustained and very large disruption of the Strait of Hormuz would be strong."

IMPACT ON INDIA

For India, a country that imports over 80% of its crude oil needs, any rise in oil prices is a matter of concern. Higher oil prices mean higher fuel costs, which can lead to inflation. It also puts pressure on the government's budget, as subsidies rise and the import bill becomes more expensive.

Debt disguised as achievement: Financial expert on India's deepening EMI trap

New Delhi. A chartered financial analyst recently sparked a conversation online with a LinkedIn post about the silent financial stress many working professionals live with in India—the burden of EMIs.

In his post, Sanjay Kathuria, CFA, explains how common financial milestones like buying a new car, upgrading a phone, or booking a vacation are now synonymous with debt.Not because people can't afford them, but because the default payment method is often an EMI."You get the new car — EMI. You upgrade your phone — EMI. You book the vacation — EMI. You buy the house — 25-year EMI," he wrote, adding that this pattern is widely mistaken for success. "On the outside, you look like you've made it. On the inside, you're stressed every 1st of the month."

THE EMI TRAP

He calls it "the EMI trap," a cycle where rising income is immediately consumed by rising expenses, leaving little room for savings, risk-taking, or even personal freedom. "You're working to maintain, not grow. You can't take risks, pivot careers, or say no," Kathuria said.At the heart of his message is a call for financial self-awareness. He warns that locking future income into EMIs limits not just flexibility, but peace of mind. "The bank owns more of your future than you do," he writes.According to Kathuria, the issue is cultural as much as financial. While people are quick to sign up for instalments, few think about the cost of lost agility — from delayed freedom to reduced ability to handle emergencies or life pivots.

Indian markets open sharply lower amid US-Iran tensions

CHENNAI. Indian markets opened deep in the red on fresh geopolitical nerves and a crude-driven cost-push inflation outlook. With elevated risk aversion and economic uncertainty, investors are steering into safe assets, while traditional support levels are being tested.Sensex slumped 645?points to 81,762.8 or 0.78% in early trade (9:20?AM IST) Nifty 50 dropped 189?points to 24,923.3 or 0.75%.

The investor sentimnt was weighed down by the US airstrike on three Iranian nuclear sites over the weekend (Operation Midnight Hammer), heightening Middle East tensions. Asia ex-Japan markets fell over 1% and crude oil hit five-month highs, intensifying concerns over inflation and global growth.All 13 major Nifty sectors were in the red, while mid-cap and small-cap indices also declined ~0.6% each Investors rotated into safe havens—gold, USD, US Treasuries—while oil surged, stoking fears of rising inflation and dampened Fed rate-cut timelinesGIFT Nifty futures pointed to a 150?point gap-down in the opening.

Weekly inflowsMarkets had rebounded about 1.6% last week—may be offset by fresh geopolitical jitters and cautious stance from foreign institutional investors

A sudden sell-off in Accenture also impacted global IT sector sentiment, spilling over to Indian IT names.

Analysts believe that the immediate resistance for Sensex is likely around 82,000, while support hovers near the 81,500–81,700 zone.Nifty support sits near 24,900; resistance around 25,000–25,100. Crude prices (trading at approximately 5-month highs), the Rupee, FII flow, and further developments from Iran in the coming hours, will set the direction for remaining trade. Investors keep a close eye on oil volatility, FII flow status, and any response from Iran for the next directional cues.

Bitcoin could hit $1 million per coin by 2030: 'Rich Dad Poor Dad' author

New Delhi.Robert Kiyosaki, author of the best-selling personal finance book 'Rich Dad Poor Dad', has backed Bitcoin to exponentially rise in the future. Making a bold prediction, Kiyosaki projected Bitcoin could hit $1 million per coin by 2030.Shared his long-standing investment philosophy, the author advised investors to focus on asset accumulation over short-term price movements."PRICE vs QUANTITY

Poor people focus on price.I do not care much about the spot price of gold or silver.I do care about how many ounces of gold and silver I control.The same with Bitcoin. While I watch the price of Bitcoin I focus on how many Bitcoin I own.I started buying Bitcoin at $6000 an ounce. I bought all I could. I wish I had more fake money to buy more Bitcoin.In 2030 the probability is Bitcoin will be $1 million a coin.While price is important….the rich will still be those with the most Bitcoin.How many ounces of gold and silver and Bitcoin do you own?The quantity you own is more important for your future than the prices.Fake money is fucked.Take care." Robert Kiyosaki wrote in a recent post on X.Kiyosaki regretted not being able to purchase bitcoin in large quantities when he first invested in the particular crypto currency. The famous author bought Bitcoin when it was priced at $6,000. At that time, he bought as much bitcoin as he could.Robert Kiyosaki In his post advocated for investments in solid assets like bitcoin, gold and silver. He said if an individual invests with a long time approach, then there is no need to worry about the prices going up and down on a daily basis.

Rs 6 lakh in taxes on a Rs 13 lakh car CA reveals the hidden cost

Upgrading or buying a new car used to be a moment of joy for many middle-class families, but today, it's overshadowed by the heavy financial pressure it brings.

New Delhi. Buying a car in India has become a costly affair. It's not just about the price tag you see at the showroom, the taxes will leave you stunned. A LinkedIn post by chartered accountant, Arvind C Thomas, is going viral for revealing how much of a car's price actually goes and the numbers are hard to ignore.

In his post, Thomas broke down the bill of a Hyundai Creta top model car worth Rs 12.91 lakh and found that nearly Rs 6 lakh of it was just taxes. That's almost half the total cost. His post has struck a chord with many middle-class buyers who feel the pinch of hidden costs that make car ownership harder than ever.

He wrote, "I recently came across an invoice for a Hyundai Creta (top variant) and this is what caught my eye: Actual cost of the car: Rs 12.91 lakhs, discount: Rs 11,000 and taxable amount: Rs 12.80 lakhs."Thomas's

breakdown revealed the extent of taxation, which includes a 28% Goods and Services Tax (GST) amounting to Rs 3.58 lakh, a 17% Compensation Cess of Rs 2.17 lakh, and a 1% Tax Collected at Source (TCS) charge of Rs 18,573. However, this amount does not include road tax, registration charges, insurance, or future fuel costs, he added.

NEW CAR, HEFTY TAXES: WHO REALLY BENEFITS?

Thomas in his post, raised a question, "Are we buying a car or just helping the government fill its coffers?" He pointed out that such high taxes turn a basic need like a car into a luxury item. For many middle-class families, upgrading or buying a new car now feels like a huge financial burden.

"With taxes this high, upgrading a vehicle feels more like a luxury than a necessity," he wrote. "The middle class keeps paying silently, and no one bats an eye. Maybe it's time we start talking about this," he concluded.

Asian shares slip after US strike on Iran nuclear sites, oil price surge

NEW YORK. The price of oil rose and US stock futures fell as global markets react to the US strike against nuclear targets in Iran.The price of Brent crude oil, the international standard, rose 2.6% to $79 a barrel. U.S. crude rose 2.6% to $75.76 a barrel.On Saturday, US forces attacked three Iranian nuclear and military sites, further increasing the stakes in the war between Israel and Iran.Futures for the S&P 500 and the Dow Jones Industrial Average slipped 0.4%, while Nasdaq futures fell 0.5%. Treasury yields were little changed. The modest moves indicate markets are taking the latest development in stride.That was evident in early Asian trading. Tokyo's Nikkei 225 index fell 0.6%. Other major regional markets also logged moderate declines.

The conflict, which began with an Israeli attack against Iran on June 13, has sent oil prices yo-yoing, which has in turn caused see-saw moves for the U.S. stock market, because of rising and ebbing fears that the war could disrupt the global flow of crude. Iran is a major producer of oil and also sits on the narrow Strait of Hormuz, through which much of the world's crude passes."The situation remains highly fluid, and much hinges on whether Tehran opts for a restrained reaction or a more aggressive course of action," Kristian Kerr, head of macro strategy at LPL Financial in Charlotte, North Carolina, said in a commentary.An Iran retaliation that included closing off the waterway would be technically difficult to pull off but traders are afraid Iran could severely disrupt transit through it, sending insurance rates spiking and making shippers nervous to move without U.S. Navy escortsSome analysts think Iran is unlikely to close down the waterway because the country uses it to transport its own crude, mostly to China, and oil is a major revenue source for the regime."It's a scorched earth possibility, a Sherman-burning-Atlanta move," said Tom Kloza, chief market analyst at Turner Mason & Co. "It's not probable."Kloza thinks oil futures will ease back down after initial fears blow over.Ed Yardeni, a long-time analyst, agreed, writing in a report that Tehran leaders would likely hold back."They aren't crazy," he wrote in a note to investors Sunday. "The price of oil should fall and stock markets around the world should climb higher."

Other experts aren't so sure.

Andy Lipow, a Houston analyst covering oil markets for 45 years, said countries are not always rational actors and that he wouldn't be surprised if Tehran lashed out for political or emotional reasons.

Would you hail a 'robotaxi'? Musk bets cabs will give Tesla a lift after boycotts and sales plunge

NEW YORK. Elon Musk promised in 2019 that driverless Tesla "robotaxis" would be on the road "next year," but it didn't happen. A year later, he promised to deliver them the next year, but that didn't happen either.Despite the empty pledges the promises kept coming. Last year in January, Musk said, "Next year for sure, we'll have over a million robotaxis."

Would you settle for 10 or 12?

Musk appears to be on the verge of making his robotaxi vision a reality with a test run of a small squad of self-driving cabs in Austin, Texas, that began Sunday. Reaching a million may take a year or more, however, although the billionaire should be able to expand the service this year if the Austin demo is a success.The stakes couldn't be higher, nor the challenges.While Musk was making those "next year" promises, rival Waymo was busy deploying driverless taxis in Los Angeles, San Diego, Austin and other cities by using a different technology that allowed it to get to market faster. It just completed its 10 millionth paid ride.Boycotts related to Musk's politics have tanked Tesla's sales. Rival electric vehicle makers with newly competitive models have stolen market share. And investors are on edge after a $150 billion stock wipeout when Musk picked a social media fight with a U.S. president overseeing federal car regulators who could make the robotaxi rollout much more difficult. The stock has recovered somewhat after Musk said he regretted some of his remarks.Tesla shareholders have stood by Musk over the years because he's defied the odds by building a successful standalone electric vehicle company — self-driving car promises aside — and making them a lot of money in the process. A decade ago, Tesla shares traded for around $18. The shares closed Friday at $322.

Musk seemed jubilant Sunday morning, posting on X, "The @Tesla_AI robotaxi launch begins in Austin this afternoon with customers paying a $4.20 flat fee!"The test is beginning modestly enough. Tesla is remotely monitoring the vehicles and putting a person in the passenger seat in case of trouble. The number of Teslas deployed will also be small — just 10 or 12 vehicles — and will only pick up passengers in a limited, geofenced area.Musk has vowed that the service will quickly spread to other cities, eventually reaching hundreds of thousands if not a million vehicles next year.Some Musk watchers on Wall Street are skeptical."How quickly can he expand the fleet?" asks Garrett Nelson, an analyst at CFRA.

Explained: Why many low-income Indian households still rely on moneylenders

Despite rising financial access, millions of Indian households still rely on informal loans. Gaps in formal credit, especially for low-income and self-employed borrowers, keep moneylenders relevant and often unavoidable.

New Delhi. India's financial inclusion story has moved forward in many ways over the past decade. More people have bank accounts, digital payments are part of daily life, and fintech has made financial services easier to access. But for many low- and middle-income households, especially those earning under Rs 5 lakh a year, borrowing money remains a challenge. When cash runs short, they still turn to the local moneylender, the nearby shopkeeper, or friends and family.Formal banking may have reached their neighbourhoods, but formal credit hasn't. A new report from Piramal Enterprises, based on CMIE's Consumer Pyramid Household Survey, brings this gap into focus. The report, authored by Debopam Chaudhuri, Chief Economist, Piramal Enterprises, shows that while access to the banking system has grown, access to credit remains uneven and out of reach for many.

Among low-income households, informal loans are still far more common than formal ones. In 2021, these households borrowed 2.6 times more from informal sources than from banks or NBFCs. For comparison, that ratio is 0.6 in Brazil and just 0.27 in the US.INFORMAL LOANS ON THE RISEThings look even more worrying for those at the bottom of the income ladder. Households earning under Rs 2 lakh a year saw formal borrowing fall by over 4% a year between FY19 and FY23. Informal borrowing in the same group grew by almost 6% each year.

Even in the Rs 2–10 lakh range, more households are turning to both formal and informal credit. In other words, banks aren't replacing moneylenders; they're just another option, often not the first.

What explains this persistent pull of the informal credit system?One big reason is that many borrowers simply don't fit into the banking system's boxes. They don't

have stable jobs, payslips, or a strong credit history.

When the pandemic hit, reverse migration increased the number of people in agricultural and informal work — jobs that banks view as risky. These workers needed credit, but banks stepped back. Informal lenders moved in, as they always have.The problem is that borrowing informally often comes with steep costs. Interest rates are high, there are no clear rules, and if things go wrong, there's little protection. It can trap families in cycles of debt that are hard to escape.Geography also plays a role. Southern states like Kerala, Tamil Nadu and Karnataka have higher levels of formal borrowing, partly due to the popularity of gold loans and wider fintech use. But in states like Bihar, Jharkhand and West Bengal, more than half of all households still depend on informal sources. Even Punjab, which traditionally had a more stable credit profile, is now seeing a shift towards informal loans.Occupation matters too. Daily-wage workers are among the most excluded. Over 55% of households in this group rely on informal loans, as banks tend to see them as too risky. The same is true for many self-employed people, especially those running small businesses. Banks often hesitate to lend to them. As a result, more of these households depend on non-institutional credit.On the other hand, salaried professionals and industrial workers have seen better access to formal loans, especially with the rise of digital lending platforms..

Knives out for kulfi, cash, phone: Trio robs Delhi ice cream parlour; robbers flee

Agency New Delhi.

NEW DELHI: Three unidentified masked men looted an ice cream parlour in Delhi's Keshavpuram area, escaping with cash, mobile phones, and several packets of ice cream and kulfi, police said on Sunday.

The robbery took place around 11pm on Saturday at a shop on Talab Road.

According to police, the incident was captured on CCTV, and multiple teams have been formed to identify and apprehend the accused.

"Two men were holding knives and wearing face masks. They came on a motorcycle and barged into our parlour. They threatened us, forcing my brother to sit in a corner while one was guarding, another looted everything -- cash, mobile phones and ice creams," said Narender, the owner of ice cream parlour.

CCTV footage from the scene shows the trio stuffing bags with frozen items within seconds before escaping on the same motorcycle.

The footage is under review, and efforts are under way to identify the accused. The shop owner estimated the total loss, including stolen stock, at Rs 50,000 to Rs 60,000.

In a separate incident, an ice cream vendor was attacked and robbed near Shiv Mandir in Subhash Place around 12:30am on the night of June 21–22. The victim, Roop Lal Prasad (45), was returning home after his day's work when two individuals approached him. One grabbed him from behind while the other assaulted him and snatched his mobile phone and Rs 520 in cash.

Prasad fell and suffered a head injury. A PCR call was received at the Netaji Subhash Place (NSP) Police Station, and one of the suspects was caught at the scene by bystanders, police added.

"While one of the accused managed to flee, the other was overpowered by locals and handed over to police," said a police officer.

The arrested accused has been identified as 18-year-old Suraj, a resident of Shakarpur, police said. The stolen cash was recovered from his possession, and efforts are ongoing to trace and arrest his associate, they added.

BJP calls Congress 'factory of fake news'; counters Rahul Gandhi's Make in India criticism with data

Agency New Delhi.

The BJP on Sunday accused the Congress of spreading misinformation and fake news, calling the party a "factory of fake news" in response to recent remarks by Congress leader Rahul Gandhi on India's economic progress.

Amit Malviya, who heads the BJP's National Information & Technology Department, cited seven alleged instances of misinformation shared by Congress over the past two weeks. In a video posted on social media platform X, Malviya claimed that the Congress has repeatedly used doctored videos and fabricated documents to attack the government.

"India deserves an honest opposition, not this circus of deception," Malviya said, alleging that lies had become the Congress's primary strategy. Targeting Rahul Gandhi, Malviya said the Congress leader invokes Mahatma Gandhi's legacy but does not follow the values the Mahatma stood for, such as truth, non-violence, and national unity. Malviya on Saturday also responded to Gandhi's recent criticism of Prime Minister Narendra Modi's Make in India programme.

Gandhi had called the initiative ineffective, particularly in creating jobs and boosting manufacturing.

Countering this, Malviya shared data claiming a sharp rise in electronics production from Rs 18,900 crore in 2013-14 to Rs 4.22 lakh crore in 2023-24. He added that mobile phone exports had increased 77 times from Rs 1,566 crore in 2014-15 to Rs 1.2 lakh crore in 2023-24, with 99.2% of mobile phones now manufactured in India—up from 26% a decade ago.

He further defended the Production-Linked Incentive (PLI) scheme, stating it attracted investments of Rs 10,905 crore and generated total production worth Rs 7.15 lakh crore. On employment, he said 1.8 lakh new companies were registered in 2023-24—a 16% increase from the previous year.

Gangster wanted for killing man in Sonipat held; illegal firearm recovered

Agency New Delhi.

The Delhi Police has arrested a gangster, who was wanted for a murder in Haryana, said an official on Sunday, adding that a reward of Rs 20,000 was also declared by Haryana Police on the information leading to his arrest. The accused, identified as Rakesh Kadian a.k.a Pampu (39), a resident of Panipat in Haryana, was arrested from Rohini area.

Police said that Pampu was wanted in connection with the murder of one Deepak alias Bhanja at Veer Dhaba in Murthal in Sonipat, which took place in February.

Deputy Commissioner of Police (Special Cell) Amit Kaushik said that Rakesh was intercepted on Saturday based on a specific input while he was allegedly carrying illegal firearms. One semi-automatic pistol along with four live cartridges and a car were recovered from his possession.

The officer further said that Pampu has a long and violent criminal history, with more than 16 cases against him, including murder, attempt to murder, extortion, assault and arms-related offences registered across Delhi and Haryana. "He entered the world of crime in 2010 after witnessing the murder of his uncle by a man named Sharwan in his village. In retaliation, he and his associates attempted to kill Sharwan, but the latter survived," said the DCP. In 2014, after his brother-in-law Vinod was killed by Deepak alias Bhanja and his associates, Rakesh launched a violent campaign to eliminate Deepak and his supporters. He was reportedly involved in multiple attacks and killings targeting Deepak's sympathisers over the years.

Seventh heaven: Delhi traders hail licensing reform; withdrawal of police regulatory control over 7 key activities to boost biz

Agency New Delhi.

Traders across the capital have welcomed LG VK Saxena's decision to withdraw Delhi Police's regulatory control over seven commercial activities—including motels, guesthouses, discotheques, amusement parks and eating establishments.

Various trade and sectoral associations, citing their earlier meetings with Delhi govt, noted that while agencies like the fire department, DPCC and civic bodies oversaw fire safety, hygiene and environmental standards, Delhi Police played no significant role in the actual business verification process.

Representatives from restaurant associations highlighted that only select cities like Delhi and Kolkata mandated police licensing for eateries—a requirement they described as outdated and unnecessary. Manpreet Singh, treasurer of National Restaurant Association of India, called LG's decision a progressive step that would improve ease of doing business in Delhi. "For opening an eating establishment, entrepreneurs already need clearances from DPCC, fire department, MCD/NDMC, FSSAI and state excise," he said. "Despite this, police still require documents like rent agreements and fresh verification every year—even if the same owner runs multiple outlets. This duplicative process is time-consuming and burdensome. Ideally, simply informing the police should suffice—no separate license should be needed."

The decision will particularly benefit small business owners and startups who often lack the resources to navigate multiple layers of regulation and annual scrutiny. The move will level the playing field and boost entrepreneurship in the city. Atul Bhargawa, president of New Delhi Traders Association, said the order—once implemented—would help streamline operations in popular commercial hubs like Connaught Place and Khan Market, where the restaurant industry often faced procedural delays.In the case of guesthouses, traders explained that four agencies currently issued mandatory no-objection certificates (NoCs): Delhi Pollution Control Committee (DPCC), MCD, fire department and Delhi Police. The new order eliminates the requirement for a police NoC, reducing bureaucratic red tape and easing compliance for businesses.

Delhi set for monsoon arrival in two days; IMD forecasts rain, thunderstorms through the week

The IMD has forecast generally cloudy skies with the possibility of rain, thunderstorms, and lightning every day through June 28.

Agency New Delhi.

The India Meteorological Department (IMD) has forecast light to moderate rain accompanied by thunderstorms and gusty winds to persist across Delhi over the next week, as conditions continue to build for the imminent arrival of the southwest monsoon in the national capital.

The department on Sunday said that the monsoon has already advanced into most parts of Himachal Pradesh, Ladakh, Jammu & Kashmir and parts of Punjab. Delhi is expected to witness the monsoon's onset within the next two days as conditions remain favourable over Haryana, Chandigarh, and adjoining areas.

While Safdarjung recorded a high of 36.2 degrees celsius on Sunday, 2.4 degrees celsius below normal, the weather remained dry through the day, with just 1.2 mm of rainfall in the past 24 hours and no measurable rain between 8:30 am and 5:30 pm. Minimum temperatures hovered around 28.4 degrees celsius, slightly above normal. Across Delhi-NCR, maximum temperatures ranged from 33.6 degrees celsius to 36 degrees celsius, all markedly below seasonal norms by 2–6 degrees celsius. However, humidity levels remained high, with a peak of 83%, keeping the discomfort index elevated.

The IMD has forecast generally cloudy skies with the possibility of rain, thunderstorms, and lightning every day through June 28. Winds are expected to remain steady at 10–20 kmph, shifting from southeasterly to westerly directions midweek. No heatwave conditions are predicted during this period, offering some relief after a hot and humid start to June. However, the approaching monsoon system and a low-pressure area over southern Uttar Pradesh are likely to drive erratic weather spells in the coming days.

Robbers loot Delhi ice cream parlour; attack seller in separate knife-point incidents

NEW DELHI. In two separate incidents, an ice cream parlour and an ice-cream seller were robbed in the national capital on knife point, an official said on Sunday. In the first incident, three unidentified masked men allegedly looted an ice cream parlour in Keshavpuram area of northwest Delhi and decamped with cash, mobile phone, and several ice cream and kulfi packets. The entire incident was also recorded in CCTV footage and police teams have been formed to nab the accused. According to the police, the incident took place around 11 pm on Saturday at a shop located on Talab Road.

"Two men were holding knives, wearing face masks, came on a motorcycle and barged into our parlour. They threatened us, forcing my brother to sit in a corner while one was guarding, another looted everything -- cash, mobile phones and ice creams," shop owner Narender said. CCTV footage from the scene shows the trio filling bags with ice creams and kulfis in a matter of seconds before fleeing on the same motorcycle, police said.

The shop owner has claimed a total loss of nearly Rs 50 to 60,000, including stolen cash, mobile phone, and the cost of the looted frozen stock. Police said that they are checking the footage from the CCTV camera and the identification process is underway.

In another incident, an ice-cream seller was robbed by two persons near Shiv Mandir, Subhash Place in northwest Delhi, with one of the assailants caught by the public at the spot.

According to the police, the incident took place around 12.30 am on the intervening night of June 21 and 22, when the victim, identified as Roop Lal Prasad (45), was returning home after his routine ice-cream sales. As he reached near a sweets shop, one person allegedly grabbed him from behind while the other assaulted him with fists and took away his mobile phone and Rs 520 in cash. "While one of the accused managed to flee, the other was caught," said a policer officer.

DU issues apology over UG admission form 'blunder'

Agency New Delhi.

The Delhi University (DU) has issued an apology after its undergraduate admission form listed "Muslim" as a mother tongue while completely omitting "Urdu", triggering widespread criticism from faculty members who have alleged communal bias and constitutional insensitivity.

"The University of Delhi sincerely regrets the inadvertent error in its admission form. We acknowledge your concerns and are committed to addressing them," the university posted on social media platform X. However, it also urged people not to "vitiate the university's diverse and harmonious environment" by attributing ulterior motives to the error.

But academics from the DU have rejected this explanation, calling the language used in the form reflective of a "communal mindset." Abha Dev Habib, professor at Miranda House, wrote on another social media platform Facebook, "Under 'Mother Tongue', the form omits Urdu entirely while listing 'Muslim'. Is it beyond DU's understanding that Muslims speak the same languages as others from their regions? This cannot be anything but Islamophobic."

She added that the omission was particularly serious given Urdu's status as a language listed in the Eighth Schedule of the Constitution.

Calling it more than a clerical lapse, Rudrashish Chakraborty, associate professor at Kirori Mal College and executive member of DUTA, said that the incident was part of a larger pattern of marginalisation. "By removing Urdu and inserting 'Muslim', the administration has effectively targeted a language and a culture," he said, calling the move a violation of both academic and constitutional principles.Chakraborty also criticised the university's choice of terminology, arguing that "native language" would have been more academically appropriate than "mother tongue".

The controversy intensified further after it emerged that the form required applicants under reserved categories to list sub-castes like "mochi" and "dhobi", a move professors called casteist and insensitive. Rights groups and faculty are now demanding a formal apology, full transparency and institutional safeguards to prevent future lapses.

Owner Of Flat, Where Sonam Raghuvanshi, Killers Lived, Suspected Of Hiding Evidence

Lokendra Tomar emerged as a suspect while the police were questioning Silome James, the property dealer from Indore who rented the flat to the murder accused.

Agency New Delhi.

The owner of the flat where murder-accused Sonam Raghuvanshi and her aides lived after killing her husband, Raja Raghuvanshi, is under the scanner of the Meghalaya SIT for concealing evidence. Lokendra Tomar, an infrastructure company owner, allegedly took Sonam's bag containing a country-made pistol, her phone, Raja's jewellery, and Rs five lakh cash from the house in Indore's Hirabagh locality, police sources believe.

Tomar emerged as a suspect while the police were questioning Silome James, the property dealer from Indore who rented the flat to the murder accused.

According to James, Tomar had asked the property dealer to remove Sonam's bag from the flat shortly after she surrendered to the police. However, when he did not, the flat owner took it. Police sources said Tomar also tried to get the CCTV footage of the car showroom near his flat.

Tomar is currently missing, and his phone is switched off. The police are carrying out raids to locate him in Indore, sources said.

What we know about Sonam's bag

According to the Meghalaya Special Investigation Team (SIT), Silome James had rented a flat in Indore's Hirabagh locality to one of three killers - Vishal Singh Chauhan. The victim's wife, Sonam Raghuvanshi, is also believed to have stayed in the flat between May 26 and June 8, before she surrendered to the police. During her interrogation, Sonam said she left a black-coloured bag in the flat on June 8 and left for Ghazipur. Sonam's phone, Raja's jewellery, Rs five lakh cash, and a country-made pistol were kept in the bag. However, when the police raided the house, they did not find anything. Preliminary investigation, however, revealed that two days after Sonam surrendered, James and the building's security guard, Balveer, went to the flat and removed the bag and other evidence items. They allegedly set the bag on fire and destroyed it. The security guard was given Rs 5,000 to hide the evidence - following which he helped conceal it and escaped to his home in Ashok Nagar. James also took Sonam's laptop, which was later thrown away by his wife.

The two were allegedly caught concealing the evidence in one of the CCTV cameras collected by the Meghalaya SIT. They were subsequently arrested.

The Honeymoon Murder Case

Raja and Sonam got married on May 11. Nine days later, they left for their honeymoon in Meghalaya on May 20 with a one-way ticket in hand. The couple roamed around in the Northeast for three days before going "missing". When their family members could not reach them they reached out to the police.

NEWS BOX

Trampled down territorial integrity: North Korea condemns US strikes on Iran

Seoul. North Korea said on Monday it strongly condemns the US strike against Iran as a grave violation of a sovereign state's security interests and territorial rights, the North's state media reported.

The United States and Israel are the culprits of the current tensions in the Middle East born out of Jerusalem's "ceaseless war moves and territorial expansion" accepted and encouraged by the West," North Korea's foreign ministry said."(We) strongly denounces the attack on Iran by the US which ... violently trampled down the territorial integrity and security interests of a sovereign state," the unnamed spokesperson said in a statement carried by KCNA news agency.The just international community

should raise the voice of unanimous censure and rejection against the U.S. and Israel's confrontational acts," the statement said.Iran and North Korea have maintained friendly ties and have been suspected for decades of military cooperation, including in developing ballistic missiles.

FedEx founder Fred Smith, a Marine Corps veteran who revolutionised package delivery, dies at 80

MEMPHIS. Fred Smith, the FedEx Corp. founder who revolutionised the express delivery industry, has died, the company said. He was 80.

FedEx started operating in 1973, delivering small parcels and documents more quickly than the postal service. Over the next half-century, Smith, a Marine Corps veteran, oversaw the growth of a company that became something of an economic bellwether because so many other companies rely on it.Memphis, Tennessee-based FedEx became a global transportation and logistics company that averages 17 million shipments per business day. Smith stepped down as CEO in 2022 but remained executive chairman.Smith, a 1966 graduate of Yale University, used a business theory he came up with in college to create a delivery system based on coordinated air cargo flights centered on a main hub, a "hub and spokes" system, as it became known.

The company also played a major role in the shift by American business and industry to a greater use of time-sensitive deliveries and less dependence on large inventories and warehouses.Smith once told The Associated Press that he came up with the name Federal Express because he wanted the company to sound big and important when in fact it was a start-up operation with a future far from assured.At the time, Smith was trying to land a major shipping contract with the Federal Reserve Bank that didn't work out.

In the beginning, Federal Express had 14 small aircraft operating out of the Memphis International Airport flying packages to 25 U.S. cities.Smith's father, also named Frederick, built a small fortune in Memphis with a regional bus line and other business ventures. Following college, Smith joined the U.S. Marines and was commissioned a second lieutenant. He left the military as a captain in 1969 after two tours in Vietnam where he was decorated for bravery and wounds received in combat.

Global Warming Clouds Changes Are Making Earth More Even Hotter: Study

Melbourne. At any given time, about two-thirds of Earth's surface is covered by clouds. Overall, they make the planet much cooler than it would be without them.But as Earth gets warmer, mostly due to the rise in greenhouse gases in the atmosphere from humans burning fossil fuels, clouds are changing too. And that might already be causing more warming - adding to the greenhouse heat boost, and changing clouds even more.Over the past few years, the world's average temperature has increased more than climate scientists were expecting. In our latest research, led by NASA Goddard Institute for Space Studies, we show that changes in clouds have made a significant contribution to turning up the thermostat.

Clouds and climate

Clouds help to keep Earth cool by reflecting sunlight back out to space before it can reach the ground. But not all clouds are equal.Shiny, white clouds reflect away more sunlight - especially when they are closer to the equator, in the parts of Earth that receive the most sun. Grey, broken clouds reflect less sunlight, as do clouds closer to the poles where less light falls.

Research published last year showed that Earth has been absorbing more sunlight than the greenhouse effect alone can explain. Clouds were involved, but it wasn't clear exactly how.Bright cloud zones are shrinkingOur new study shows what is happening. The areas covered by highly reflective clouds are shrinking. At the same time, the areas containing broken, less reflective clouds are growing.The net effect is that additional energy from sunlight is reaching Earth's surface. Here it is absorbed, leading to extra heating.We also looked at the effect of changes in the properties of the highly reflective clouds, caused by things such as changes in the amount of aerosol pollution in the atmosphere. However, we found these effects are much smaller than the effect of the change in area.The global picture

In the big picture, Earth's wind patterns are driven by hot air rising near the equator and the rotation of the planet. This creates huge, looping currents of atmospheric circulation around the globe.

Mahmoud Khalil vows to continue protesting Israel and the war in Gaza after release from detention

Mahmoud Khalil greeted friends and spoke briefly to reporters at New Jersey's Newark International Airport a day after leaving a federal immigration facility in Louisiana.

NEWARK. A Palestinian activist who was detained for more than three months pushed his infant son's stroller with one hand and cheered as he was welcomed home Saturday by supporters including U.S. Rep. Alexandria Ocasio-Cortez.

Mahmoud Khalil greeted friends and spoke briefly to reporters at New Jersey's Newark International Airport a day after leaving a federal immigration facility in Louisiana. A former Columbia University graduate student and symbol of President Donald Trump 's clampdown on campus protests, he vowed to continue protesting Israel and the war in Gaza."The U.S. government is funding this genocide, and Columbia University is investing in this genocide," he said. "This is why I will continue to protest with every one of you. Not only if they threaten me with detention. Even if they would kill me, I would still speak up for Palestine."Joining Khalil at the airport, Ocasio-Cortez said his detention violated the First Amendment and was "an affront to every American.""He has been accused, baselessly, of horrific allegations simply because the Trump administration and our overall establishment disagrees with his political speech," she said."The Trump administration knows that they are waging a losing legal battle," Ocasio-Cortez added. "They are violating the law, and they know that they are violating the law."Khalil, a 30-year-old legal resident whose wife gave birth during his 104 days of detention, said he also will speak up for the immigrants he left behind in the detention center."Whether you are a citizen, an immigrant, anyone in this land, you're not illegal. That doesn't make you less of a human," he said.

Khalil was not accused of breaking any laws during the protests at Columbia. However the administration has said noncitizens who participate in such demonstrations should be expelled from the country for expressing views it considers to be antisemitic and "pro-Hamas," referring to the Palestinian militant group that attacked Israel on Oct. 7, 2023.Khalil was released after U.S. District Judge Michael Farbiarz said it would be "highly, highly unusual" for the government to continue detaining a legal resident who was unlikely to flee and had not been accused of any violence. The government filed notice Friday evening that it was appealing Khalil's release.

Hands off Iran: Anti-war protests flood US cities after strikes on nuclear sites

WORLD. Several US cities witnessed massive anti-war protests, with demonstrators carrying banners with slogans "Hands off Iran" and "No US-Israel war on Iran", after the US bombed three Iranian nuclear strikes, causing a major escalation in the Middle East crisis.

Visuals flooding the X showed demonstrators holding up banners and chanting anti-war slogans as they called on the President Donald Trump-led administration to stop supporting Israel and have no further involvement in the Jewish nation's conflict with Iran.As part of Operation Midnight Hammer, the US military hit Iran's Fordow, Isfahan and Natanz nuclear sites.The demonstrations took place in Boston, Chicago, outside the White House in Washington DC, and at the iconic Times Square in New York City, among others. Besides asking the US to step back, the protesters called out Israel for initiating the conflict with Iran as well as their Gaza military operation.The anti-war protests erupted as major US cities, including New York and Washington, were placed on high alert after the airstrikes on Iran. Law enforcement agencies said though there were no specific or credible threats so far, additional

patrols and precautions have been taken around cultural, diplomatic and religious sites.

Earlier, the New York Police Department (NYPD) tweeted that they are "tracking the situation unfolding in Iran" and has deployed additional resources across the city "out of an abundance of caution". In a similar advisory, the Metropolitan Police Department (MPD) in Washington DC, noted increased coordination with local, state and federal law enforcement agencies to share intelligence and ensure the safety of residents, visitors, and businesses.

Meanwhile, Trump reiterated on Monday US forces' "bullseye strike" on Iranian nuclear sites, which he said caused "monumental damage" and obliterated Fordow, Natanz, and Isfahan. Soon after the US dropped bombs on the sites, Trump in a post on Truth Social, praised the "great American warriors" and warned Iran to come to the table for peace talks.

Commercial satellite imagery indicated severe damage to the Iranian sites, but there was no confirmation, news agency Reuters reported. On Sunday, Iran's Atomic Energy Organisation said there were no signs of radioactive contamination following the US air attack.Iran's Supreme Leader, Ayatollah Ali Khamenei, fiercely condemned the US strikes and warned of Tehran's harsh and decisive response. Calling out the "Zionist enemy", he said it made a "big mistake, committed a big crime" and must be punished.

Pakistani politicians, others ask government to review Trump's nomination for Nobel Peace Prize

ISLAMABAD. Several Pakistani politicians and notable figures have asked the government to reconsider its decision to recommend President Donald Trump for the 2026 Nobel Peace Prize after the US bombed Iran's three nuclear sites.The government, in a surprise move on Friday, announced that it would nominate Trump for the prestigious award due to his peacemaking efforts during the recent India-Pakistan conflict.A letter of recommendation, signed by Deputy Prime Minister and Foreign Minister Ishaq Dar, has already been sent to the Nobel Peace Prize Committee in Norway.But the decision came under scrutiny after the US bombed Iran's Fordo, Isfahan and Natanz nuclear sites, joining Israel to dent Tehran's nuclear programme.The Dawn newspaper reported that some leading politicians demanded the government review its decision in light of the latest development.Veteran politician Maulana Fazlur Rehman, who heads

the Jamiat Ulema-i-Islam (JUI-F), demanded that the government rescind its decision."President Trump's claim of peace has proven to be false; the proposal for the Nobel Prize should be withdrawn," Fazl told workers at a party meeting in Murree on Sunday.He said that Trump's recent meeting and lunch with the Chief of Army Staff (COAS) Field Marshal Asim Munir "pleased Pakistani rulers so much" that they recommended nominating the US president for the Nobel Prize.

"Trump has supported the Israeli attacks on Palestine, Syria, Lebanon and Iran. How can this be a sign of peace?" Fazl questioned."With the blood of Afghans and Palestinians on America's hands, how can he claim to be a proponent of peace?" Trump had campaigned for office as a "peacemaker" who would use his negotiating skills to quickly end wars in Ukraine and Gaza, but both conflicts are still raging five months into his presidency.

Former senator Mushahid Hussain wrote on X: "Since Trump is no longer a potential peacemaker, but a leader who has willfully unleashed an illegal war, Pakistan government must now review, rescind and revoke his Nobel nomination!".

Russian attacks on Ukraine kill at least nine, injure over a dozen

KYIV. A Russian drone and missile attack on Ukraine's capital overnight killed at least six people and injured others, according to local officials, as rescue workers and firefighters sought to remove people they believed trapped under debris in a partially collapsed apartment building.Elsewhere in Ukraine, a Russian short-range drone attack killed two people and wounded 10 more in the Chernihiv region late Sunday night, authorities said. According to the regional administration head, Viacheslav Chaus, three children were among the wounded.Another person was killed and eight wounded overnight in the city of Bila Tserkva, around 85 kilometers (53 miles) southwest of the capital.

The strikes came nearly a week after a combined Russian attack on Ukraine last Tuesday killed 28 people in Kyiv, 23 of them in a residential building that collapsed after sustaining a direct hit by a missile. Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy called that attack one of the biggest bombardments of the war, now in its fourth year.In the early hours of Monday, drones and missiles hit residential areas, hospitals and sports infrastructure in numerous districts across Kyiv, emergency services said, with the most severe damage occurring in the Shevchenkivskyi district, where one section of a five-story apartment building collapsed.Kyiv Mayor Vitali

Klitschko said six people were confirmed dead in the Shevchenkivskyi district. Ten others, including a pregnant woman, were rescued from a nearby high-rise that also sustained heavy damage in the blast.

Dozens of vehicles, some burned out and others mangled by flying debris from the blast, formed a snarl in the courtyard in front of the building, which had collapsed down to the second floor.Onlookers, some wrapped in blankets, watched tearfully as the cleanup operation took place. Dozens of volunteers worked to remove broken glass, downed tree branches and other debris.

Klitschko told reporters from the scene that "we very much hope that the death toll will not increase," but that rescue workers were still searching the collapsed building for further casualties.Russia fired a total of 352 exploding drones and decoys overnight, Ukraine's air force said. Russia also launched 11 ballistic missiles and five cruise missiles. Air defenses intercepted or jammed 339 drones and 15 missiles before they could reach their targets, the statement said.

Tarnished by Oct. 7, Netanyahu's legacy may be reshaped by war with Iran

Many Israelis are attuned to Netanyahu's campaign against Iran's nuclear program, which they view as a major threat to their country and are therefore relieved by the direct involvement of the U.S. military.

TEL AVIV. In the days after Hamas attacked Israel on Oct. 7, 2023, Prime Minister Benjamin Netanyahu seemed a shellshocked shadow of himself. He looked diminished and downtrodden by the surprise assault that created a national emergency and caused his public support to plummet.Now, as Israel faces another unprecedented crisis in a war with Iran, Netanyahu appears rejuvenated. With the U.S. lending its support against a threat he has devoted his life to confronting, Netanyahu is demonstrating a resurgent confidence that could signal a new turning point in his lengthy political career.Even as Iranian missiles pound Israeli cities, Netanyahu, 75, has the chance to salvage his sagging political fortunes and reshape a legacy punctured by Hamas' attacks, a corruption trial and a history of divisive rule. If he succeeds, it will cement his reputation within Israel as a political wizard who can rise from the ashes.

"Netanyahu has proven that he is a phoenix," said veteran Israeli journalist and Netanyahu biographer Mazal Mualem.The war is far from won. Israel is still vulnerable to Iranian attacks, and whatever political boost Netanyahu gains from the latest developments could dissipate by elections scheduled for next year. He is the same polarizing leader he was yesterday.Internationally, he faces an arrest warrant for charges of war crimes in Gaza. He is widely reviled across the Arab world. And after nearly two years of regionwide conflict, many critics see him as a warmonger responsible for tens of thousands of deaths in Gaza and elsewhere in the Middle East.But domestically, where Netanyahu's eyes are always focused, his legacy has been granted a lifeline.Many Israelis are attuned to Netanyahu's campaign against Iran's nuclear program,

which they view as a major threat to their country and are therefore relieved by the direct involvement of the U.S. military.Netanyahu is seen as a very divisive and destructive leader. He is seen as someone who talks a lot and doesn't do anything," said Aviv Bushinsky, a former Netanyahu aide. "Today, Netanyahu redeemed himself, big time."In an early morning video statement after the U.S. strike on Iran's nuclear facilities, Netanyahu could barely contain a smile as he thanked President Donald Trump. He said the intervention would "change history."It's a stunning turnaround for an Israeli leader who critics and analysts largely wrote off in the days after Oct. 7, when he presided over the deadliest attack in Israel's history. Many hold Netanyahu personally responsible for overseeing policies that enabled Hamas to retain power in Gaza for many years and build up a formidable arsenal.Netanyahu has been buoyed occasionally since then by military successes against Hamas and the Iran-backed Hezbollah in Lebanon. But with the Gaza war dragging on with no end in sight, and dozens of Israeli hostages still in captivity, his approval ratings have remained low.The week-old assault on Iran, highlighted by Sunday's U.S. attack, grants Netanyahu a chance for salvation.

NEWS BOX

Gündogan has two goals, Haaland scores as Man City routs Al Ain 6-0 at the Club World Cup

ATLANTA. Ilkay Gündogan had a pair of goals, Erling Haaland scored on a penalty and Manchester City locked up its spot in the knockout round of the Club World Cup with a 6-0 rout of Al Ain on Sunday night.

Claudio Echeverri, Oscar Bobb and Rayan Cherki also scored for City, which is trying to put an encouraging capper on a disappointing season.

The English powerhouse finished third in the Premier League after four straight championships and went down to Real Madrid in the knockout playoff of the UEFA Champions League.With an entirely new lineup after a 2-0 win over Morocco's Wydad in the group opener, Man City produced a dominating performance in Atlanta against an overmatched club from the United Arab Emirates.The time of possession was a staggering 74% in favor of the English side, which outshot Al Ain 21-

5.Haaland buried the penalty for his 32nd goal of the season across all competitions after a video review found that Rami Rabia took down City's Manuel Akanji in the area on a corner kick. Cherki, one of City's high-profile signings, scored his first goal r his new club in the waning minutes.The expected result sent Man City and Italian club Juventus (both 2-0-0) to the Round of 16 from Group G. Al Ain has been blown out twice, losing 5-0 to Juventus in its opener.Manchester City is the reigning club champion, winning the title in 2023 under the former seven-team format.

After Gündogan flicked in an early goal over the head of keeper Khalid Eisa, Echeverri assured this would be an easy night for City in the 27th minute. With a free kick from just outside the area, he curled a shot over the wall that left Eisa frozen on one knee while the ball ripped the back of the Man City will face Juventus on Thursday in Orlando to determine which team claims the top spot in the group.

Prithvi Shaw wants to leave Mumbai Cricket, seeks NOC from MCA to switch teams

Prithvi Shaw has written to the Mumbai Cricket Association (MCA) seeking a No Objection Certificate (NOC) to switch to another state team ahead of the upcoming domestic season. A source confirmed the development, saying the matter would be discussed before taking a final call."Yes, he has written to us for an NOC. We will discuss and decide," the MCA source told India Today.Prithvi Shaw's request comes after a turbulent run with Mumbai cricket over the past two seasons. Once hailed as one of the brightest young talents in Indian cricket, Shaw was dropped from Mumbai's Ranji Trophy squad last year, with selectors citing fitness concerns. Although he returned to play the Syed

Mushtaq Ali Trophy under Shreyas Iyer's captaincy, helping Mumbai win the title, he was left out of the Vijay Hazare Trophy squad that followed.Following his omission, Shaw took to social media, posting a message that reflected both disappointment and confusion over the selectors' decision.

"Tell me God, what more do I have to see.. if 65 innings, 3399 runs at an average of 55.7 with a strike rate of 126, I'm not good enough but I will keep my faith in you and hopefully people believe in me still cause I will come back for sure.. Om Sai Ram," he wrote.Last year, the MCA had reacted strongly to Shaw's outburst. A senior official, speaking on condition of anonymity, said Shaw had repeatedly violated team protocols and failed to meet basic fitness standards."His fitness, discipline, and attitude are lacking, and we cannot have different rules for different players," the official said. "The ball would pass near him, and he would barely make an effort to reach it. Even while batting, he struggled to reach the ball."It was also reported that Shaw missed training sessions and frequently returned to the team hotel late, leading to frustration within the squad. Some senior players were understood to have voiced their concerns to the team management.

Mexico wins CONCACAF Gold Cup group after 0-0 draw against Costa Rica

Mexico's Santiago Giménez appeared to score on a bicycle kick in the fourth minute of second-half stoppage time but the goal was disallowed following a video review.

LAS VEGAS. Mexico tied Costa Rica 0-0 on Sunday night to win Group A of the CONCACAF Gold Cup and will play Saudi Arabia in the quarterfinals.Mexico's Santiago Giménez appeared to score on a bicycle kick in the fourth minute of second-half stoppage time but the goal was disallowed by Guatemalan referee Mario Escobar following a video review.

Giménez appeared to be offside when Luis Chávez lofted the ball into the penalty area after exchanging taps with Carlos Rodríguez on a free kick. Orlando Galo's headed clearance attempt went in front of the goal to Giménez, who overhead kick beat goalkeeper Keylor Navas, plus-three to plus-two.Mexico, unbeaten in 10 Gold Cup matches against Costa Rica, finished even with the Ticos at seven points but won the group on goal difference."We're growing, although not at the speed I'd like," Mexico coach Javier Aguirre said. "It was a good game for us that didn't end with a victory. We're happy with the performance. I have noting to reproach my players for."

El Tri, which defeated the Dominican Republic and Suriname in their first two matches, will play Saudi Arabia on Saturday at Glendale, Arizona, while the Costa Ricans will face the United States the following day in Minneapolis.Costa Rica will be missing four regular starters. Forward Manfred Ugalde, who has three goals in the tournament, and midfielder Carlos Mora are suspended for yellow-card accumulation. Defender Ariel Lassiter has a fractured left hand and forward Warren Madrigal a broken left leg."It was a difficult match, we said so beforehand. It was very close, and we knew it would be that way,," Costa Rica coach Miguel Herrera said. "We still have things to fix, but we have a very good team, for me the best in the region."

Ugalde, assessed a yellow card against the Dominican Republic, received another yellow in the 83rd for charging into Rodríguez and elbowing him near the center circle. The two yellows result in a one-game suspension.Mexico had 70% possession and had a 13-5 advantage in shots, including 4-0 in shots on target.Costa Rica's Alonso Martínez put a 25-yard shot off the crossbar while falling in the 67th.

'I missed a lot of hundreds, I should have scored more': Sourav Ganguly's biggest regret

A look at his statistics showed that Ganguly got out in the 80s and 90s a number of times. Exact 30 times.

KOLKATA. He is the owner of 38 fantastic centuries in international cricket, but that number is not pleasing to former India skipper Sourav Ganguly, who regrets missing many hundreds during his cricketing journey.

The elegant left-hander of his times, Ganguly scored 18575 runs in Test and ODIs but regrets missing many centuries in his career in which he competed in 311 ODIs and 113 Tests.Ganguly's remorse came to fore when he was asked what advise he would give to his old self."I missed a lot of hundreds, I should have scored more. Too many 90s and 80s," Ganguly told PTI in an interaction.

A look at his statistics showed that Ganguly got out in the 80s and 90s a number of times. Exact 30 times.If he could convert those innings into centuries he would have easily scored 50-plus centuries in his already glorious career.He loves watching his old innings, his strokeplay whenever he is alone and it further reminds him how close he was to getting more hundreds.

"I see my (batting) videos when I am alone. When my wife is away because Sara lives in London. I go to Youtube, and watch and say 'arre fir 70 pe out ho gaya' (Gosh, I got out for 70 in this also), should have scored a hundred. But you can't change it."

In ODIs, Ganguly had 72 half centuries and in Test the number stands at 35. As a skipper sometimes a tough call become imperative. You have to drop a player to accommodate someone who you think is more suited for conditions or requirement.

Ganguly regretted dropping Anil Kumble, one of the greatest leg spinners in the world.

"Anil Kumble, a few times, because he was so good," he said.For Ganguly, Australia was his favourite rival side and pacer Glenn McGrath the most feared bowler.

Tried not to think about discussions surrounding my place in side: Ollie Pope

LEEDS. His away series against India last year had started with a bang and ended in a whimper but Ollie Pope has consciously tried to not let discussions about his slot in the playing eleven affect him too much while constructing a stylish century during England's solid first innings reply on the second day of opening Test.Vice-captain Pope, whose place in the team has been under scanner since his technique got exposed by Jasprit Bumrah and Indian spinners in the 2024 away series, scored a fine 106 in England's first innings score of 465.For the record, Pope had started with 196 in Hyderabad and then in remaining four Tests, totalled 40 runs."I've tried not to let it affect me too much," Pope said at post day press

conference on Sunday."I've just been trying to make sure my game's in as good a place as possible and when I get in, try to make sure I make the most of it. I've tried to let the outside noise do its thing and make sure my game keeps improving, and that I get my headspace in as good a place as possible too.Pope has tried to bring about a change in his mindset wherein he doesn't feel too hard pressed to reach his first 30 runs and then feel set.

"It's almost just trying my game a little bit more: not feeling like I've got to rush to 30 to then really feel 'in'. It's trying to enjoy the process of building an innings, rather than jut, 'I want to get to 30 to then make a big one'...

"It's something I've been working hard on, just generally putting my game in a better place and making sure my defence is as good as it can be." However, the graceful right hander agreed that there is still a long way to go in the marathon five-Test series."It's a long series, and there's a lot to be done in this game still as well," he added."It's definitely (an innings) that I really enjoyed. It was disappointing not to kick on this morning, but I'm really happy with how I went about it and played, and I'm happy with where my game's at - so hopefully, I can kick on."

Carlos Alcaraz beats Lehecka in Queen's Club final ahead of Wimbledon defense

Alcaraz lifted the trophy just two weeks after his epic five-set victory over Jannik Sinner at Roland-Garros.

LONDON. Carlos Alcaraz showed he will be the man to beat at Wimbledon again after defeating Jiri Lehecka in the final at Queen's Club on Sunday.The top-seeded Spaniard replicated his debut triumph on the grass courts of west London in 2023 with a 7-5, 6-7 (5), 6-2 victory.It was an 18th-straight match win for Alcaraz — in his fifth consecutive final — following his title successes in Rome and at the French Open.

Lehecka had knocked out home hope Jack Draper on Saturday to become the first Czech finalist since Ivan Lendl won the title in 1990.The 23-year-old Lehecka played his part in a high-quality final with some huge serves and powerful ground strokes, forcing the match to a decider via a tiebreaker.

But Alcaraz, the defending Wimbledon champion, did not face a single break point and slammed down 18 aces on his way to a 21st career title, and second at Queen's.

Alcaraz lifted the trophy just two weeks after his epic five-set victory over Jannik Sinner at Roland-Garros.The 22-year-old made the tight turnaround from clay to grass look simple, even though he took time out for a holiday in Ibiza before heading to London.

"It's really complicated, the switch from clay to grass in just few days, because that's the time I had before the tournament began," Alcaraz said. "Just two days of practicing and then I had to compete here. So I came here with no expectations at all.

"I just came here with a goal to play two, three matches, try to feel great on grass moving, and, you know, give myself the feedback of what I have to improve, what I have to do better."So what I'm more proud about this week is the way that I have been improving every day. You know, since the first day until today, I think I'm a different player on grass. I just got used to it really quick."

The harder the competition, the more fun it is: Promising shooter Suruchi

Teenager from Haryana, who has claimed three consecutive World Cup individual gold medals this season, is not daunted by big names in the sport; The 19-year-old is currently preparing for national selection trials that is scheduled to be held in Dehradun on June 29

CHENNAI. It would be an understatement to say that pistol shooter Suruchi Singh has had a swell time so far this season. Even after factoring the Indian shooters' considerable impression at the elite level in recent years, Suruchi's, who turned 19 not so long ago, exploits in the last three World Cups is quite a colossal leap. Three back-to-back individual gold medals in a competition of that magnitude is something that's unheard of as far as India is concerned. Moreover, what makes her tale interesting is the fact she was shooting at this level (senior World Cups) for the first time.Currently at her hometown at Sasroli village in Jhajjar district, Haryana, Suruchi, after a small break, has started training her guns for her next assignment — the national selection trials (T3) that's scheduled to be held in Dehradun on June 29. The shooter, who specialises in 10m air pistol category, knows that her World Cup exploits are just the beginning and she still has plenty of room for improvements.

"It was a good experience (World Cups) and I got to learn quite a lot during my matches, the finals. There are certain things that I have noted down, the mistakes that I made then. I have to work on those things now. It's mainly related to my technique," Suruchi, who also won two mixed team medals apart from triple individual gold, told this The New Indian Express.Wang Zifei of China might

be the only shooter who could likely claim to have a better season. Just like Suruchi, the 18-year-old, who competes in women's 10m air rifle, has three individual gold medals (including a World Record score) and three more (1 gold, 1 silver, 1 bronze) in team competitions.The fact that Suruchi was up against some giants of the sport, some who have countless years experience, is what makes her golden run even more rewarding.

Jiang Ranxin (2020 Olympic gold medallist and multiple record holder from China), Oh Ye-jin (reigning Olympic champ from South Korea), Camille Jedrzejewski (Paris Games silver medallist from France), veteran Olena Dmytrivna Kostevych (former Olympic champion) and senior compatriot Manu Bhaker of course, were some of the big names that Suruchi was facing then.

The BA first-year student said that she relishes such competitions. "Competition is fun, it's good to be part of matches that involve big names. The harder the competition, the more fun it is," she said."I generally don't think about anything before the matches. I don't think about how big a competition will be entering the match because everyone is a strong shooter in their own rights. That is the reason I don't feel pressure from anyone."Suruchi is currently looking to sharpen her skills at the Guru Dronacharya Shooting Academy under the guidance of her coach Suresh Singh. It's a process of one step at a time for the promising shooter. "I don't want to look too far ahead but I would like to take one match at a time, that would be my next goal.

Chitrangda Singh

Regrets Saying No To Tanu Weds Manu, Gangster: 'I Made Those Mistakes'

Chitrangda Singh, who was recently seen in Housefull 5, sat down for a candid conversation with SCREEN where she looked back at her 20-year journey in Bollywood. The actress opened up about her unconventional path in the industry, her nine-year-long sabbatical, missed career-defining roles, and how personal challenges shaped her trajectory.Reflecting on her debut film Hazaaron Khwaishein Aisi and how the years have flown by, Chitrangda shared, "It's been a very quick 20 years. When I look back, I feel like I have gotten far more than I expected. I don't think I was a very ambitious person. I didn't think I was going to go places. I was quite happy that I would get married and just have a good time; I never had a vision for myself. I feel that everything has been more than I expected. In 20 years, there have been 9 years of breaks in between. 11 years of working and people have not forgotten me, so I feel grateful."

Asked whether a film like Hazaaron Khwaishein Aisi could be made today, she expressed hope for more meaningful cinema: "I wish films like Hazaaron Khwaishein Aisi get made because cinema should not just be for entertainment alone. There are films to entertain, and then there should be films about certain matters which need to go on record as cinema history. I wish we did more films like that."

On her long sabbatical, Chitrangda explained the reasons that kept her away from the screen: "The first seven years of break were because of my personal life, my commitment to that, and I had a son. I came back, and then I took another two-year break because I was going through a rough patch in my personal life again. In between that also I did not have the kind of work that I was looking for coming my way, so I decided to not be around because I was also going through my emotional ups and downs and I didn't want to do stuff that I won't be happy doing. So there was a rollercoaster of life going on. So yes, I did not do as much work as I probably would have wanted to do."

The actress also opened up about the major films she missed out on during that time and how those decisions still linger. "I have made those mistakes. I said no to Anurag Basu's Gangster. I refused Tanu Weds Manu. In Mangal Pandey, I said no to the role that Ameesha Patel played. There was one more that I am forgetting, and then there was Chalte Chalte that starred Shah Rukh Khan and Rani Mukerji, which I wasn't around for at all. They had run into some trouble and wanted to desperately cast someone. SRK had told me this. Saeed Mirza had loved my work, and they were looking for me. Juhi Chawla's brother Bobby was looking for my number. I had worked with SRK on an ad film when he had told me all this."

Despite the detours, Chitrangda's presence and impact have endured. She continues to believe in the power of authentic storytelling and meaningful roles. On the work front, she confirmed that another commercial film is underway and that she will be announcing a new project this September.

Siddhant Chaturvedi Gets 'Natural Botox' As His Mom Gives Him Champi, Facial Massage

Bollywood actor Siddhant Chaturvedi is quite active on social media and often shares pictures and videos, giving fans a sneak-peek into his day-to-day life. He recently posted a video that showed his mother giving him a 'champi' and lovingly massaging his head and face with an oil made from several natural, homemade ingredients. The 'Gehraiyaan' actor and his mother spoke in Bhojpuri throughout the video, and fans found it extremely endearing!

On Sunday, Siddhant Chaturvedi took to his Instagram account to share a video that showed his mom giving him a champi, and a facial massage. When When Siddhant asks his mom what the oil is made of, she replies it has coconut, clove, curry leaves, aloe vera, kali mirch, ginger, flaxseed, fenugreek seeds, among other ingredients. He then jokingly asks her, "Pura kiraane ka dukaan daal di ho kya iske andar, mummy? (Did you put an entire grocery store into this, Mom?)" She then goes on to massage his forehead and eyebrows, and Siddhant playfully calls it, "Natural Botox." Sharing the video, he wrote, "! #NaturalBotox #SundayDoneRight." Check out the video below!

The video left fans entertained, and fans were mighty impressed with his Bhojpuri! "Loved it when people don't hesitate to be grounded and belongings from their roots," wrote one fan, while another one commented, "Bhai tum Kitna mast bhojpuri bolte ho." A third fan wrote, "that bhojpuri conversation is hitting home," while another one wrote, "Ballia home town wala feel aawat hoi @siddhantchaturvedi." For the unversed, Siddhant Chaturvedi was born in Ballia, Uttar Pradesh, and moved to Mumbai when he was five years old.

Meanwhile, Ayushmann Khurrana also commented on Siddhant's post, and dropped a red heart emoji. Actress Isha Talwar commented, "Mummy ne koi masala nahin chhodda hai. mothers are the best :)" while Dhanashree Verma wrote, "Best."

Alia Bhatt Once Revealed She Wants to Play Geet In Jab We Met 2, Kareena's Reaction Is Unmissable

Alia Bhatt once confessed that she would love to play the role of Bollywood's most iconic character, Geet, from Jab We Met. The actress had expressed her desire to reprise the role in its sequel. But it was Kareena Kapoor Khan's, who originally played the role, reaction went viral.

In 2023, Kareena Kapoor Khan and Alia Bhatt graced an episode of Karan Johar's chat show Koffee with Karan Season 8. During one segment, Karan asked Kareena, "Sara, Janhvi, Ananya or Shanaya: who would you pick to reprise the role of Geet in Jab We Met 2?" Before Kareena could answer, Alia asked KJo, "Why am I not in this list?" Alia went on to say, "Okay fine. I'd love to." Meanwhile, Kareena answered Karan's question and said, "I don't think Geet can be done again." Even fans also reacted saying that the role is only for Kareena.

On the work front, Alia Bhatt and Sharvari are currently deep into rehearsals for Alpha, the first female-led film in YRF's blockbuster Spy Universe. The movie promises to blend slick action with glamour—and now, a visually grand dance number is also in the works.

On Friday, the duo was spotted exiting a dance studio in Mumbai. Dressed in comfy athleisure wear—Alia in black pants and a side-knotted crop top, and Sharvari sporting a similar look—the actresses appeared in high spirits. Alia waved to paparazzi as she quickly stepped into her car, while Sharvari stopped to smile and pose.

Alpha is directed by Shiv Rawail, who previously helmed the globally successful streaming series The Railway Men, also backed by YRF. The film stars Anil Kapoor and Bobby Deol in pivotal roles. Interestingly, War 2 star Hrithik Roshan is expected to make a cameo appearance in the film, further linking it to the larger spyverse.

Meanwhile, on the work front, Kareena Kapoor Khan will next be seen in Meghna Gulzar's upcoming film 'Daayra', opposite Prithviraj Sukumaran. This crime-drama thriller explores the age-old paradox of crime, punishment, and justice with the powerhouse actors in intense, commanding roles. Bebo announced the film last month on Instagram, and wrote, "I've always said that I'm a director's actor… and this time I cannot wait to work with one of the finest director's we have, @meghnagulzar & alongside the magnificent @therealprithvi, whose work I deeply admire. To my dream team, #Daayra let's do this."

12th Fail Actor Medha Shankr's 'Impromptu Singing' Impresses Fans: 'Indian Idol...'

Actor Medha Shankr became a household name by starring opposite Vikrant Massey in the critically-acclaimed 12th Fail (2023). Not many know, but she is a trained singer too. On Saturday, the actor took to Instagram and posted a video flaunting her singing skills. And she surely left her fans impressed.

Medha Shankr's video from her "impromptu singing" session was too good. Safe to say, that alongside acting, she can also pursue a career in singing. Sitting on a table with the scenic view of mountains on the backdrop, the actor sang beautifully. It is likely that the video was clicked in Mussoorie, where she is currently shooting for Ginny Weds Sunny 2 with Avinash Tiwary. Posting the same, she wrote, "Impromptu singing cause the weather called for it and this song is all over the Internet Posting a song after ages. Hope you like it." Take a look:Her elated fans showered their love on the video and also advised the actor to consider Indian Idol. "Indian Idol producer ka call jald aayega Awesome", wrote a fan. Another posted, "Very beautiful song and you are even better than that." An verbal altercation took place between another set of social media users who claimed she didn't sing the track. However, the majority of comments praised her.

Medha, who hails from Noida, Uttar Pradesh, is reportedly trained in Hindustani classical. She also did her master's degree in Fashion Management from the National Institute of Fashion Technology, Delhi.She made her debut in the entertainment industry with the Netflix series Beecham House, which premiered in 2019. Directed by Gurinder Chadha, she shared the screen with Tom Bateman, Lesley Nicol, Leo Suter, and others. The historical drama was produced by Bend it TV.

Medha's official film debut was in Shaadisthan, a drama musical released in 2021, directed by Raj Singh Chaudhary and starring Kirti Kulhari, Medha Shankr, Nivedita Bhattacharya, Nina Borah, and others. The

film was produced by Anant Roongta and Sanjay Shekhar Shetty under the banners of Famous Studios and Opticus INC, exploring the theme of women's empowerment. However, her breakthrough role came with the release of 12th Fail, directed by Vidhu Vinod Chopra. Next, she will be seen in Maalik starring Rajkummar Rao and Ginny Weds Sunny 2 .